नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 20

सोमवार, 17 से 23 जून 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

योग को बनाएं दिनचर्या का भाग : जेपी नड्डा 03

पेपर लीक से छात्रों में भारी नाराजगी 08

टी-20 विश्वकपः टीम अफगानिस्तान ने रचा इतिहास 10

घर संभालने की कला 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

जानबूझ कर टीवी से दूर रहीं निया शर्मा 12

इसरो का एक और कीर्तिमान

दोबारा इस्तेमाल हो सकने वाले विमान की तकनीक का तीसरा परीक्षण भी सफल

बंगलूरू/नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को बताया कि उसने अपनी रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक (प्रक्षेपण यान को दोबारा इस्तेमाल इस्तेमाल करने की तकनीक) का तीसरी बार सफल परीक्षण किया। इसरो ने बताया कि इस बार ज्यादा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रक्षेपण यान का परीक्षण किया और वह सभी मानकों पर खरा उतरा। इस परीक्षण में इसरो ने लैंडिंग इंटरफेस और तेज गति में विमान की लैंडिंग की स्थितियों की जांच की। इस परीक्षण के साथ ही इसरो ने आज के समय की सबसे अहम तकनीक में से एक को हासिल करने की तरफ मजबूती से कदम बढ़ा दिया है।

रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (RLV) तकनीक का तीसरा सफल परीक्षण

इसरो ने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल का तीसरा और अंतिम परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में रविवार सुबह 7.10 बजे किया गया। इससे पहले इसरो रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के दो सफल परीक्षण कर चुका है। तीसरे परीक्षण में प्रक्षेपण यान को ज्यादा ऊंचाई से छोड़ा गया और इस दौरान तेज हवाएं भी चल रहीं थी, इसके बावजूद प्रक्षेपण यान 'पुष्पक' ने पूरी सटीकता के साथ रनवे पर सुरक्षित लैंडिंग की।

रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के लैंडिंग परीक्षण के दौरान यान में मल्टी-सेंसर फ्यूजन का उपयोग किया गया, जिसमें इनर्शियल सेंसर, रडार अल्टीमीटर, फ्लश एयर डेटा सिस्टम, स्यूडोलाइट सिस्टम और एनएवीआईसी जैसे सेंसर शामिल हैं। इसरो का कहना है कि इस परीक्षण में भी पिछले परीक्षणों के दौरान इस्तेमाल की गई यान की बॉडी और उड़ान प्रणालियों का फिर से इस्तेमाल किया गया, जो इसरो की डिजाइन क्षमता को दशार्ता है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के नेतृत्व में इस मिशन में इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) और सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी), श्रीहरिकोटा भी शामिल रहे। साथ ही वायुसेना के तकनीकी विभाग के साथ ही आईआईटी कानपुर, नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेट्री, इंडियन एयरोस्पेस इंडस्ट्रियल पार्टनर्स, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी अहम सहयोग किया।

चिनूक हेलीकॉप्टर से हवा में छोड़ा गया प्रक्षेपण यान 'पुष्पक'

परीक्षण के दौरान वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से प्रक्षेपण यान पुष्पक को साढ़े चार किलोमीटर की ऊंचाई से छोड़ा गया। इसके बाद प्रक्षेपण यान पुष्पक ने स्वायत तरीके से रनवे पर सफल लैंडिंग की। लैंडिंग के दौरान यान की गति करीब 320 किलोमीटर प्रतिघंटे थी। बता दें कि एक कमर्शियल विमान की लैंडिंग के वक्त स्पीड 260 किलोमीटर प्रतिघंटे और एक लड़ाकू विमान की गति करीब 280 किलोमीटर प्रतिघंटे होती है। लैंडिंग के वक्त पहले ब्रेक पैराशूट की मदद से प्रक्षेपण यान की गति को घटाकर 100 किलोमीटर प्रतिघंटे पर लाया गया और फिर लैंडिंग गीयर ब्रेक की मदद से रनवे पर विमान को रोका गया।

तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशन की लागत घटेगी

परीक्षण के दौरान यान के रूडर और नोज व्हील स्टीयरिंग सिस्टम की भी कार्यक्षमता की जांच की गई। भविष्य में प्रक्षेपण यान को अंतरिक्ष में भेजने और उसे वापस सुरक्षित धरती पर उतारकर फिर से अंतरिक्ष में भेजने के लिहाज से यह तकनीक बेहद अहम है। इस तकनीक की मदद से इसरो की लागत में काफी कमी आएगी क्योंकि किसी भी अंतरिक्ष मिशन में प्रक्षेपण यान की लागत काफी ज्यादा होती है और अभी एक बार इस्तेमाल होने के बाद यान को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जाता। अब रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक की मदद से अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की समस्या से भी निपटा जा सकेगा।

लोकसभा का सत्र आज से

महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाये जाने पर सदन में शोरगुल के आसार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद, 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा और 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को संसद के निचले सदन का अस्थाई अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) नियुक्त किए जाने के कारण सत्र के दौरान लोकसभा में शोरगुल होने के आसार हैं।

महताब को अस्थाई अध्यक्ष बनाए जाने की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की है और आरोप लगाया है कि सरकार ने इस पद के लिए कांग्रेस सांसद के. सुरेश के दावे की अनदेखी की।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि महताब लगातार सात बार के लोकसभा सदस्य हैं, जिससे वह इस पद के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि सुरेश 1998 और 2004 में चुनाव हार गए थे, जिस कारण उनका मौजूदा कार्यकाल निचले सदन में लगातार चौथा कार्यकाल है। इससे पहले, वह 1989, 1991, 1996 और 1999 में लोकसभा के लिए चुने गए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को राष्ट्रपति भवन में महताब को लोकसभा के अस्थाई अध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाएंगी। इसके बाद महताब संसद भवन पहुंचेंगे और पूर्वाह्न 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू करेंगे।

कार्यवाही की शुरूआत में, कुछ क्षणों के लिए मौन रखा जाएगा। इसके बाद लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह निचले सदन के लिए निर्वाचित सदस्यों की सूची सदन के पटल पर रखेंगे। इसके बाद, महताब लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन की सदस्यता की शपथ लेने का आग्रह करेंगे।

इसके बाद प्रोटेम स्पीकर, राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अध्यक्षों की समिति को शपथ दिलाएंगे जो 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होने तक सदन की कार्यवाही चलाने में उनकी सहायता करेगी। राष्ट्रपति ने लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने में महताब की सहायता के लिए कोडिकुन्निल सुरेश (कांग्रेस), टी आर बालू (द्रमुक), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (भाजपा) और सुदीप बंदोपाध्याय (तृणमूल कांग्रेस) को नियुक्त किया है।

अध्यक्षों की समिति के बाद प्रोटेम स्पीकर मंत्रिपरिषद के सदस्यों को लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ दिलाएंगे। ये सदस्य अपने-अपने नाम के पहले अक्षर के क्रम में अगले दो दिनों में शपथ लेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव बुधवार को होगा।

राष्ट्रपति 27 जून को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 28 जून को शुरू होगी। प्रधानमंत्री द्वारा दो या तीन जुलाई को इस चर्चा पर अपना जवाब देने की उम्मीद है।

नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली को लेकर मचे बवाल के बीच पहली एफआईआर

सीबीआई ने दर्ज किया मामला

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। पेपर लीक के मामले ने इन दिनों देशभर में सुर्खियां बटोरीं हैं। अब खबर है कि नीट-यूजी में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी से जुड़े अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 5 मई को आयोजित की कई नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओ और धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है। इससे पहले बिहार पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को भी गिरफ्तार किया था। वहीं, नीट पेपर लीक का कनेक्शन महाराष्ट्र में भी मिला है। पुलिस ने दो अध्यापकों से पेपर लीक मामले में पूछताछ की है। जिन अध्यापकों से पूछताछ हुई है, उन्हें नांदेड़ की आंतकरोधी स्कवॉड ने शक के आधार पर पकड़ा।

सीबीआई को सौंपी गई है पेपर लीक मामले की जांच

बता दें कि विपक्ष और सामाजिक संगठनों ने नीट यूजी का पेपर लीक होने का आरोप लगाया और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। ऐसे में केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी। बिहार पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पूछताछ में स्वीकार किया कि परीक्षा से एक दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। पुलिस अब सॉल्वर गैंग के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

एनटीए प्रमुख को भी बदला गया

केंद्र सरकार ने अनियमितताओं की शिकायत के बाद नीट और यूजीसी नेट समेत कई अहम परीक्षाएं कराने वाली एजेंसी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को उनके पद से हटा दिया है। साथ ही एक पैनल का गठन किया है, जो नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं की जांच करेगा। बीती 5 मई को हुई नीट यूजी की परीक्षा में करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे, लेकिन जैसे ही 4 जून को रिजल्ट घोषित किए गए और उसमें 1500 से ज्यादा छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने का खुलासा हुआ तो मामला अदालत में पहुंच गया। इसके बाद एनटीए ने छात्रों को दिए ग्रेस मार्क्स हटाने और इन छात्रों की परीक्षा फिर से लेने का फैसला किया। आज इन 1500 से ज्यादा छात्रों की फिर से नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की जा रही है। साथ ही नीट के कथित पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी चल रही है।

मानसूनी बारिश में तेजी से पहले सरकार अलर्ट

शाह ने की अहम बैठक, बाढ़ से निपटने की तैयारी की समीक्षा की

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। हर साल मानसून की बारिश के कारण विभिन्न नदियों के जलस्तर में वृद्धि के चलते बिहार, असम और अन्य पूर्वी राज्यों के कई क्षेत्र जलमग्न हो जाते हैं। इसी के चलते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाली बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की।

यह लोग बैठक में मौजूद

केंद्रीय जय शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय मौजूद रहे। इसके अलावा, जल संसाधन, नदी विकास और नदी संरक्षण, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण-वन और जलवायु परिवर्तन, सड़क परिवहन और राजमार्ग, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, एनडीएमए के सदस्य, एनडीआरएफ और आईएमडी के महानिदेशक, सीडब्ल्यूसी, एनएचएआई के अध्यक्ष और संबंधित मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। इससे पहले गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया था कि देश में बाढ़ से निपटने की समग्र तैयारियों की समीक्षा के लिए आज गृह मंत्री अमित शाह एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। गौरतलब है, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और कुछ अन्य राज्यों को भी मानसून के दौरान भूस्खलन और बारिश से जुड़ी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। हाल के वर्षों में तमिलनाडु, केरल और जम्मू कश्मीर में भी बाढ़ आई है।

37 लोगों की गई जान

अधिकारियों ने बताया कि इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण असम में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 37 हो गई है जबकि एक व्यक्ति लापता है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 1.17 लाख से अधिक लोग प्रभावित

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी गंभीर बनी हुई है और राज्य के 10 जिलों में 1.17 लाख से अधिक लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बाढ़ के पानी ने इन जिलों के 27 राजस्व सर्किलों में 968 गांवों को जलमग्न कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि अधिकारी वर्तमान में 134 राहत शिविर और 94 राहत वितरण केंद्र चला रहे हैं। यहां वर्तमान में कुल 17,661 लोग शरण लिए हुए हैं।

सरमा ने यह भी कहा कि कुशियारा नदी वर्तमान में बराक घाटी के करीमगंज में खतरे के निशान से ऊपर है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, शनिवार को बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ था क्योंकि प्रभावित लोगों की संख्या में कमी आई थी, हालांकि दो और लोगों की मौत हो गई। 3,995.33 हेक्टेयर की फसल अब भी बाढ़ के पानी में है, जबकि 47,795 मुर्गियों सहित 2,20,546 जानवर प्रभावित हुए हैं।

भारत-बंगलादेश गंगा जल संधि की समीक्षा करेंगे

बंगलादेशी नागरिकों को इलाज के लिए ई-वीजा मिलेगा

- 2026 में बंगलादेश 'अल्प विकसित' देश की श्रेणी से निकल कर 'विकासशील देश' बनने जा रहा हैः मोदी

एनसीआर समाचार

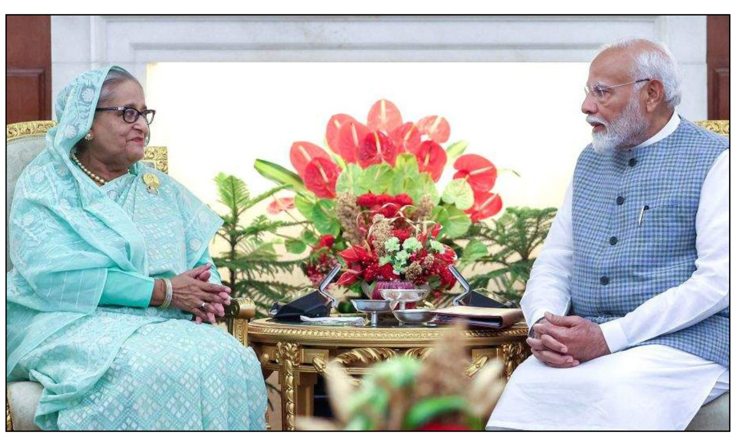

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत और बंगलादेश गंगा जल संधि की समीक्षा करने पर सहमत हुए हैं और बंगलादेश से चिकित्सा के लिए भारत आने वालों के लिए ई-वीजा की सुविधा दी जाएगी।

श्री मोदी ने विकास कार्यों में भारत का सबसे बड़ा भागीदार बताते हुए कहा कि बंगलादेश के साथ अपने संबंधों को भारत अत्यधिक प्राथमिकता देता है। श्री मोदी भारत की दो दिन की यात्रा पर नई दिल्ली आयीं बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के बाद एक साझा संवादाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

श्रीमती हसीना की इस माह यहां की दूसरी यात्रा है। वह श्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भी आयी थीं।

उन्होंने बताया कि दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, समुद्र और अंतरिक्ष क्षेत्र की पहलों और रक्षा उत्पादन तथा मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग के विस्तार पर सहमत हुए हैं।

श्री मोदी ने बंगलादेश के संस्थापक राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के स्थिर, समृद्ध और प्रगतिशील बंगलादेश के सपने को साकार करने में, भारत के सहयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2026 में बंगलादेश 'अल्प विकसित' देश की श्रेणी से निकल कर 'विकासशील देश' बनने जा रहा है। उन्होंने बंगलादेश की इस प्रगति में श्रीमती हसीना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, 'सोनार बंगला' को नेतृत्व देने के लिए मैं प्रधानमंत्री शेख हसीना जी का अभिनन्दन करता हूँ।

श्रीमती हसीना के साथ संबंधों की प्रागढ़ता को रखांकित करते हुए श्री मोदी ने कहा, ह्यपिछले लगभग एक वर्ष में, हम दस बार मिले हैं। लेकिन आज की मुलाकात विशेष है, क्योंकि हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल में प्रधान मंत्री शेख हसीना जी हमारी पहली राजकीय अतिथि हैं।

श्री मोदी ने कहा, ंगलादेश हमारी 'सबसे पहले पड़ोसी' पॉलिसी, पूर्व के देशों के साथ काम करने की नीति पॉलिसी, सागर (क्षेत्र में सभी देशों के लिए सुरक्षा और समृद्धि) और एशिया प्रशांत क्षेत्र के बारे में भारत से सपने और पहल के संगम पर स्थित है। उन्होंने कहा कि भारत और बंगलादेश ने पिछले एक ही वर्ष में साथ मिल कर लोक कल्याण के अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं को पूरा किया है ।इस संबंध में उन्होंने अखौड़ा से अगरतला के बीच भारत-बंगलादेश के बीच छठे सीमा-पारीय रेल मार्ग सम्पर्क, खुलना-मोंगला बंदरगाह से भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए मालवहन सुविधा, मोंगला बंदरगाह को रेल से जोड़ने की परियोजना तथा 1320 मेगावाट क्षमता के मैत्री थर्मल पावर प्लांट के दोनों यूनिट्स से बिजली उत्पादन शुरू किए जाने का उल्लेख किया।

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच अब भारतीय रुपये में व्यापार की शुरूआत भी हो चुकी है ।भारत-बंगलादेश के बीच, गंगा नदी पर, दुनिया की सबसे लंबी नीदी क्रूज सेवा को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

अमरनाथ यात्रा से पहले पुख्ता की गई सुरक्षा व्यवस्था

श्रीनगर। एक सप्ताह में शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा को लेकर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि तीर्थयात्रा को सफल बनाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के साथ ही सुविधाओं में भी सुधार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा की और तीर्थयात्रा को बाधित करने के आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उच्च स्तर की सतर्कता की जरूरत पर जोर दिया। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा शनिवार को श्रीनगर के राजभवन से ही अमर नाथ यात्रा की 'प्रथम पूजा' में ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

योग का दुनिया भर में विस्तार, योग से जुड़ी धारणाएं बदली हैं : मोदी

श्रीनगर/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के निर्णय के बाद पिछले एक दशक में दुनिया में योग का तेजी से विस्तार हो रहा है और इससे योग से जुड़ी धारणाएं बदली हैं।

श्री मोदी ने योग दिवस पर आज श्रीनगर में विशेष रूप से आयोजित योग शिविर का नेतृत्व किया और इस केंद्र शासित क्षेत्र, देश और दुनिया के लोगों को योग दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ह्ययोग समाज में सकारात्मक बदलाव के नए रास्ते बना रहा है। श्री मोदी ने श्रीनगर के योग शिविर कार्यक्रम में भाग लेने वालों के साथ बाद में मुलाकात की और उनके साथ मोबाइल फोन से ली गयी सेल्फी को सोशल मीडिया पर साझा किया।

श्रीनगर का कार्यक्रम प्रसिद्ध डल झील के किनारे होने वाला था लेकिन बारिश के कारण इसे झील के किनारे ही एक बड़े सम्मेलन कक्ष में सीमित करना पड़ा। श्री मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, आज विश्व के बड़े-बड़े संस्थानों और विश्वविद्यालयों में योग पर अध्ययन चल रहे हैं अनुसंधान-पत्र प्रकाशित किए जा रहे हैं। अब सीमित दायरों से बाहर निकल रहा है। आज दुनिया एक नई योग इकॉनामी को आगे बढ़ते देख रही है। आप देखिए, भारत में ऋषिकेश, काशी से लेकर केरल तक, योग टूरिज्म का नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। दुनिया भर से पर्यटक इसलिए भारत आ रहे हैं, क्योंकि उन्हें यहां प्रामाणिक योग सीखना है।

श्री मोदी ने योग के चलते उभर रही व्यवसाय की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि योगा रिट्रीट और रेजॉर्बट बनाए जा रहे हैं। हवाई अड्डों, होटलों में योग के लिए विशेष जगहें बनाई जा रही हैं। मार्केट में योग के लिए डिजाइनर परिधान, कपड़े, उपकरण आ रहे हैं। लोग अब अपनी फिटनेस के लिए पर्सनल योग ट्रेनर्स भी रख रहे हैं। कंपनियाँ भी कर्मचारियों के स्वास्थ्य संवर्धन की पहल केतौर पर योग और माइंडफुलनेस प्रोग्राम्स शुरू कर रही हैं। इन सबकी वजह से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सामने आये हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, योग के प्रति आकर्षण भी बढ़ रहा है। मैं विश्व में हर जगह दुनिया के जितने भी बड़े नेताओं से मिलता हूँ, जहां भी जाता हूं, शायद ही कोई एकाध मिल जाएगा जो मेरे से योग की बात न करता हो। दुनिया के सभी वरिष्ठ नेता, जब भी मौका मिलता है मेरे से योग की चर्चा जरूर करते हैं और बड़ी जिज्ञासा से सवाल पूछते हैं। दुनिया के कितने ही देशों में योग डेली लाइफ का हिस्सा बन रहा है।

श्री मोदी ने 2015 में अपने हाथों तुर्कमेनिस्तान में एक योग सेंटर के उद्घाटन को याद करते हुए कहा कि आज वहाँ योग बेहद लोकप्रिय हो चुका है। तुर्कमेनिस्तान के सरकारी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में भी योगा उपचार को शामिल किया गया है। सऊदी अरब ने तो योग को अपनी शिक्षा प्रणाली में में भी शामिल किया है। मंगोलिया में भी मंगोलियन योग फाउंडेशन के तहत कई योग स्कूल चलाये जा रहे हैं। यूरोपियन देशों में भी योग का चलन तेजी से बढ़ा है। जर्मनी में आज करीब डेढ़ करोड़ लोग, योगाभ्यासी बन चुके हैं।

उन्होंने इसी साल फ्रांस की 101 साल की एक महिला योग प्रशिक्षिका को पद्मश्री अलंकरण दिए जाने का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर कश्मीर और श्रीनगर का ये वातावरण, ये ऊर्जा और अनुभूति योग से हमें जो शक्ति मिलती है, श्रीनगर में हम उसे महसूस कर रहे हैं। मैं देश के सभी लोगों को, दुनिया के कोने-कोने में योग कर रहे लोगों को कश्मीर की धरती से योग दिवस की बधाई देता हूँ।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था। भारत के इस प्रस्ताव का 177 देशों ने समर्थन किया था जो एक रिकार्ड है।

श्री मोदी ने कहा कि योग की ये यात्रा अनवरत जारी है। भारत में आयुष विभाग ने योगाभ्यास का अनुशीलन करने वालों के लिए देश में योग प्रमाणन बोर्ड के गठन के बाद इस बोर्ड से अब तक देश में 100 से ज्यादा बड़े संस्थानों को मान्यता मिल चुकी है। विदेश के 10 बड़े संस्थानों ने भी भारत के इस बोर्ड से मान्यता प्राप्त की है। उन्होंने कहा, योग केवल एक विधा नहीं है, बल्कि एक विज्ञान भी है। आज सूचना क्रांति के इस दौर में हर ओर सूचना संसाधनों की बाढ़ है। ऐसे में, मानव मस्तिष्क के लिए एक विषय पर फोकस कर पाना एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

इसका भी निदान हमें योग से मिलता है।

श्री मोदी ने कहा, हम जानते हैं, एकाग्रता मानव मन की सबसे बड़ी ताकत है। योग-ध्यान के जरिए हमारा ये सामर्थ्य भी निखरता है। इसीलिए, आज सेना से लेकर खेल-कूद तक में योग को शामिल किया जा रहा है। अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी जो अंतरिक्ष यात्रियों को भी योग ध्यान की ट्रेनिंग दी जाती है।ह्व उन्होंने कहा कि योग एवं ध्यान के प्रशिक्षण से इससे उत्पादकता और सहनशक्ति बढ़ती है। आजकल तो कई जेलों में कैदियों को भी योग कराया जा रहा है, ताकि वे सकारात्मक विचारों पर अपने मन को केन्द्रित कर सकें।

श्री मोदी ने बारिश के कारण आज के कार्यक्रम में उत्पन्न हल्की बाधाओं और विलम्ब का भी जिक्र किया। उन्होंने योग को लेकर जम्मू-कश्मीर में लोगों के आकर्षण की सराहना की । उन्होंने कहा, ह्य मैं कल से मैं देख रहा हूं। पूरे जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में योग के प्रति जो आकर्षण बना है, जिस उमंग और उत्साह के साथ लोग योग के साथ जुड़ने के लिए आतुर हैं, ये अपने आप में जम्मू-कश्मीर के टूरिज्म को देने के लिए एक नई ताकत का अवसर बन गया है। मैं मानता हूं कि जम्मू-कश्मीर में 50-60 हजार लोगों का योग कार्यक्रम में जुड़ना, ये बहुत बड़ी बात है और इसलिए मैं यहां के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

बिरला की अगुवाई में संसद परिसर में मनाया गया योग दिवस

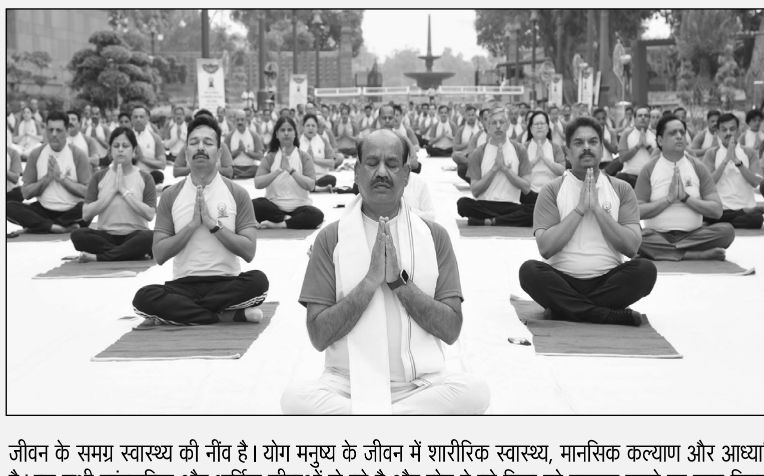

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अगुवाई में संसद भवन परिसर में आज दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि योग को आज पूरी दुनिया में स्वीकृति मिली है और यह आज का प्रमुख वैश्विक आंदोलन बन गया है। श्री बिरला ने इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन भारत में ऋषि-मुनियों ने जन कल्याण के लिए योग का अनमोल उपहार मानवता को प्रदान किया है। यह आत्म-विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता की एक सतत यात्रा है जो मनुष्य को हमेशा स्वस्थ और निरोग बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि योग सिर्फ अभ्यास तक सीमित नहीं है बल्कि मानव जीवन के समग्र स्वास्थ्य की नींव है। योग मनुष्य के जीवन में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने का कार्य करता है। यह सभी सांस्कृतिक और धार्मिक सीमाओं से परे है और योग ने पूरे विश्व को एकजुट करने का काम किया है ताकि मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र में दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम हासिल कर सके। श्री बिरला ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा, आज योग सम्पूर्ण विश्व में एक आंदोलन है। पूरी दुनिया भाग्यशाली है कि हमारे पास योग के रूप में ऐसी शक्ति है जो हमारे अंदर संतुलन स्थापित कर हमें कुशल, सक्रिय और स्वाबलंबी बनाता है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में योग को स्वीकृति मिल रही है और योग जन-जन के दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है।

अमेरिका ने रूसी कंपनी के सॉफ्टवेयर को बैन करने की घोषणा की

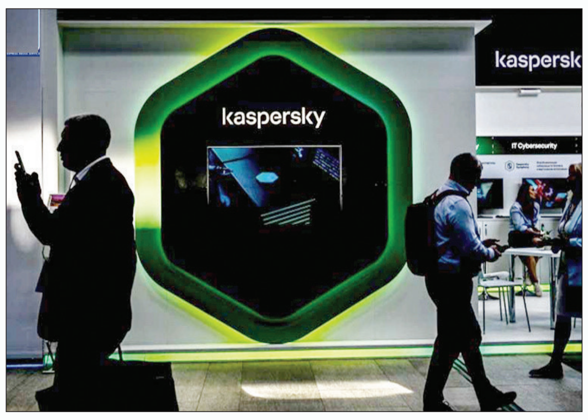

वाशिंगटन। अमेरिका ने साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की द्वारा बनाए गए एंटीवायरस सॉफ्टवेयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि रूसी सरकार की आक्रामक साइबर क्षमताओं और कैस्परस्की के संचालन को प्रभावित करने या निर्देशित करने की क्षमता के कारण अमेरिका में कंपनी के संचालन से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। कैस्परस्की अब आम तौर पर अन्य गतिविधियों के अलावा अमेरिका में अपने सॉफ़्टवेयर नहीं बेच सकेगी और न ही पहले से उपयोग किये जा रहे सॉफ़्टवेयर के अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने कहा, रूस ने बार-बार दिखाया है कि उनके पास कैस्परस्की लैब जैसी रूसी कंपनियों का शोषण करने की क्षमता और इरादा है, ताकि वे संवेदनशील अमेरिकी जानकारी एकत्र कर सकें और हथियार बना सकें। हम अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए अपने पास मौजूद हर उपकरण का उपयोग करना जारी रखने वाले हैं। अमेरिका में कैस्परस्की सॉफ्टवेयर की बिक्री पर 20 जुलाई से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। रूसी बहुराष्ट्रीय कंपनी 29 सितंबर तक मौजूदा यूजरों को सॉफ्टवेयर अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। कैस्परस्की का सॉफ्टवेयर यूजरों को ट्रोजन, स्पाइवेयर और अन्य साइबर खतरों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

खालिस्तानी आतंकवादियों ने लगाई नागरिक अदालत, भारत ने जताई आपत्ति

टोरंटो। भारत ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा नागरिक अदालत लगाने और भारत के प्रधानमंत्री का पुतला जलाने पर कनाडा सरकार के सामने कड़ा विरोध जताया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने कनाडा के उच्चायोग को राजनयिक नोट जारी कर खालिस्तानी आतंकवादियों की हालिया कार्रवाइयों और नागरिक अदालत आयोजित करने पर गंभीर आपत्ति जताई है। नोट में भारत ने कनाडाई उच्चायोग को जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादियों को दी जा रही शह की कड़ी निंदा की है। कनाडा की संसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया था, जिसके एक दिन बाद भारत ने यह आपत्ति जताई है। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या दी गई थी।

तलाक के लिए आईफोन को बताया दोषी, ठोका मुकदमा, पत्नी ने पकड़ लिया था रंगे-हाथों

लंदन । इंग्लैड के अज्ञात व्यक्ति ने पत्नी से तलाक के लिए आईफोन को जिम्मेदार ठहराते हुए एप्पल कंपनी पर मुकदमा ठोक दिया है। युवक का दावा है कि उसकी पत्नी को सेक्स वर्कर्स के साथ उसकी संबंधों का पता उनके साझा आईमेक के जरिए चला, जहां उसके आईमैसेज उसके आईफोन से डिलीट होने के बावजूद बने रहे। यही वजह है कि शख्स ने 6.3 मिलियन डॉलर का मुकदमा किया है। शख्स को इस बात की जानकारी नहीं थी कि ऐपल का सिंक फीचर एक ही ऐपल आईडी वाले डिवाइसों पर मैसेज को सुरक्षित रखता है। ऐसे जब उनकी पत्नी को यह सबूत मिला और उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दायर कर दिया।रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनजान शख्स ने लंदन बेस्ड लीगल फर्म रोसेनब्लाट के जरिए आईफोन मेकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। मुकदमा इस तर्क पर केंद्रित है कि आईमैसेज के फंक्शन में अलग-अलग डिवाइस पर मैसेज को हटाने के संबंध में स्पष्टता का अभाव है। शख्स का मानना है कि अगर यह खुलासा इस तरह से नहीं होता, तो शायद शादी को बचाने का एक मौका होता। शख्स का तर्क है कि उनकी पत्नी को इस बारे में काफी गलत तरीके से पता चला। उनके मुताबिक अगर वे अपनी पत्नी से तर्कसंगत तरीके से बात कर पाते और तो उन्हें इस बात का शायद इतना गलत अहसास नहीं होता और वे शायद शादीशुदा होते।शख्स ने कहा कि यदि आपको बताया जाता है कि कोई मैसेज हटा दिया गया है तो आपको ये मानने का अधिकार है कि वह हटा दिया गया है। शख्स ने कहा कि अगर मैसेज में ये लिखा होता कि इन मैसेज को केवल इस डिवाइस से डिलीट कर दिया गया है। तब भी आपके पास समझने को एक हिंट होता। उन्होंने आगे कहा कि मैसेज केवल इस डिवाइस में डिलीट किए गए हैं। ऐसा कहना ज्यादा साफ तौर पर इंडिकेट करता।अब वह ऐपल को जवाबदेह ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और ऐसे अन्य लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करने पर विचार कर रहे हैं, जिन्होंने तकनीकी गलतफहमी के कारण इसी तरह की स्थितियों का सामना किया हो। वह अन्य पुरुषों के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करना चाहते हैं, जो अपने फोन का इस्तेमाल करना नहीं जानते।

पुतिन ने तानाशाह को तोहफे में दी कार...

मॉस्को ।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब उत्तर कोरिया के दौरे पर पहुंचे तब अपने मित्र और तानाशाह किम जोंग उन को ऐसा तोहफा दिया, जिसकी चमक पूरी दुनिया में फैल गई। पुतिन ने लिमोजिन कार तानाशाह किम जोंग को तोहफे में दी है। इस कार को रॉल्स रॉयल्स की कॉपी कहा जा रहा है, लेकिन कार की खासियत दुनियाभर की गाड़ियां इसके आगे पानी भरती हैं। न सिर्फ कीमत बल्कि फीचर्स भी कार को पूरा बंकर बना देते हैं।

दरअसल, ऑरस लिमोजिन कार को खासतौर पर पुतिन के लिए ही बनाया गया है। जाहिर है कि इसकी खूबियां भी जबरदस्त होंगी। इस कार को पुतिन के खास निर्देश पर बनाया गया है और पहली बार साल 2018 में उतारी गई। इसका डिजाइन रूस की कंपनी नामी ने तैयार किया है, जबकि मॉडल को रूस की सेंट्रल साइंटिफिक रिसर्च ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव इंजन इंस्टीट्यूट ने मिलकर विकसित किया है। ऑरस कंपनी की इस सीनेट ब्रांड के 3 मॉडल आते हैं। इसमें स्टैंडर्ड सीनेट, सीनेट लांग और सीनेट लिमोजिन शामिल है। रूसी कंपनियों का कहना है कि यह 1940 में सोवियत काल के समय बनी जेडआईएस 110 सोवियत लिमोजिन से प्रेरित है। किम जोंग उन के पास पहले से ही मर्सिडीज के चार मॉडल और एक लेक्सस कार है। अब उनके बेड़े में रूस की यह सुपर कार भी शामिल हो गई है।

यह कार 6,700 मिमी (6.70 मीटर) लंबी है और इसका वजन 2,700 किलोग्राम है। कार को पूरी तरह बुलेट प्रूफ बनाया गया है और इस पर गोलियों या बम का जरा भी असर नहीं होता। चाहे गाड़ी पर बम फेका जाएं या जमीन में रखकर विस्फोट किया जाए, यह कार नीचे से ऊपर तक पूरी तरह सुरक्षित है। कार में सेल्फ कंटेन ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम है, जबकि टायर फ्लैट रबर से बने हैं। कार के अंदर ही सिक्योर लाइन कम्युनिकेशन सिस्टम है, जो दुनिया में कहीं भी बात करने की सुविधा देता है। इतना ही नहीं यह कार खुद भी कई तरह के घातक हथियारों से लैस है। ये फीचर कार को एक बंकर में तƂ?दील कर देते हैं।

ऑरस लिमोजिन में 6.6 लीटर वी12 इंजन लगा है। यह 850 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। इसका इंजन बनाने में पोर्शे ने भी मदद की है। भारत में बिकने वाली लग्जरी एसयूवी फॉर्च्यूनर के मुकाबले इसमें 4 गुना से भी ज?यादा ताकत है। फॉर्च्यूनर 201 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। जाहिर है कि यह ऐसी 4-4 कारों को एकसाथ खींच सकता है। सबसे पहले इसे साल 2018 में उतारा गया था, तब इसकी कीमत 1.6 लाख डॉलर (1.32 करोड़ रुपये) थी। साल 2021 में इसकी कीमत रिवाइज करके 3 लाख डॉलर (2.40 करोड़ रुपये) कर दी गई। रूसी एजेंसियों के मुताबिक, 2024 में अब तक रूस में इसके 40 मॉडल की बिक्री हुई है। साल 2022 में सिर्फ 31 कारों की ही बिक्री हुई थी।

इजराइल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सैकड़ों लोगों ने किया योग

-भारतीय राजदूत सिंगला बोले-योग केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं

तेल अवीव (एजेंसी)। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इजराइल में तीन सौ से ल्यादा लोगों ने पेरेस सेंटर फॉर पीस एंड इनोवेशन में योग किया और इसे अपने जीवन में हमेशा करने का संकल्प लिया। इस योग कार्यक्रम में प्रथम महिला मिशल हेर्जोग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने भी योग किया।

इस मौके पर इजराइल में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इजराइल में भारतीय दूतावास ने तेल अवीव-याफो नगर पालिका और इजराइल के संस्कृति और खेल मंत्रालय के सहयोग से योग दिवस का आयोजन किया था। इस मौके पर हेर्जोग ने भारत और इजराइल के बीच गहरी दोस्ती पर बात की। हेर्जोग ने कहा कि आपने आज स्पष्ट रूप से दिखा दिया कि भारत परवाह करता है। भारत, इजराइल के साथ हमेशा खड़ा है। युद्ध के शुरुआती क्षणों में ही दोस्ती की यह भावना स्पष्ट दिखी।

हेर्जोग ने कहा कि भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने आगे आकर नरसंहार की निंदा की थी और हमारे बंधकों की रिहा करने की मांग की थी। इजराइल में भारतीय राजदूत संजीव सिंगला ने कहा कि योग की प्राचीन क्रिया ने सीमाओं और संस्कृतियों को पार किया है। उन्होंने कहा कि हम इस कालातीत परंपरा के सार पर विचार करें। योग की मूल शिक्षा केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं बल्कि इसे करने से एकता, करुणा और मन को शांति भी मिलती है। योग सत्र की शुरुआत दूतावास की योग शिक्षिका दर्शना राजपूत के नेतृत्व में योग मुद्राओं की प्रस्तुति से हुई।

भारतीय छात्रों को ... अमेरिका में ट्रंप की गारंटी

वाशिंगटन (एजेंसी)। आव्रजन के मुद्दे पर अपने सख्त रुख में आश्चर्यजनक बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी कॉलेजों से ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को सीधे ग्रीन कार्ड देने की इच्छा जाहिर की है। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने कहा कि 'मैं जो करना चाहता हूं और जो करूंगा, वह यह है कि जब आप किसी कॉलेज से ग्रेजुएट होते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में खुद-ब-खुद ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए, इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए एक ग्रीन कार्ड। उन्होंने प्रस्ताव में दो साल के जूनियर कॉलेजों और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के ग्रेजुएट को भी शामिल करने के लिए कहा।

ट्रम्प का यह बदला हुआ मिजाज अमेरिकी कॉलेजों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का जोश बढ़ाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान अमेरिका में उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल पिछले साल की तुलना में 35 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाता है। आंकड़ों से पता चला है कि 200,000 से अधिक भारतीय छात्रों ने विभिन्न अमेरिकी संस्थानों में दाखिला लिया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है।

कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने के मौके ने अमेरिका को भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बना दिया है। ट्रंप की यह ताजा टिप्पणी उनके विशिष्ट आप्रवासी विरोधी बयानबाजी को छोड़ने का संकेत देती है। ट्रम्प अक्सर आप्रवासियों को सार्वजनिक सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा और सरकारी संसाधनों के लिए खतरा बताते रहे हैं। जब दुनिया भर से सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली लोगों को अमेरिका में लाने की योजना के बारे में पूछा गया, तब ट्रम्प ने जवाब दिया 'मैं इसका वादा करता हूं।

गौरतलब है कि ग्रीन कार्ड या स्थायी निवासी कार्ड, अमेरिकी नागरिकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रम्प की योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अमेरिका में बनाए रखना है जिन्होंने अमेरिका में अपनी शिक्षा हासिल की है।जो अक्सर इन छात्रों को उनके गृह देशों में वापस लौटते हुए देखते हैं।

इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी, रहने का मिलेगा प्रशिक्षण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी चल रही है। वहां रहने और खुद को सरवाइव करने की ट्रेनिंग देकर उन्हे यात्रा पर भेजा जाएगा। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के भी एक अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय स्पेस सेंटर में रहने की ट्रेनिंग देगी। क्रिटिककल और आधुनिक तकनीक (आईसीईटी) को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, पिछले साल हम भारत गए थे। मानवता की भलाई के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम मिलकर काम करेंगे और इसरो के एक अंतरिक्षयात्री को आईएसएस तक जाने, वहां रहने और लौटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसे भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये बातें कही हैं।

बिल नेल्सन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में नासा भारतीय अंतरिक्ष यात्री के साथ संयुक्त अभियान करेगा। बता दें कि दोनों एनएसए ने अंतरिक्ष उड़ान सहयोग और रणणनीतिक ढांचे के विकास के लिए बातचीत की। यह नासा और इसरो अंतरिक्षयात्रियों का पहला संयुक्त प्रयास होगा। संभव है कि इस साल के आखिरी में भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के लिए उड़ान भरे। संभव है कि इसरो ट्रेनिंग के लिए चार अंतरिक्षयात्रियों का चुनाव करे। नासा और इसरो साथ नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार यानी निसार को लॉन्च करने जा रहे हैं। यह मिशन जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोगी हो सकता है। यह हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की मैपिंग करेगा। जेक सुलिवन और एनएसएस अजीत डोभाल बीच बातचीत के बाद यह ऐलान किया गया है। इस उपग्रह को नासा और इसरो ने मिलकर तैयार किया है। बता दें कि भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके समकक्ष जेक सुलीवन के बीच हुई मुलाकात के बाद नेल्सन ने यह बात कही है। सुलिवन ने सोमवार को कहा था कि इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अडवांस ट्रेनिंग दी जाएगी।

बलूचिस्तान में लगातार हो रहा सरकार के खिला विरोध प्रदर्शन, जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। बलूचिस्तान के तुर्बत में फिदा चौक से सैकड़ों प्रदर्शनकारी जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग की। बलूच यकजहती समिति (BYC) ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी प्रशासन ने इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया है। शुक्रवार को यह विरोध प्रदर्शन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा।

'तेज गर्मी में चार दिनों तक धरना देने के बाद, परिवार अब ष्ठ.ष्ट. कार्यालय की ओर मार्च कर रहे हैं, जहाँ वे अपने प्रियजनों के वापस आने तक अपना विरोध जारी रखेंगे। इस कठिन समय में, हम अपने देश से D.C. कार्यालय के सामने धरने में भाग लेने और अपने बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को प्रोत्साहित करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि उनके दुख और तकलीफें शब्दों से परे हैं,' BYC ने X पर पोस्ट किया।

BYC ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों का स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ रहा है क्योंकि पाकिस्तान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। लेकिन, उन्होंने पुष्टि की कि जबरन गायब किए गए पीड़ितों को वापस लाने के लिए प्रदर्शनकारियों का दृढ़ संकल्प 'दृढ़' बना हुआ है।

बाद की पोस्ट में कहा गया अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी के लिए परिवारों द्वारा किया जा रहा धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। इस भीषण गर्मी में वे अपनी जान की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि जिला प्रशासन छुट्टी पर होने का दिखावा कर रहा है। वे धरना प्रदर्शन में शामिल भी नहीं हो पा रहे हैं और इन बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों की बात भी नहीं सुन पा रहे हैं, जो बेहद निराशाजनक है। हम केच के लोगों से इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने और अपने बुजुर्गों का समर्थन करने की अपील करते हैं, क्योंकि हम ही उनकी एकमात्र उम्मीद हैं।

इससे पहले, बीवाईसी ने घोषणा की थी कि तुर्बत के शहीद फिदा चौक पर चल रहा धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक जबरन गायब किए गए लोगों को सुरक्षित रिहा नहीं कर दिया जाता। बीवाईसी ने आगे कहा कि गायब हुए लोगों की सुरक्षित वापसी के बारे में स्थानीय प्रशासन के वादों के बावजूद, मौजूदा अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बीवाईसी ने कहा, 'ईद आ गई और चली गई, लेकिन बलूच परिवार ईद के बाद से लापता अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी की मांग करते हुए शहीद फिदा

चौक तुर्बत पर विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। जिला प्रशासन ने पहले उन्हें उनके प्रियजनों की रिहाई का झूठा आश्वासन दिया था। अब, कोई भी राज्य प्राधिकरण उनकी मांगों को पूरा करने के लिए आगे नहीं आया है।' बलूच यकजहती समिति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने का आह्वान किया और उन सभी बलूच व्यक्तियों की रिहाई की मांग की जिन्हें जबरन गायब कर दिया गया है।

यमुना स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने किया योगा

योग को बनाएं दिनचर्या का भाग : जेपी नड्डा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पूर्वी दिल्ली स्थित यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा, भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की उपस्थिति में योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान एक घंटे तक चले योग दिवस कार्यक्रम में योगाचार्य विक्रमादित्य ने कई तरह के योगासन कराए। इनमें प्राणायाम, वृक्षासन, ताड़ासन, अनुलोम विलोम सहित कई योगाभ्यास शामिल रहे। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैं सभी से कहता हूं कि वो अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करें। उसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएं।

नड्डा ने कहा कि आज से 10 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएन की जनरल असेंबली में योग दिवस का विषय रखा था, जिसका सभी देशों ने समर्थन किया और योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली। तब से लेकर आज तक योग दिवस मनाते हुए हमें 10 साल हो चुके हैं। आज दसवें योग दिवस के अवसर पर मैं सभी से योग को स्वयं अपने और दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने के लिए अपील करता हूं।

नड्डा ने कहा कि योग से हमारा शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है। योग से हमारी आंतरिक शक्ति भी जागृत होती है। इससे हमें अपने दैनिक कार्यों को करने के लिए ऊर्जा भी मिलती है। हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है। योग प्रीवेंटिव और प्रोमोटिव हेल्थकेयर का हिस्सा है। हम बीमार ना हो। हमें कोई बीमारी ना पकड़े इससे अगर बचाना चाहते हैं तो योग उसका सबसे अच्छा और सरल माध्यम है।

नड्डा ने कहा कि यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने योग प्रेमी बहनों भाइयों के बीच योग करने का मुझे अवसर मिला। ये काफी अच्छा रहा। इससे पहले योग दिवस को लेकर आचार्य विक्रमादित्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और उनके कार्यों की सराहना की।

आचार्य विक्रमादित्य ने बताया कि योग के साथ-साथ हमें अपने नाक के जरिए सांस लेने के तरीके पर भी ध्यान देना चाहिए। प्राणायाम के समय एक नाक को बंद करके जब दूसरी नाक से हम गहरी सांस खींचते हैं और पेट को अंदर करते हैं उसके बाद जब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हैं तो इस क्रिया से पेट के बहुत सारे रोग दूर होते हैं। इसलिए हमें सांस लेने और सांस छोड़ने के तरीके पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि योग निरोग रहने का और अपने शरीर को स्वस्थ रखने का एक बहुत ही सरल और उपयोगी माध्यम है।

लोगों ने भी की योग को अपनाने की अपील

योग दिवस कार्यक्रम में गाजियाबाद से आकर शामिल हुई शिवाली सोनी ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि योग सिर्फ बुजुर्गों के लिए है, जवानों के लिए नहीं है। योग से बोर हो जाते हैं तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर हम चाहते हैं कि बुढ़ापे में हमारे हाथ में लाठी ना आए और हम बीमारियों से ग्रसित होकर बिस्तर पर ना पड़े तो हमें आवश्यक रूप से अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिए। योग दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए डॉक्टर नवल किशोर ने कहा कि योग हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति का हिस्सा रहा है। योग के जरिए हम सुबह से लेकर रात तक की अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित कर सकते हैं। आज जो लोगों को शुगर, ब्लड प्रेशर, थायरॉइड जैसी समस्याएं हो रही हैं, अगर हम अपने दैनिक जीवन में योग को अपना लेंगे तो इन सभी बीमारियों से पूरी तरह दूर रहेंगे।

योग एक जीवन जीने की कला है जिसको हर किसी को जरूर अपनाना चाहिए।

मोदी ने दिल्ली का पानी बंद कर दिया : संजय सिंह

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार करते हुए शुक्रवार को कहा कि दिल्ली की जनता ने जिस दिन से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सात सांसद के जिताए हैं उस दिन से प्रधानमंत्री ने दिल्लीवालों का पानी रुकवा दिया।

जलमंत्री आतिशी द्वारा शुरू किए गए 'पानी सत्याग्रह' स्थल पर लोगों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने आज कहा, हमारे देश में मान्यता है कि पानी पिलाने से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं होता। इस भीषण गर्मी में हम छोटे-छोटे पक्षियों के लिए अपने घरों पर पानी रखते हैं। हमारे समाज की मान्यता है कि कोई भी जीव-जंतु प्यासा न रहे और इसके लिए जो भी संभव हो करना चाहिए लेकिन भाजपा के अंदर इतनी क्रूरता और निर्दयता है कि वह दिल्ली में लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा रही है। देश में हर राज्य के लिए पानी की व्यवस्था बनाई गई है। दिल्ली का पानी हरियाणा से आता है और हरियाणा को यह पानी पंजाब से मिलता है। पंजाब की 'आप' सरकार ने हरियाणा सरकार को पीने का पानी दिया इसलिए हरियाणा सरकार की जिम्मेदारी थी कि वह आगे दिल्ली में पानी दे

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को सातों सीटों पर जिताया, लेकिन बदले में भाजपा और प्रधानमंत्री ने दिल्लीवालों का पानी बंद कर दिया। प्रधानमंत्री और भाजपा का फरमान है कि दिल्ली के लोगों को पानी नहीं मिलना चाहिए। भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने अपने साथियों के साथ दिल्ली जल बोर्ड के दफ्तर में तोड़फोड़ की और कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

दिल्ली कांग्रेस ने नीट 'पेपर लीक' को लेकर भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के कार्यकताओं ने 'राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी), 2024' की परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर शुक्रवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय के निकट विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अंतरिम अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने किया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से देशवासी भाजपा की भ्रष्ट मोदी सरकार को झेल रहे है और 2014 से हुई परीक्षाओं में अधिकतर में पेपर लीक और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है, आज युवा भाजपा की दोहरी नीति का शिकार हो रहा है। एक तरफ सरकार रोजगार खत्म कर रही है दूसरी तरफ परीक्षाओं के पेपर लीक से युवाओं का भविष्य अंधकार में धंसता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी अपने दायित्व को निभाते हुए गूंगी बहरी सरकार के खिलाफ आवाज उठाकर पीड़ित युवाओं को न्याय दिलाने के लिए हमेशा अग्रसर रहेगी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी भ्रष्ट मोदी सरकार के खिलाफ युवाओं, महिलाओं, मजदूरों को न्याय दिलाने के लिए पिछले 10 वर्षों से संघर्ष कर रहे है और हमने अपने घोषणा पत्र न्याय पत्र में पेपर लीक के विरुद्ध सख्त कानून बनाकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की गारंटी भी दी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता उनसे प्रेरणा लेते तब संघर्ष करेगा जब तक इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ नही फैंकेगा। हमें अगले पांच वर्षों तक चैन से नही बैठना है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जिसने व्यापम घोटाले को अंजाम दिया जिसमें 40-50 लोगों की जान भी गई थी, उसकी जांच अभी तक किसी अंजाम तक नही पहुंची है। उन्होंने कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को अपनी प्रयोगशाला बताती है और अब पूरे देश के राज्यों को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बनाने में लगी है। उन्होंने कहा कि जब यूजीसी-नेट, नीट परीक्षा का पेपर लीक का भ्रष्टाचार सामने आ गया है, आरोपी सामने है, बयान कबूल लिए गए है, तब केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान परीक्षा रद्द करने का फैसला लेने की जगह खाना पूर्ति करने की कोशिश कर रहे है, जो युवा परीक्षार्थियों के साथ बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि कहा कि जब पेपर लीक को लेकर यूजीसी-नेट की परीक्षा रद्द कर दी है तब केन्द्र सरकार छात्रों के हित में नीट की परीक्षा को रद्द करने में देरी क्यों कर रही है। हमारी मांग है कि 24 लाख छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखते हुए नीट-यूजी की परीक्षा तुरंत रद्द होनी चाहिए। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग की कि शिक्षा मंत्री नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को तुरंत प्रभाव से भंग करे।

नहीं तय हो पाई ट्रायल रन की तारीख, उड़ान में देरी के आसार

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड की 20वीं बोर्ड बैठक में विकास कार्यों पर हुई चर्चा

एनसीआर समाचार

ग्रेटर नोएडा। नोएडा हवाई अड्डे के ट्रायल रन की तारीख तय नहीं हो पाई। बृहस्पतिवार को लखनऊ में आयोजित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) की 20वीं बोर्ड बैठक में इस पर सहमति नहीं बन पाई। इससे हवाई अड्डे से तय समय से उड़ान शुरू होने में देरी के आसार दिखने लगे हैं। मुख्य सचिव डॉ. दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि टर्मिनल बिल्डिंग के पूरा होने में अभी समय लगेगा। इमारत में लगने वाला स्टील को विदेश से मंगाने में देरी हो रही है। हालांकि बैठक में अधिकारियों ने सितंबर में संचालन के लिए रणनीति पर चर्चा की।

नोएडा हवाई अड्डे से सितंबर में पहली उड़ान प्रस्तावित है। बोर्ड बैठक में यमुना प्राधिकरण और नायल ने बोर्ड के पटल पर एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट रखी गई। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट का 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। पहला रनवे 3900 मीटर का तैयार कर लिया गया है। एटीसी और मौसम की जानकरी देने वाला उपकरण समेत रडार सिस्टम लगाया जा चुका है। अब तक के काम योजना के अनुसार पूरे किए जा रहे हैं। जिन कामों में देरी है, उनके लिए प्राथमिकता पर निगरानी के साथ पूरा कराया जाएगा। बैठक में नोएडा सीईओ लोकेश एम और ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। बैठक में प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास अनिल सागर, सचिव वित्त अम्मार रिजवी, निदेशक नागरिक उड्डयन कुमार हर्ष और नायल के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया भी मौजूद रहे।

ट्रायल रन से होगी उपकरणों की जांच

एयरपोर्ट के संचालन से पहले ट्रायल रन बेहद अहम है। इससे एयरपोर्ट पर बनकर तैयार रनवे और अन्य उपकरणों की लाइव जांच होगी।

इसके अलावा अन्य संसाधनों की भी परख की जानी है। उम्मीद जताई जा रही थी कि बोर्ड बैठक में ट्रायल रन की तिथि पर निर्णय लिया जाएगा। मगर, ऐसा नहीं हुआ।

यात्रियों को ठंडा पानी मिलने की सुविधा शुरू

एनसीआर समाचार

बल्लभगढ़। गर्मी के मौसम में रोडवेज बस में सफर करने वाले यात्रियों को सफर के दौरान अब से ठंडे पानी की सुविधा मिलेगी। इसको लेकर बल्लभगढ़ डिपो के यार्ड इंचार्ज के पास 80 पानी की टंकी (कैंपर) दी चा चुकी हैं। चालक व परिचालक बस में सफर करने वाले यात्रियों को ठंडा पानी देंगे।

जून की भीषण गर्मी लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। यात्रियों को बस में सफर करने के दौरान पीने का ठंडा पानी नहीं मिलता था। इसी वजह से यात्री सफर के दौरान ठंडे पानी की बोतल को खरीद कर इस्तेमाल करते हैं, जबकि कई लोग पानी नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे में लोगों को पानी के लिए रोडवेज ने यह सुविधा शुरू की है। डिपो से हर रोज 190 बसें विभिन्न रूटों पर जाती हैं। जिसमें कुछ रूट ऐसे भी हैं, जहां बसें 19 से 20 घंटे गंतव्य तक पहुंचने में लेती हैं। गर्मी के मौसम में अक्सर सफर करते समय प्यास लगने पर महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। लॉग रूट पर यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। हालांकि चालक परिचालक द्वारा एक से दो जगहों पर बसों को रोकते हैं, लेकिन उसके बावजूद भी यात्रियों को ठंडा पानी नहीं मिल पाता है।

बृहस्पतिवार को डिपो के यार्ड रूम इंचार्ज को 80 नए पानी के कैंपर दिए गए। चालक व परिचालक सफर पर जाने से पहले एक कैंपर बस में रखकर लेकर जाता है।

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस शहरभर में हुआ योगाभ्यास

एनसीआर समाचार

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न स्कूल - कॉलेज और संस्थानों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें सेक्टर-62 स्थित एनआईओएस में योग दिवस के मौके पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग किया। इसमें संस्था के योग शिक्षक न्ने विभिन्न योग आसन कराकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। योग कार्यक्रम का प्रसारण देश भर में एनआईओएस के मीडिया स्टूडियों ई-विद्या टीवी चैनलों और यू-ट्यूब चैनल पर लाइव दिखाया गया। इसमें देश भर के विभिन्न राज्यों में 22 क्षेत्रीय केंद्रो को भी जोड़ा गया। इस मौके पर नोएडा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ने योग दिवस को मन, चित और शरीरा को समाज एवं ब्रम्हांड से जोड़ने का दिन बताया। इसी के साथ डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को योग शिविर का आयोजन किया गया।

इसमें छात्रों ने योग शिक्षक संदीप के मार्ग दर्शन में सूक्ष्म प्राणायाम, पवन मुक्त, वृक्षासन, उत्तानपाद आसनों को किया। कार्यक्रम में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भी भाग लिया तथा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया' विद्यालय की प्रधानाचार्य चित्राकांत ने छात्रों को योग दिवस मनाने के कारण बताते हुए इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उठाए जा रहे प्रभावी कदम: डॉ. नरहरि सिंह बांगड़

- नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. बांगड़, यूएलबी के अतिरिक्त निदेशक (मुख्यालय) वाईएस गुप्ता ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

एनसीआर समाचार

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत पूरे निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं, जो लगातार निगरानी कर रहे हैं। वे मंगलवार को सुबह के समय विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे थे।

निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ सुबह 6 बजे यूएलबी के अतिरिक्त निदेशक (मुख्यालय) वाईएस गुप्ता के साथ क्षेत्र में निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले जोन-2 क्षेत्र के सिविल लाइंस में जिला सैनिक बोर्ड के पास स्वच्छता कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद वे जोन-1 क्षेत्र के शिवाजी पार्क व खांडसा पहुंचे। अधिकारियों ने हीरो होंडा चौक से सुभाष चौक का निरीक्षण करने के दौरान वरिष्ठ सफाई निरीक्षक को निर्देश दिए कि स्वच्छता कर्मियों के लिए शौचालय व पीने के पानी आदि की व्यवस्था करवाएं। उन्होंने क्षेत्र में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों से भी बातचीत की तथा उनकी शिकायतों व समस्याओं के बारे में जानकारी लेकर मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

एक नजर

घर में हुए झगड़े के बाद हिंडन नदी में कूदी युवती

गाजियाबाद, एजेंसी। कौशांबी थाना क्षेत्र के वैशाली में रहने वाली 20 वर्षीय युवती ने घरवालों से झगड़े के बाद गुस्से में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे हिंडन नदी में कूद गई। युवती को नदी में छलांग लगाते हुए स्थानीय लोगों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर कौशांबी पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से युवती को तलाश कर रही है। अभी तक युवती का कोई पता नहीं चल सका है। जानकारी के मुताबिक परिवारवालों से कहा सुनी होने के बाद वह घर से निकली थी और शुक्रवार की सुबह उसने हिंडन नदी की 5/6 की पुलिया पर आकर छलांग लगा दी। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम युवती की तलाश कर रही है। लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। वहीं अनहोनी की आशंका से युवती के परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि, कुछ दिन पहले 7 मई को नोएडा के सेक्टर 63 थाना क्षेत्र से आत्महत्या की एक घटना सामने आई थी। जहां एक प्रेमी जोड़े ने एक साथ हिंडन नदी में छलांग लगा दी थी। इस घटना में प्रेमिका की जान तो बच गई, लेकिन प्रेमी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

ऑनलाइन जीएसटी भर सकेंगे व्यापारी

गाजियाबाद, एजेंसी। व्यापारी और अधिवक्ता जीएसटी का भुगतान ऑनलाइन कर सकेंगे। इसके लिए राज्य कर विभाग उन्हें जागरूक कर रहा है और बता रहा है कि वह यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। राज्य कर मुख्यालय के जीएसटी संयुक्त आयुक्त हरिलाल प्रजापति ने सभी जोनल अपर आयुक्त को पत्र लिखा है। इसमें निर्देश दिए हैं कि जीएसटी प्रणाली को सरल बनाया जा रहा है। इसके तहत भुगतान करने की व्यवस्था को ऑनलाइन किया गया है। उन्होंने ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था के प्रति व्यापारियों और अधिवक्ताओं को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

बदमाश से चोरी की ई-स्कूटी बरामद

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-63 पुलिस ने शुक्रवार को चेकिंग के दौरान चोरी के वाहन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अविनाश मिश्रा निवासी कनावनी गाजियाबाद के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पास से चोरी की ई-स्कूटी और अवैध चाकू बरामद किया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी के दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

एबिलिटी की टीम ने पांच विकेट से विजयी

गाजियाबाद, एजेंसी। एक्सटेंशन के क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे अंडर-17 क्रिकेट कप में शुक्रवार को एबिलिटी क्रिकेट एकेडमी ने यंग क्रिकेट क्लब को पांच विकेट से मात दी। यंग क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए 120 रन बनाए। इसमें दिव्यांश ने 35 रन बनाए। वहीं, विवेक ने दो विकेट झटके। जवाब में एबिलिटी की टीम ने पांच विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इसमें विशाल ने 35 रन बनाए। विवेक को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जा कर कॉलोनी काटने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर, एजेंसी। गांव बखरवा में सार्वजनिक रास्ते पर कब्जा करके कॉलोनी काटने का मामला सामने आया है। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने कालोनाइजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव बखरवा में पवन सरावत नाम के कालोनाइजर द्वारा एक कॉलोनी काटी जा रही है। कुछ दिन पहले इसकी शिकायत उपजिलाधिकारी से की गई। इसमें कहा गया कि कॉलोनी में सार्वजनिक मार्ग पर कब्जा कर निर्माण कर लिया है। उपजिलाधिकारी इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि रास्ते पर कब्जा कर तीस मीटर लम्बी दीवार भी खड़ी कर दी गई। जल्द ही उसका ध्वस्तीकरण होगा। लेखपाल ने मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि पवन सरावत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

मकोका में गिरफ्तार आरोपी को अदालत ने जमानत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी कोर्ट ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी सौरव भार्गव उर्फ भिंडा को जमानत दे दी। मामला हरि नगर थाने से संबंधित है। सलमान त्यागी और भिंडा सहित उसके 22 साथियों के खिलाफ 13 अगस्त, 2019 को मकोका के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। भिंडा को 23 दिसंबर, 2023 को गिरफ्तार किया गया था और उसने धारा 439 सीआरपीसी के तहत नियमित जमानत मांगी थी। अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) ने जमानत याचिका का विरोध किया। उन्होंने अदालत से कहा कि आरोपी के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। वह बिल्डरों और अन्य लोगों से रंगदारी वसूल रहा था। अदालत ने कहा कि मकोका के तहत अपराध सिद्ध करने का अभी तक कोई उचित आधार नहीं है।

अच्छे रिटर्न का झांसा देकर 26 लाख रुपये ठगे

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका इलाके में ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश करने पर अच्छा रिटर्न का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक कारोबारी से 26, 18, 880 रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर द्वारका साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़ित शुभम कुमार ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने एक टेलीग्राम ग्रुप ज्वाइन किया। यह ग्रुप उन्होंने पायल मिश्रा के द्वारा ज्वाइन किया था। ग्रुप ज्वाइन किए उन्हें 10-15 दिन हो गए थे। इस बीच पायल मिश्रा उन्हें मोबाइल पर मैसेज कर पैसे निवेश करने के लिए कहने लगी। इसके साथ ही उसने पैसे निवेश करने पर अच्छा मुनाफा होने की बात कही। पीड़ित आरोपी के कहने के बाद लगातार रुपये निवेश करते चले गए, लेकिन उन्हें मुनाफा नहीं हुआ। इसके बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और पुलिस को मामले की सूचना दी।

आईपी यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स कोटा के लिए अब 1 जुलाई तक आवेदन का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपी यूनिवर्सिटी के सत्र 2024-25 से सभी यूनिवर्सिटी स्कूल और सेंटर में चलने वाले यूजी और पीजी प्रोग्राम में 2 प्रतिशत के अतिरिक्त स्पोर्ट्स कोटा का फायदा लेने के लिए अब 1 जुलाई तक निर्धारित प्रपत्र में यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के नाम से निर्गत 2, 500 के बैंक ड्राफ़्ट के साथ सभी संबद्ध कागजातों के साथ आवेदन विश्वविद्यालय सुविधा केंद्र में जमा कराया जा सकता है। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. कमल पाठक ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स कल्चर को प्रोमोट करने के लिए यह प्रावधान किया गया है ताकि स्पोर्ट्स के प्रतिभावान छात्र अपनी पसंद की डिग्री लेने से महरूम न रह जाएँ। आवेदकों की मांग पर आवेदन की अंतिम तिथि बड़ाई गई है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रोग्राम के लिए निर्धारित यह 2 प्रतिशत सीटें एडमिशन ब्रोशर में अधिसूचित सीटों के अलावा हैं। बिना ट्राइयल के स्पोर्ट्स कोटा में आवेदन के लिए आवेदक को किसी स्पोर्ट्स में देश का प्रतिनिधित्व किया होना चाहिए।

संपूर्ण मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : सीएम योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन प्रांगण में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में लिया हिस्सा

एनसीआर समाचार

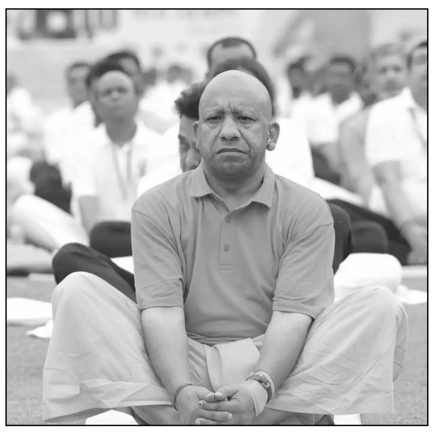

लखनऊ। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन प्रांगण, लखनऊ में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में सम्मिलित हुए और योगाभ्यास किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि योग मानवता के अनुकूल है, जो देश, समाज, काल परिस्थितियों से बाधित होकर के भी संपूर्ण मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है। इस कार्य के साथ यदि हम जुड़ते हैं और संपूर्ण मानवता को जोड़ते हैं तो यह पूर्वजों और विरासत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा कही जाती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हम सभी के लिए भारत की इसी परंपरा के प्रति, इसी श्रद्धा को व्यक्त करने का एक माध्यम बना है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई और फिर राजभवन गीत का भी प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को तुलसी का पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रांगण में बड़ी संख्या में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षकगणों ने पूरे उत्साह से सामूहिक योगाभ्यास में किया।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि योग दिवस के अवसर पर हम अपनी विरासत का स्मरण करते हुए भारत की ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। ये अवसर हमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रदान किया है, जिनके विजन और प्रयासों का परिणाम है कि आज दुनिया के लगभग पौने दो सौ देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के साथ जुड़कर भारत की इस विरासत के साथ खुद को जोड़कर के हमारी संस्कृति और परंपरा को गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे। अपनी परंपरा और पूर्वजों व विरासत के प्रति इससे बड़ा सम्मान और कोई नहीं हो सकता।

सीएम योगी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि योग एक संपूर्ण विद्या है जो हमें शारीरिक और मानसिक रूप से एकजुट करता है। भारत की ऋषि परंपरा को देखें तो उन लोगों के पास कितनी दूरदर्शिता थी, किस तरह उन्होंने समाज को जोड़ा, धर्म को योग के साथ जोड़ने का एक अभिनव प्रयास इस रूप में हुआ। जब हम धर्म की बात करते हैं तो धर्म के दो हित सामने दिखते हैं। एक है इस लोक में विकास के लिए, खुशी और खुशहाली के लिए, ईज ऑफ लिविंग के लिए कार्य करना। और दूसरा है कि जन्म के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो। यानी धर्म के दो हित भारत की ऋषि परंपरा ने हम सबको बताए हैं। योग भी हम सबको उसी परंपरा के साथ जोड़ने का काम करता है। भारतीय मनीषा भी इसी बात को कहती है कि शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम्, अर्थात सभी कार्य तभी पूर्ण हो सकते हैं जब आपका शरीर साथ हो। काया स्वस्थ है तो मन स्वयं ही स्वस्थ हो जाएगा। योग में हर किसी के लिए अलग-अलग योग विद्याएं हैं। बालक हों, युवा हों, अधेड़ हों या फिर बुजुर्ग हों, सभी योग का अभ्यास करके खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं।

सीएम योगी ने योग दिवस की थीम पर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिस थीम 'योग सबके लिए' के साथ पूरी दुनिया में आयोजित हो रहा है, इसका अर्थ है कि इसमें कोई भेद नहीं है। इसमें जाति का भेद नहीं है, क्षेत्र का, भाषा का, काल का, देश का भेद नहीं है। मेरी अपील है कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं। एक समय आपको स्वयं अहसास होगा कि जो भी समय आपने योग के लिए समर्पित किया है वो आपके स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए, आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम रहा है। यदि नियमित दिनचर्या के साथ इसको आगे बढ़ाएंगे तो इसका हमें भरपूर लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल,मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव आयुष लीना जौहरी और योग साधव व प्रशिक्षकगण उपस्थित रहे।

एक्सईएन जल निगम शहरी को डीएम की चेतावनी

- बारिश से पहले सीवर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को बंद कराएं वरना होगी कठोर कार्यवाही

बलरामपुर। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने बलरामपुर नगर में सिविल लाइन बिछाने संबंधी कार्य के दौरान कार्यदाई संस्था द्वारा खोदे गए गड्ढों को थोड़ी सी मिट्टी डालकर बंद कर छोड़ दिये जाने की शिकायत का संज्ञान लेते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी को कड़ा निर्देश जारी किया है। बुधवार को जिलाधिकारी ने बलरामपुर नगर में जल निगम द्वारा सीवर लाइन बिछाने के कार्य की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान ज्ञात हुआ कि सीवर लाइन जंक्शन के लिए कई सार्वजनिक जगहों पर गड्ढे खोदे जा रहे हैं। कुछ गड्ढों को मात्र थोड़ी सी मिट्टी डालकर बंद किया गया और लेवल तक नहीं किया गया है और कुछ पॉइंट्स पर गड्ढे खुले हुए हैं जिससे आगामी मानसून की बारिश के दौरान स्थलों पर मिट्टी धंसने की आशंका बनी रहेगी जिसके कारण दुर्घटना में जनहानि होने की संभावना हो सकती है।

जिलाधिकारी ने एक्सईएन जल निगम नगरीय को सख्त निर्देश दिए हैं कि तत्काल अपने सहायक अभियंताओं एवं संबंधित ठेकेदार के साथ बैठक कर कार्य में तेजी लाने के साथ ही मानसून से पूर्व खोदे गए गड्ढों की पूर्ण रूप से भराई कराकर उन्हें रिपोर्ट दें।

धर्मनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में बनेगा अतिविशिष्ट राज्य अतिथि गृह

- मुख्यमंत्री ने देखी नए अतिथि गृहों की डिजाइन, कहा वास्तुकला में हो वैष्णव परंपरा की झलक
- ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित होंगे दोनों नए अतिथि गृह

एनसीआर समाचार

लखनऊ। धर्मनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में राज्य सरकार अतिथि गृहों के निर्माण कराने जा रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों अतिथि गृहों के निर्माण स्थल, ले-आउट, सुविधाओं और साज-सज्जा आदि के संबंध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया।

राज्य संपत्ति विभाग के अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर स्थापना के बाद अयोध्या में माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, सहित देश-दुनिया से अनेक विशिष्ट-अतिविशिष्ट अतिथियों का आगमन हो रहा है। इनके प्रवास के लिए सुरक्षा व सुविधा के उत्कृष्ट मानकों के साथ गेस्ट हाउस की आवश्यकता है। इसी प्रकार प्रयागराज में गणमान्य जनों के बेहतर आतिथ्य के लिए एक सर्वसुविधायुक्त अतिथि गृह बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए प्रक्रिया यथाशीघ्र प्रारंभ कर दी जाए। अयोध्या में प्रस्तावित अतिथि गृह के संबंध में चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में सरयू नदी के किनारे पर्यटन विभाग की भूमि अतिथि गृह के लिए उपयुक्त होगी। यहां करीब साढ़े तीन एकड़ के क्षेत्र में अतिथि गृह बनाया जा सकता है। भवन की वास्तुकला में वैष्णव परंपरा की झलक होनी चाहिए। भवन की ऊंचाई तय करते समय इसका ध्यान रखें कि किसी भी दशा में यह श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर से ऊंचा न हो।

चक्रवाती तूफान से दर्जनों घर गिर कर क्षतिग्रस्त

एनसीआर समाचार

गैसड़ी/बलरामपुर। गैसड़ी क्षेत्र के भोजपुर थारू एवं जमगढवा गांव में आए चक्रवाती तूफान से दर्जनों घर गिर कर क्षतिग्रस्त, मकान का पिलर गिरने से एक महिला की मौत दर्जनों घायल घटना स्थल पर पहुंचे उपजिलाधिकारी ने जांच करने का आदेश हल्का लेखपाल को दिया। विकास खंड गैसड़ी के ग्राम पंचायत भोजपुर थारू एवं ग्राम पंचायत लालपुर रननूडीह के मजरा जमगढवा गांव में बुधवार की रात्रि करीब 11 बजे आए चक्रवाती तूफान से भोजपुर थारू निवासी बुधना पत्नी पारस 49 वर्षीय घर/फार्म की सीमेंट सेंड एवं पिलर गिर जाने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई जिसको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसड़ी लाया गया जहां हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जिला अस्पताल बलरामपुर में इलाज के दौरान गुरुवार सुबह 5 बजे मृत्यु हो गई, बुधना के पति पारस भी गंभीर रूप से घायल हो गया, भोजपुर थारू गांव में ही इकरामुलला, का घर व मुर्गी फार्म हाउस गिर जाने से इनका लड़का फहीम अहमद 18 वर्षीय चोटिल हो गया, वही ग्राम पंचायत लालपुर रननूडीह के मजरा जमगढवा में चक्रवाती तूफान से मोहम्मद हुसैन का सीमेंट सेड मकान क्षतिग्रस्त हो गया मकान की दीवाल गिरने से अमजद पुत्र शाहिद रजा 10 वर्ष दिवाल के नीचे 30 मिनट दबा रहा घर वालों की मदद से सकुशल बाहर निकाला गया जमगढवा गांव में ही अब्दुल्ला का पक्का मकान, रहमतुल्लाह, निसार, बहादुर, सगीर, अख्तर, समसुददीन, गुलाम मुस्तफा, रियाज, रईस, शौकत, हलीम, आदि लोगों का सीमेंट सेड, एवं टीन सेड मकान बुरी तरह उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया जिसको लाखो रूपए का सामान क्षतिग्रस्त हो गया, वही रमजान, अब्दुल रउफ, साबिहा खातून, हैदर आदि लोग चोटिल हो गए जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसड़ी पर प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। ग्राम प्रधान मोहम्मद सफीक व प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद इस्लाम द्वारा उपजिलाधिकारी तुलसीपुर को घटना की सूचना दी गई मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी अभय सिंह ने मृतक परिवार एवं क्षतिग्रस्त मकानो के परिवारों से मिलकर दैवी आपदा के तहत क्षति का आकलन करवाकर, अहेतुक सहायता राशि दिलाने एवं घायलो को भी सहायता राशि दिलाने की बात कही घटना स्थल पर पहुंचे समाजसेवी मदन लाल जायसवाल ने उपजिलाधिकारी से सभी क्षतिग्रस्त मकानो को आवास एवं नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की है घटना स्थल पर नायब तहसीलदार शिवेन्द्र पटेल, तहव्वर अली राजस्व निरीक्षक, हल्का लेखपाल कमलेश यादव, व अन्य लेखपाल विनय यादव, लल्लू यादव आदि लोगो ने सभी क्षतिग्रस्त घरो का सूची बनाकर आकलन किया।

रिजर्व पुलिस लाइन में दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन समारोह

एनसीआर समाचार

बलरामपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी बलरामपुर डॉ द्विग्विजय नाथ के सहयोग से आई एन ओ (अर्न्तर्राष्ट्रिय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान) के संयुक्त तत्वावधान में दसवें आंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 के उपलक्ष्य में आज दिनांक 20 जून 2024 को दो दिवसीय योग शिविर का उद्घाटन रिजर्व पुलिस लाइन में श्रीमती ज्योति श्री द्वारा किया गया, तत्पश्चात योग गुरू डॉक्टर वीरेन्द्र विक्रम सिंह अवकाश प्राप्त अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक, ने पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों को "स्वएं एवं समाज के लिए योग थीम "के अन्तर्गत प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के माध्यम से स्वस्थ्य रहनें की कला के बारे में जानकारी दिया। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा निर्धारित योगा प्रोटोकाल के अनुसार पहले तीन बार ओं ध्वनि का उच्चारण, प्रार्थना, सूक्ष्म व्यायाम ग्रीवा चालन स्कंध चालन, घुटना चालन की क्रिया का अभ्यास कराया इसके उपरांत खड़े होकर करने वाले आसनों में ताड़आसन, बृक्षआसन, पादहस्त आसन, त्रिकोण आसन, कटि चक्र आसन, का अभ्यास कराया।

बैठ कर करने वाले आसनों में भद्रआसन, वज्रासन, अर्ध उस्ट्रआसन का अभ्यास कराया। प्राणायाम में कपाल भाति, अनुलोम-विलोम, शीतली एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया, और आसनों से होने वाले फायदे के बारे में जानकारी दिया। मुख्य अतिथि महोदया ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अपना आशीर्वचन प्रदान किया।

महिला सशक्तिकरण की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग को अपने जीवन शैली में शामिल करें : मंत्री

मथुरा। स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा में आयोजित हुआ भव्य दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम जिसमें मंत्री महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार बेबीरानी मौर्य, सांसद हेमा मालिनी, विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, मंडलायुक्त श्रीमती रितु माहेश्वरी, जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, नगर आयुक्त शशांक चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, डिप्टी कलेक्टर राज कुमार भास्कर, ऊषा सिंह, उप जिलाधिकारी छाता श्वेता, उप जिलाधिकारी गोवर्धन नीलम श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी, डीसी मनरेगा विजय पांडेय, डीसी एनआरएलएम दुष्यंत सिंह, परियोजना निदेशक अरुण कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अजय कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक भास्कर मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा, प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र, जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित विभिन्न अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में जनपदवासियों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। सभी ने उत्साह एवं उमंग के साथ योगाभ्यास किया। गणेशरा स्टेडियम में लगभग 2000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में योगा का शानदार कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री, सांसद एवं मंडलायुक्त द्वारा भगवान धनवंतरी की पूजा अर्चना कर किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत योगाभ्यास सत्र का आयोजन आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक सौरभ सिंह, सन्नो शुक्ला एवं वीरेंद्र सिंह द्वारा किया गया। योग सत्र समापन के बाद मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत सम्मान, भविष्य में पर्यावरण सुरक्षा की प्रेरणा से ओत प्रोत, नन्हा पौधा भेंट किया गया। मंत्री एवं सांसद ने मंच से जनपद वासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग को अपने जीवन में स्वयं एवं समाज को स्वस्थ्य बनाने की प्रेरणा दी।

मंडलायुक्त ने स्वस्थ्य जीवन जीने हेतु सभी से योगाभ्यास को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। कार्यक्रम के आयोजक के समापन समारोह में जिलाधिकारी महोदय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयुर्वेद अधिकारी डॉ. गोपाल सिंह एवं योगा नोडल अधिकारी डॉ. अविनाश तिवारी को बधाई दी।

एक नजर

नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कांग्रेस समर्थकों और कार्यकताओं ने शुक्रवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी यहां मॉल एवेन्यू क्षेत्र में पार्टी मुख्यालय के पास एकत्रित हुए और अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने संवाददाताओं को बताया, सरकार नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा तक निष्पक्ष ढंग से कराने में विफल रही है। उन्होंने अब यूजीसी-नेट परीक्षा भी रद्द कर दी है। हम चाहते हैं कि सरकार इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे और हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित करे। प्रदर्शनकारियों ने नीट परीक्षा रद्द करने के लिए नारेबाजी की और तख्तियां भी लहराईं। हालांकि जब उन्होंने मॉल एवेन्यू चौराहे को पार करने को पार करने की कोशिश की, वहां तैनात पुलिस बलों ने उन्हें रोक दिया। कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस द्वारा हिरासत में भी लिया गया।

लाड़ली मंदिर की सीढ़ियों के पास मांस पकाने का आरोपी गिरफ्तार

मथुरा (उप्र)। बरसाना के लाड़ली मंदिर की सीढ़ियों के पास मांस पकाने के आरोपी एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कुछ श्रद्धालुओं ने आरोपी को मंदिर की सीढ़ियों के पास कथित तौर पर मांस पकाते देखने के बाद उसकी पिटाई कर दी थी। पुलिस निरीक्षक अरविंद निरवाल ने बताया कि संजय नाम का व्यक्ति मंदिर के आसपास भीख मांगता था। बृहस्पतिवार की शाम कुछ श्रद्धालुओं ने उसे मंदिर की सीढ़ियों के पास कथित तौर पर मांस पकाते हुए पकड़ा। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 295 (पूजास्थल को अपवित्र करना) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी राजस्थान का रहने वाला है और पिछले कुछ वर्षों से बरसाना में रह रहा है। निरवाल ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम जब कुछ श्रद्धालुओं ने संजय को मंदिर की सीढ़ियों के पास मांस पकाते हुए देखा तो उसकी पिटाई कर दी और फिर उसे पुलिस को सौंप दिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लोगों ने यमुना नदी में किया योग

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को यहां के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ ललिता देवी मंदिर से आगे बरगद घाट के निकट यमुना नदी में बड़ी संख्या में लोगों ने योग आसन किए। नवजीवन स्वीमिंग क्लब के प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद ने बताया कि योग दिवस पर करीब 150 लोगों ने यमुना नदी में योग आसन और प्राणायाम किया। यह योग कार्यक्रम सुबह सात बजे से लेकर साढ़े आठ बजे तक चला जिसमें लोगों ने शव आसन, ताड़ासन, चक्र आसन के साथ ही सूर्य नमस्कार किया। उन्होंने बताया, हम लोगों को तैराकी के साथ ही जल में योग प्रशिक्षण भी देते हैं। यह प्रशिक्षण मार्च से लेकर जून में बारिश से पूर्व तक चलता है। जल में योग करने से बच्चों की चेतना शक्ति बढ़ती है और इससे तैरने में आसानी होती है। बच्चे नौ-दस दिन में तैरना सीख जाते हैं। क्लब के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जल में लोगों ने पद्मासन भी लगाया और कम गहरे पानी में चंद्रासन लगाने का भी अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि कम गहरे पानी में जमीन पर हाथ टिकाकर कई मुद्राएं की जा सकती हैं।

नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को मांग की कि नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार को नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से निर्दोष छात्र पिस रहे हैं। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पेपर लीक की आड़ में सियासत करना ठीक नहीं है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून को घोषित किये जाने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम चार जून को ही घोषित दिये गये थे क्योंकि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो गया था। सरकारी और निजी कॉलेजों के एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन देशभर में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा कराया जाता है।

एनसीसी कैडेट्स ने ली जीवन में योग अपनाने और प्रोत्साहित करने की शपथ

मथुरा। 'विश्व योग दिवस सप्ताह' के अंतर्गत चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज, मथुरा के एनसीसी कैडेट्स ने विद्यालय प्रांगण में जीवन में योग अपनाने और दूसरों को योग के प्रति प्रोत्साहित करने की शपथ/प्रतिज्ञा ली। 20 जून गुरुवार को मथुरा महानगर के चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज में विश्व योग दिवस सप्ताह के अंतर्गत कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर राकेश कुमार माहेश्वरी ने कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स को अपने जीवन में योग को अपनाने और दूसरों को भी योग के प्रति प्रोत्साहित करने की शपथ/प्रतिज्ञा दिलाई। साथ ही योग के विषय पर प्रकाश डालते हुए प्रधानाचार्य ने बताया कि योग शरीर को अधिक से अधिक सक्रिय और लचीला बनाता है तथा रोग प्रतिरोधी क्षमता को मजबूत कर सामान्य बीमारियों से बचाव करता है। एनसीसी अधिकारी कैप्टन नूतन कुमार ने बताया कि सूर्य नमस्कार मेडिटेशन और योगासन से बच्चों का मन शांत रहता है और वह तनाव तथा डिप्रेशन जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं एवं उनमें सकारात्मक सोच विकसित होती है। विद्यालय के प्रवक्ता श्री श्याम बाबू अग्रवाल ने योग पूर्व बच्चों द्वारा बरते जाने वाली सावधानियां के बारे में बताते हुए कहा कि योगासन से पहले पेट खाली हो, शुरूआत से ही सारे आसान एक साथ न करें धीरे-धीरे अभ्यास करें और योग के दौरान बीच-बीच में रिलैक्स करने के लिए श्वसन अवश्य करें। इस अवसर पर विद्यालय के लिपिक सत्यवान, मोनू शर्मा, राधा कृष्ण शर्मा, कन्हैया लाल आदि उपस्थित थे।

उद्योगपति दीनानाथ झुनझुनवाला के वाराणसी व जौनपुर के विभिन्न ठिकानों पर ईडी के छापे

वाराणसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति दीनानाथ झुनझुनवाला के जौनपुर और वाराणसी के नाटी ईमली स्थित आवास एवं अन्य व्यावसायिक ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। इस दौरान किसी को भी आवास एवं प्रतिष्ठानों में आने-जाने की अनुमति नहीं दी गई। ईडी के अधिकारियों ने कई घंटों तक विभिन्न दस्तावेज, कम्प्यूटर और लैपटाप को खंगाला। छापेमारी में स्थानीय पुलिस का सहयोग नहीं लिया गया। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने यह कार्रवाई बैंक लोन धोखाधड़ी के मामले में की है। छापेमारी में झुनझुनवाला परिवार और उनके व्यवसाय प्रबंधन से जुड़े लोगों के मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी टीम ने अपने कब्जे में ले लिया। झुनझुनवाला के वाराणसी स्थित आवास पर 15 से अधिक अधिकारियों की टीम ने बैंक लोन से जुड़ी फाइलों और कंपनी की संपत्तियों के ब्यौरा को भी देखा। बैंक लोन धोखाधड़ी के मामले में 2020 में मुकदमा दर्ज हुआ था। बैंक लोन धोखाधड़ी में जेवीएल एग्रो लिमिटेड समूह के मालिक दीनानाथ झुनझुनवाला के वाराणसी के नाटी इमली, सारनाथ, सिंधौरा रोड एवं जौनपुर और बिहार की फैक्ट्रियों पर छापेमारी हुई।

हरियाणाः एचसीएस भर्ती में आरक्षित वर्ग को जानबूझकर पर्याप्त आरक्षण से वंचित करने का सरकार का दलित विरोधी चेहरा हुआ बेनकाब

बिर्दी चंद गोठवाल

हरियाणाः हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 14 जून, 2024 को एचसीएस के घोषित परिणाम में अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्गो को आरक्षण से वंचित कर संवैधानिक अधिकारों का खुला उलंघन करने के संगीन मामले में विभिन्न संगठनों द्वारा गुरु रविदास मंदिर में रोष बैठक का आयोजन सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी, राष्ट्रीय कुम्हार महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं पूर्व प्रधान किशनलाल लुहानीवाल व गुरु रविदास महासभा के प्रधान बलबीरसिंह बबेरवाल की संयुक्त अध्यक्षता में किया गया । बैठक में सभी संगठनों द्वारा भारी रोष प्रकट करते हुए सरकार की कड़ी भर्त्सना की गई और इस मामले में संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र राष्ट्रपति, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राज्यपाल, मुख्यमंत्री व हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव को भेजकर मांग की है।

कि इस संगीन मामले की उच्च स्तरीय गहन जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन करते हुए जोरदार नारेबाजी की गई। बैठक का संचालन करते हुए संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल ने मामले में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा वर्ष 2019 से 2024 तक की गई एचसीएस की भर्तियों में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के युवाओं को उचित आरक्षण की उपेक्षा कर सरकार द्वारा संवैधानिक अधिकारों का खुल्लम खुल्ला उलंघन किया गया है । एचसीएस भर्ती प्रक्रिया 2022 में अनुसूचित जाति के आरक्षित 20 पदों में से केवल 06 युवाओं को ही साक्षात्कार के लिये बुलाया गया।

जबकि 20 के तीन गुणा के हिसाब से 60 युवाओं को बुलाना चाहिए, परंतु ऐसा ना करके केवल 06 युवाओं का चयन करके बाकी 14 पदों को खाली छोड़ दिया गया । यही स्थिति सरकार द्वारा अब एचसीएस भर्ती प्रक्रिया 2023 में भी दोहराई गई जिसमें अनुसूचित जाति के आरक्षित 31 पदों में से केवल 22 युवाओं को ही साक्षात्कार के लिये बुलाया गया, जबकि 31 के तीन गुणा के हिसाब से 93 युवाओं को बुलाना चाहिए । यहाॅ यह अचरज का विषय है कि सरकार द्वारा 31 पदों में से केवल 22 पदों पर ही भर्ती कर-के 09 पद खाली छोड़ दिए गए ।

वहीं पिछड़ा वर्ग में भी आरक्षित वर्ग के 19 युवाओं को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, जबकि नियमानुसार तीन गुणा बुलाने चाहिए। इस प्रकार पिछड़ा वर्ग के 19 युवाओं की ही भर्ती की गई जो सरासर आरक्षण का उलंघन है। सर्व अनु0 जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, हरियाणा आवाज फाउंडेशन के उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डॉ शिवताज सिंह, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के प्रधान अनिल फाण्डन आदि ने सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए अपने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि उपरोक्त तथ्यों से यह तो स्वतः जाहिर होता है कि एससी/बीसी के जिन युवाओं की सैटिंग हो गई या जो सरकार का चहेते थे।

केवल उन्हीं को साक्षात्कार के लिये बुलाकर एचसीएस में भर्ती कर लिया गया और बाकी युवाओं को दर दर की ठोकरें खाने के लिये छोड़ दिया गया जिसमें सरकार की जातिगत व आरक्षण विरोधी दुर्भावना स्वतः उजागर होती है जो एक संगीन मामला है। यहाॅ यह गौरतलब है कि आरक्षित वर्ग की सभी सीटें भरने की बजाय कुछ सीटें खाली छोड़ दी जाती रही हैं और उन्हें सोची समझी चाल के तहत बाद में सामान्य वर्ग से भर ली जाती है, परन्तु यहां गौरतलब व खेद का विषय है कि सामान्य वर्ग की आजतक कोई सीट कभी भी खाली नहीं छोड़ी गई ।

इन अनियमितताओं के सम्बन्ध में आरक्षित वर्ग के युवाओं व विभिन्न संगठनों द्वारा सरकार को अवगत भी कराया जाता रहा है, परन्तु इसके बावजूद सरकार भेदभाव से ग्रस्त अपनी हठधर्मी पर कायम है जो न्यायसंगत नहीं है । रोष स्वरूप अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व तहसीलदार लालाराम नाहर ने बताया कि इस मामले में गत अवधि में सीडब्ल्यूपी नं0 10749 आफ 2023 सतीश कुमार बनाम हरियाणा सरकार व अन्य द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में केस भी दायर किया हुआ है ।

सरकार की दुर्भावना से ग्रस्त आरक्षण व संविधान विरोधी इस कार्यशैली से हरियाणा के समस्त एससी व बीसी समाज में भारी रोष व्याप्त है और सभी बहुजन संगठन सरकार की इस अव्यवहारिक कार्यशैली की घोर निन्दा करते हैं और सरकार को यह भी चेतावनी देते हैं कि सरकार आरक्षण विरोधी भेदभाव करने पर रोक लगाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति ना हो। न्याय ना मिलने की अवस्था में हरियाणा का समस्त अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग रोष प्रदर्शन व धरना आदि की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होगा।

इस अवसर पर धर्मशाला खटीक सभा के प्रधान डॉ सतवीर सिंह चौहान, धानक समाज के शिवनारायण मोरवाल, रविदास एवं अंबेडकर महासभा फेडरेशन के प्रदेश लेखा परीक्षक रामकुमार ढ़ैणवाल, इम्पावरमेंट के प्रधान एवं प्राचार्य अमर सिंह निमहोरिया, संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष एवं वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया।

डॉ अम्बेडकर जन जाग्रति मंच के प्रधान जसवंत भाटी, खण्ड अटेली के प्रधान प्रभु दयाल व कोषाध्यक्ष दयानंद सांवरिया, डॉ अम्बेडकर युवा समिति के प्रधान अनिल महायच , महासचिव मैनपाल महायच, कानूनी सलाहकार एवं बार एसोसिएशन के एडवोकेट गजानंद दोचानिया, कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्यारेलाल चवन, सामाजिक परिवर्तन संघ के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल।

हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के महासचिव गुरदयाल सिंह नाहर, रामचंद्र गोठवाल, पूर्व प्रबंधक जयपाल सिंह, पूर्व चीफ मैनेजर मदनलाल डाडैया व विजय सिरोहा, पूर्व विजिलेंस इंस्पेक्टर अतर सिंह खिंची, पूर्व प्रधान आरसी ग्रोवर, हरिराम सिरोहा, सचिव हजारीलाल खटावला, अमरनाथ सिरोहा, रामनिवास, वाल्मीकि समाज के करतार सिंह जैदिया, राजेन्द्र सिंह जालवान, कन्हैयालाल कालोरिया, स्योताज सिंह कोथलखुर्द, मामनराम, नम्बरदार साधुराम, बलबीर सिंह, एडवोकेट सुभाष कामरेड, मोहनलाल आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

जोधपुर फेमिकोर सोशल वेलफेयर फाउंडेशन ने रक्त जांच शिविर का किया आयोजन

राजेन्द्र हर्ष/राजस्थानः जोधपुर फेमिकोर सोशल वेलफेयर फाउंडेशन (regd.) द्वारा आज ब्लड कैंप मल्टीपरपज हॉल, बेसमेंट, जे एम सफायर, वैशाली में आयोजित किया गया। इस कैंप में लोगो ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लियोइस कैंप में हीमोग्लोबिन और ब्लड ग्रुप टेस्ट फ्री में किए गए। ब्लड कैंप में 38 रक्तदातायो ने अपना रक्त दान कर-के समाज के लिए मिसाल कायम की। सभी रक्तदाताओं को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फेमीकोर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक लीला, उत्तर प्रदेश प्रभारी पारुल सिंह, पूर्वी दिल्ली महिला सचिव किरण चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ब्लड कैंप के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक लीला ने कार्यक्रम संयोजक हर प्रकाश गुप्ता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हरियाणाः शेखपुरा गांव के ऋषि देव गुरुकुल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

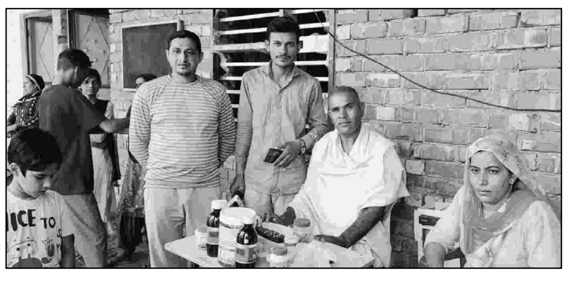

अनील/हरियाणाः हांसी शहर के नजदीक शेखपुरा गांव के ऋषि देव गुरुकुल के अंदर 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। गुरुकुल के आचार्य रमेश ने हमारे जीवन में योग का क्या महत्व है। उसके बारे में विस्तार से बताया और इस योग दिवस पर गुरुकुल के अंदर बच्चे बुजुर्ग महिलाएं बच्चे नौजवान भाई भी शामिल थे और इसके अंदर मनोज यादव मलिकपुर से है, जो कि योग कक्षा चलते हैं।

वह भी शामिल थे सुरेश पाल सिंह जो कि गुरुकुल के अंदर प्राकृतिक चिकित्सा चलते हैं और कविता बहन और संतोष यादव शेखपुरा में महिलाओं को योग के बारे में बताया और योग से कौन-कौन सी बीमारियां दूर होती हैं। इसका हमारे जीवन में क्या महत्व है विस्तार से बताया।

मध्य प्रदेशः बुरहानपुर जिले में भाजपा ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

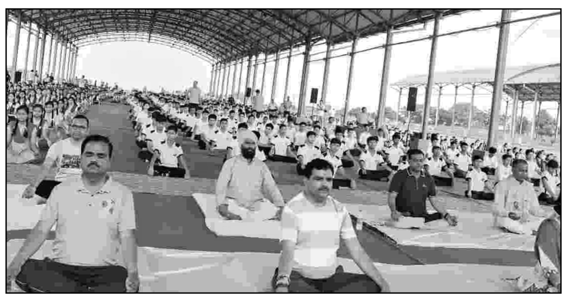

फारूक/मध्य प्रदेशः बुरहानपुर शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिलेभर में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने योग-प्राणायाम कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का लाइव प्रसारण सुना गया। भाजपा के कार्यक्रम के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज माने रेणुका कृषि उपज मंडी के जिला स्तरीय आयोजन में शामिल हुए। उनके साथ सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक अर्चना चिटनिस ने भी योग किया। जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज माने ने कहा- भारत के लिए यह गर्व का विषय है कि, योग हमारे पूर्वजों की देन है। जिसे आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आज विश्व के प्रत्येक देश में एकसाथ योग दिवस मनाया गया है। जिसका संयुक्त राष्ट्र संघ के 193 सदस्य समर्थन कर चुके हैं। मंडल, बूथ स्तर और घर में भी पदाधिकारियों ने किया योग डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी मंडल का मरीचिका उद्यान, सरदार पटेल मंडल का इतवारा की जिव्हेश्वर वाड़ी, लोक मान्य तिलक मंडल का गणेश स्कूल में योग कार्यक्रम हुआ। इसके अलावा शाहपुर, नेपानगर, खकनार, दरियापुर, नावरा, धुलकोट सहित अन्य मंडलों में भी पदाधिकारियों ने योग-प्राणायाम किया।

उत्तर प्रदेशः महोबा में तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा को मारी टक्कर

राम कुमार

उत्तर प्रदेशः कोतवाली नगर क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम शाहपहाड़ी स्थित पेट्रोल पम्प के पास तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा में टक्कर मार दी हादसे मैं ई-रिक्शा चालक 42 वर्षीय दिव्यांग कल्लू पाल उर्फ छिकोड़ी पाल पुत्र रमचंदी निवासी ग्राम भितरिया थाना लवकुशनगर जिला छतरपुर गम्भीर रूप से घायल हो गया घायल ई- रिक्शा चालक को एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल के आकस्मिक चिकित्सा अनुभाग में भर्ती कराया गया।

जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने उसे झाँसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार मध्यप्रदेश के सीमावर्ती छतरपुर जिले के लवकुशनगर थाना अन्तर्गत ग्राम भितरिया निवासी ई-रिक्शा चालक 42 वर्षीय दिव्यांग कल्लू पाल उर्फ छिकोड़ी पाल पुत्र रमचंदी ई-रिक्शा चलाकर महोबा से वापस अपने गांव जा रहा था।

जैसे ही ई- रिक्शा ग्राम शाहपहाड़ी स्थित पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार कार सवार ने अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे राहगीरों द्वारा एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने उसे झाँसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

न्यूरोथैरेपी उपचार केंद्र ने आयोजित किया मुफ्त उपचार शिविर, अधिक संख्या में पहुंचे मरीज

दीपक शर्मा

फरीदाबादः 16 जून 2024 को न्यूरोथैरेपी उपचार केंद्र बी 313 ग्रीन फील्ड कॉलोनी फरीदाबाद ने एक मुक्त उपचार शिविर का आयोजन प्रेम वाटिका ए ब्लॉक ग्रीन फील्ड में किया। यह उपचार शिविर केंद्र की संचालिका मास्टर न्यूरोथेरेपिस्ट अंजू शर्मा के निरीक्षण में किया गया। इस शिविर में 106 कॉलोनी वासियों ने शुगर, बी.पी का टेस्ट और कंधा, कमर, घुटने दर्द के साथ अन्य भी कई बिमारियों के उपचार का लाभ लिया।

न्यूरोथैरेपी पद्धति एक दवा मुक्त उपचार पद्धति है। इस पद्धति के जनक स्वर्गीय डॉक्टर लाजपत राय मेहरा है। इस पद्धति से न जाने कितने ही लोगों का बिना किसी दवाई और इंजेक्शन के दर्द रहित उपचार हुआ है। इस उपचार में मांसपेशियों और नसों पर विशेष बल दिया जाता है और बिना किसी मशीन की सहायता के आसानी महज कुछ ही दिनों में मरीज स्वस्थ हो जाता है।

यह शिविर सुबह 6:00 बजे से सुबह के 9:00 बजे तक आयोजित किया गया था। सभी कॉलोनी वासियों ने इस शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपना स्वास्थ्य लाभ लेते हुए भविष्य में केंद्र से उपचार करने के लिए संकल्प लिया। इस शिविर में प्रमुख रूप से दीपक गुप्ता, हरीश एवं भाटिया ने आयोजन पक्ष पर अपनी क्षमता से अधिक योगदान दिया।

इस शिविर में दिल्ली के प्रशिक्षित व अनुभवी न्यूरोथेरेपिस्ट दीपक शर्मा, हिमांशु प्रजापति व सुषमा शर्मा, नोएडा से कुलदीप कुमार और फरीदाबाद से इशा भारती एवं गायत्री ने आए हुए सभी बंधुओं का उपचार बहुत ही लगन से किया। अंजू शर्मा ने बाद में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि, भविष्य में भी इस प्रकार के मुफ्त उपचार शिविर न्यूरोथैरेपी सेंटर द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे। समाज में इस थेरेपी के द्वारा स्वास्थ्य लाभ लेने की प्रवृत्ति बढ रही है और समाज इससे कई तरिके से लाभान्वित हो रहा है। भविष्य में इस केंद्र पर न्युरोथैरेपी प्रशिक्षण की सुविधा भी शुरू की जाएगी जिससे युवक और युवतियां इस इस थैरेपी को सीख कर जीवन में अपना आजीविका स्वयं चला सके।

तमिलनाडु शराब त्रासदी में एक महिला का बेटा जहरीली शराब पीने से मरा

जमील अहमद

तमिलनाडु शराब त्रासदी इस त्रासदी में तीन नाबालिग बच्चों ने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है। भाई-बहन अब अनिश्चित भविष्य की ओर देख रहे हैं। उनकी दादी ने कहा, "मुझे नहीं पता कि उनकी देखभाल कैसे करनी है।

राज्य की राजधानी चेन्नई से लगभग 250 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से 55 लोगों की मौत हो गई है। पिछले कुछ दिनों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने वाले कम से कम 88 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इनमें से कई पीड़ित करुणापुरम इलाके के थे। इस त्रासदी में तीन नाबालिग बच्चों ने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है। भाई-बहन अब अनिश्चित भविष्य की ओर देख रहे हैं। उनकी दादी ने कहा, "मुझे नहीं पता कि उनकी देखभाल कैसे करनी है।

अपने बेटे को खोने वाली एक महिला ने कहा, उसने पेट में तेज दर्द और आंखें खोलने में कठिनाई की शिकायत की। उसने कहा कि उसने अरक पी ली है। शुरूआत में अस्पताल ने उसे यह कहते हुए भर्ती करने से मना कर दिया कि वह नशे में है। राज्य सरकार को सभी शराब की दुकानें बंद कर देनी चाहिए।

एक अन्य मां ने कहा, "मेरे बेटे को पेट में बहुत तेज दर्द हुआ। वह न तो देख सकता था और न ही सुन सकता था। ऐसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए। शराब बेचना बंद करो। पुलिस ने चार संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया है और 10 अन्य को हिरासत में लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने एनडीटीवी से कहा कि इन मौतों की वजह जहरीली शराब पीने की पुष्टि करते हुए, "हम जांच कर रहे हैं कि उन्होंने वास्तव में क्या पिया था।"

राज्य सरकार ने जिला पुलिस प्रमुख समय सिंह मीना को निलंबित कर दिया है और उनकी जगह रजत चतुर्वेदी को नियुक्त किया है। कलेक्टर श्रवण कुमार जाटवथ की जगह एमएस प्रशांत को नियुक्त किया गया है। निषेध प्रवर्तन शाखा के एक पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी, तीन निरीक्षक और इतने ही उपनिरीक्षकों को भी निलंबित कर दिया गया। राज्य सरकार ने जहरीली शराब त्रासदी की जांच भी सीबी-सीआईडी को सौंप दी है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह लोगों की जान जाने से स्तब्ध और दुखी हैं। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। हम सख्ती से कार्रवाई करेंगे। अगर जनता ऐसे अपराधियों के खिलाफ शिकायत करती है तो कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी गोकुलदास से जांच कराने की घोषणा की है।

प्रत्येक पीड़ित के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। स्टालिन ने अवैध शराब बनाने वालों, मेथनॉल विक्रेताओं की गिरफ्तारी और मेथनॉल को नष्ट करने का आदेश दिया था। इस त्रासदी को खुफिया एजेंसियों और निषेध प्रवर्तन विंग द्वारा एक बड़ी विफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले साल भी तमिलनाडु में मेथनॉल पीने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने कल राज्य सरकार को जहरीली शराब त्रासदी के लिए फटकार लगाई, जिसमें 55 लोगों की जान चली गई।

आपने इसे कैसे होने दिया," अदालत ने पिछले साल की त्रासदी का हवाला देते हुए कहा। एआईएडीएमके प्रमुख और विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने सत्तारूढ़ डीएमके की आलोचना की और कहा कि राज्य सरकार उनके द्वारा बताए जाने के बाद भी जहरीली शराब की समस्या को रोकने में विफल रही।

उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से आग्रह करता हूं कि वे पिछली बार की तरह शब्दों के खेल के बजाय जहरीली शराब पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई करें, जब उन्होंने इसे जहरीली शराब नहीं बल्कि मेथनॉल कहा था। राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने कहा कि पिछले साल जहरीली शराब के सेवन से 22 लोगों की मौत के बाद द्रमुक ने सबक नहीं सीखा है।

दिल्ली, लक्ष्मी नगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम

दीपक शर्मा

दिल्लीः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2024 को अंजु शर्मा और उनकी टीम ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं के लिए विभिन्न योग सत्र और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का आयोजन झांसी रानी पार्क कृष्ण कुंज कॉलोनी में किया गया था, जहां सुबह 7 बजे से 8 बजे तक यह आयोजन चला। कार्यक्रम की शुरूआत संगीतमय प्रार्थना के साथ हुई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इस विशेष कार्यक्रम में डॉक्टर दृष्टि शर्मा और सुनिता शर्मा द्वारा विभिन्न प्रकार के आसानों का अभ्यास करवाया गया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि डॉ. ज्योति गोयल और क्षेत्र की निगम पार्षद, अधिवक्ता अमृता वर्मा को भी सम्मानित किया गया।

इस योगशाला में अंजु शर्मा और उनकी टीम ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा, "इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। हमें खुशी है कि हमारे इस प्रयास को इतना अच्छा प्रतिसाद मिला। हम भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे।

ओडिशा: श्रीक्षेत्र पुरी में महाप्रभु श्रीजगन्नाथ के चतुर्धाविग्रहों की मनाया गया महास्नान उत्सव खुशनुमा माहौल में भक्ति व उल्लास के साथ

लक्ष्मीनारायण पथी

ओडिशा: ज्येष्ठ मास शुक्लपक्ष पूर्णिमा तिथी के अवसर पर श्रीक्षेत्र पुरी में महाप्रभु श्रीजगन्नाथ के चतुर्ध्धाविग्रहों की महास्नान उत्सव खुशनुमा माहौल में भक्ति व उल्लास के साथ मनाया गया। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार प्राकट्य दिवस में प्रसिद्ध इस दिन महाप्रभु प्रतिवर्ष जलस्नान करते हैं। इस स्नान को दिव्यस्नान भी कहा जाता है। इस दिव्यस्नान के अलावा अन्य दिनों में महाप्रभु मन्त्रस्नान करते हैं। इस दिन की यह विशेषता है कि दिव्यस्नान या महास्नान के लिए महाप्रभु रत्नसिंहासन छोड़कर धाडिपहंडि में स्नानमंडप विजे करते हैं।

श्रीजगन्नाथ के चतुर्ध्धाविग्रह की परम्परागत स्नानयात्रा निर्धारित समय पर सुवह शुरू हुआ। धाडिपहंडि होकर चतुर्ध्धाविग्रह श्रीवलभद्र, श्रीजगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं श्रीसुदर्शन स्नानमंडप पर विराजमान हुए। वहां तडपलागि, अवकाश नीति के वाद विग्रहों की मइलम और मंगलआरती हुई। इसके वाद महाप्रभु की महास्नान पर्व शुरू हुआ। इसके तहत

श्रीजगन्नाथ को 35 कलस,श्रीवलभद्र को 33 कलस,देवी सुभद्रा को 22 कलस और श्रीसुदर्शन को 18 कलाओं की सुगंधित जल से महास्नान कराया गया ।

सुनने में आया है कि श्रीमंदिर की वाहरवेढा यानी उत्तरद्वार में मां शीतलादेवी के पास एक कुंआ है जिसे सोने की कुंआ भी कहा जाता है । उस कुंआ सालभर सीमेंट चदर द्वारा ओढा हुआ रहता है । देवस्नान पूर्णिमा के एक दिन पहले उस चदर को वहां से हटाया जाता है और कुंआ की पुरा पानी निकाला जाता है। यह एक परंपरा है। ताजुव की वात है कि विलकुल पानी ना होते हुए कुंआ दुसरे दिन सुवह को पानी से भर जाता है। पूर्णिमा से पहले का दिन सुनागोसाइँ और मुदिरस्त सेवकों ने 108 कलसों में जल भरकर अधिवास गृह में रखते हैं। वहांपर कर्पूर,चुआ,अगुरु,पुष्प,जडिवुटि और चंदन आदि मिलाकर जल को अधिवास करते हैं। उस अधिवास जल द्वारा महाप्रभु के महास्नान होता है। यह भी एक शास्त्रीय परंपरा है। स्कंद पुराण के अनुसार राजा इन्द्रद्युम्न ने श्रीजगन्नाथ के आविर्भाव दिवस पर ही स्नानयात्रा का शुभारंभ किया था। तव से लेकर आज तक देवस्नान का यह परंपरा चलता आ रहा है।

महास्नान संपन्न होनेपर पुष्पालक सेवकों ने चतुर्ध्धाविग्रहों को मइलम सहित नया वस्त्र,पुष्प अलंकरण, तुलसी एवं कर्पूर द्वारा शृंगार किए। स्नानयात्रा का विशेष आकर्षण छेरापहँरा नीति गजपति महाराजा श्रीदिव्यसिंहदेव के द्वारा अपराह्न 3 वजे तथा छेरापहँरा के वाद महाप्रभु के गजानन या हाथीवेश 3.30 पर होना निर्धारित है। अन्य नीतिकान्ति में घंटछडा सुवह का धूप 5.45 से 6.20 ,दक्षिणीघर भोग शाम 6.30 पर,हाथीवेश मइलम रात 11 वजे,पुष्पांजलि व ढोललागि 11.10 पर,वाहुडा पहंडि रात 11.30 से सुवह 2 तक और सोनाचिता व राहुरेखा मइलम प्रातः 2.30 पर संपन्न करने को निर्धारित किया गया है।

श्रीजगन्नाथ के इस परमपावन महास्नान की लीला दर्शनमात्र से भक्तों को दुखों से मुक्ति मिलता है। दिल से यह विश्वास वे रखते हैं। इस विश्वास के तहत महाप्रभु के स्नानयात्रा लीला देखने को सुवह से भक्तजनों का कतार लगी। मुक्ति की कामना से श्रद्धालुओं का जय जगन्नाथ और जयकार ध्वनि से श्रीक्षेत्र व श्रीमंदिर परिसर गुंज उठा। सुवह से लेकर श्रद्धालुओं की जुटन शुरू हुई जो कि देर रात तक चलता रहेगा । श्रीजगन्नाथ दर्शन करने के लिए भक्तों में इतनी आतुरता हैं कि कडी धुप को भी वे परवाह नहीं करते हैं। परंतु उनके कष्ट हरने को प्रभु श्रीजगन्नाथ के करुणा बरसात में भक्तों को प्राप्त हुआ। श्रीजगन्नाथ खुद महास्नान करने से पहले समस्त भक्तों को स्नान का आनंद और करुणा की सानिध्य दे दिए। सचमुच भक्तों के प्रति महाप्रभु के दिल में उमडा प्यार श्रीजगन्नाथ क्षेत्र में आज देखने को मिला।

समाजवादी छात्र सभा कानपुर महानगर ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का किया पुतला दहन

संतलाल

उत्तर प्रदेश: समाजवादी छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा के आदेश पर समाजवादी छात्र सभा कानपुर महानगर के तत्वाधान मे दिनांक 22 जून 2024 को छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर यूनिवर्सिटी के गेट पर ठएएळ परिक्षा में हुई गड़बड़ी और निरंतर पेपर लीक पर समाजवादी छात्र सभा कानपुर महानगर ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया।

और इस्तीफे की माँग की और ठळअ को तत्काल भंग करने की मांग की पुतला दहन मे प्रमुख प्रदेश महासचिव छात्रसभा सिराज हुसैन जी नगर अध्यक्ष छात्रसभा राहुल वर्मा जी नगर महासचिव आशीष यादव (ईशू) अभय दुबे अल्तमस सिद्दीकी, शिवम् अग्रहरी आदित्य यादव, गौरव राजपूत, दीपू, आशीष, सौरभ मसीह , रिषभ, गौरव पांडे, यस पंडित, विकास, प्रखर तिवारी, सत्यम, विशाल, स्वप्निल, ऋषभ, अनन्य, नमन, आदर्श अवस्थी, आदेश सिंह, भूपेश सिंह, मिहिर, सुलोग, धरम आदि लोग पुतला दहन में रहे।

सोनाक्षी सिन्हा शादी के बाद इस्लाम नहीं अपनाएंगी, जहीर इकबाल के पिता ने दिया बड़ा बयान

जमील अहमद

सोनाक्षी सिन्हा और उनके लंबे समय से प्रेमी जहीर इकबाल शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। होने वाले दूल्हे के पिता इकबाल रतनसी ने खुलासा किया है कि यह जोड़ा 23 जून को सिविल मैरिज करेगा। हाल ही में एक इंटरव्यू में जहीर के पिता ने फ्री प्रेस जर्नल से अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहा इसमें न तो हिंदू रीति-रिवाज होंगे और न ही मुस्लिम। यह एक सिविल मैरिज होगी।

जहीर के पिता ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि सोनाक्षी शादी के बाद इस्लाम अपना सकती हैं। उन्होंने कहा, "वह धर्म परिवर्तन नहीं कर रही हैं और यह पक्का है। उनका रिश्ता दिलों का है और इसमें धर्म की कोई भूमिका नहीं है।" इसके बाद उन्होंने कहा, "मैं मानवता में विश्वास करता हूं। हिंदू भगवान को भगवान और

मुसलमान अल्लाह कहते हैं। लेकिन आखिरकार हम सभी इंसान हैं। मेरा आशीर्वाद जहीर और सोनाक्षी के साथ है।

इस बीच, हाल ही में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा भी उनकी शादी की योजनाओं के कारण उनसे नाराज हैं। हालाँकि, अभिनेता से राजनेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अफवाहों को संबोधित किया और उन लोगों को आड़े हाथों लिया जो उनके परिवार के खिलाफ "झूठ" फैला रहे हैं। शत्रुघ्न ने टाइम्स नाउ डॉट कॉम/जूम से कहा, "मुझे बताओ, यह किसकी ज़िंदगी है? यह सिर्फ. मेरी इकलौती बेटी सोनाक्षी की ज़िंदगी है, जिस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं उससे बेहद प्यार करता हूँ।

वह मुझे अपनी ताकत का स्तंभ कहती है। मैं निश्चित रूप से शादी में मौजूद रहूँगा। मुझे क्यों नहीं होना चाहिए और क्यों नहीं रहूँगा?" सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी कथित तौर पर सितारों से सजी होगी। इससे पहले, हनी सिंह और पूनम ढिल्लों ने पुष्टि की थी कि उन्हें भी आमंत्रित किया गया है। सोनाक्षी और जहीर की शादी वास्तव में कोई निजी मामला नहीं होगी क्योंकि इसमें बॉलीवुड के कुछ सबसे बड़े नाम जोड़े को आशीर्वाद और प्यार देने के लिए उनके बड़े दिन की शोभा बढ़ाएँगे।

इस जोड़े के एक करीबी सूत्र ने हमें बताया कि अभिनेता आयुष शर्मा, हुमा कुरैशी और वरुण शर्मा शादी में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, सलमान खान को भी निमंत्रण भेजा गया है। सोनाक्षी ने हीरामंडीः द डायमंड बाजार के अपने सह-कलाकारों फरदीन खान, ताहा शाह बदुशा, अदिति राव हैदरी और शर्मिन सहगल मेहता को भी आमंत्रित किया है।

उत्तर प्रदेश: चंदौसी सनातन सेवक संघ के तत्वाधान में त्रियोदशी पर नगर में निकाली गई दिव्य शोभायात्रा

अर्पित कुमार

उत्तर प्रदेश: चंदौसी सनातन सेवक संघ चंदौसी के तत्वाधान और नगराध्यक्ष हेमंत वार्ष्णेय के नेतृत्व में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में राज्याभिषेक की तिथि ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की त्रियोदशी पर नगर में भव्य दिव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महाराष्ट्र ढोल और शिवाजी महाराज का स्वरूप आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा।

शोभायात्रा का शुभारंभ माता जीजाबाई और शिवाजी महाराज के स्वरूप के समक्ष संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान जितेंद्र बैंस जी, महामंत्री कपिल दीवाना, कपिल गुप्ता ङ्क'ा, गुलाब देवी, विवेक नागपुर, कैलाशचंद्र, प्रिया टनाटन, प्रतिभा चौधरी एवं समाज

के अन्य लोगो द्वारा आरती कर के किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे दो सुसज्जित ऊंट चल रहे थे। उसके बाद डीजे पर राष्ट्रभक्ति के गीतों पर थिरकते हुए आमजन चल रहें थे।

उसके बाद प्रथम झाँकी पेशवा बाजीराव का स्वरूप, द्वितीय झांकी माता जीजाबाई की रही, उसके महाराष्ट्र ढोल, अंत में छत्रपति शिवाजी महाराज का स्वरूप मुख्य रथ पर विराजमान था। शोभायात्रा रघुनाथ के आश्रम से प्रारंभ होकर, मनिहार चौक, बिसौली गेट, पुरानी पैठ, बड़ा बाजार, घंटा घर, फाड़याई बाजार, ब्रह्म बाजार में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंच पर राज्याभिषेक कर शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा के दौरान आमजन एवं व्यापारियों ने पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा, जलपान एवं शिवाजी महाराज के स्वरूप की आरती कर स्वागत किया।

शिवाजी के राज्याभिषेक उपलक्ष्य में आयोजित इस शोभायात्रा का सभी राष्ट्रभक्तों ने भरपूर आनंद लिया। शोभायात्रा में मुख्य रूप अमित अग्रवाल, राजीव सक्सेना, विकास सनातनी, राजकुमार शर्मा, रखी सिरोही, मोक्षिका, कुमोद अग्रवाल, नीलम अरोरा, अनिता शर्मा, दुर्गा टंडन, राजकुमार ठाकरे, विक्की कश्यप, अनुराग गुप्ता, अभिनव राज, अमन अग्रवाल, शशिकांत शर्मा, तुषार क्रिस्टल, दिशांत गुप्ता, मनोज राघव, शुभम अग्रवाल, मुदित गर्ग, सुदीप अग्रवाल, दुष्यंत, अनुराग, यश, आकाश वार्ष्णेय इत्यादि उपस्थित रहें।

जम्मू रोड दुर्घटना: अखनूर में दो बसों के बीच टक्कर, हादसे में 20 यात्री घायल, तीन की हालत गंभीर

राजेश कुमार

जम्मू-कश्मीरः जम्मू के अखनूर के ज्यौडियां की मुख्य सड़क पर दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में 20 यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, काली माता मंदिर बोमाल के पास शनिवार को दो बस आपस में भिड़ गईं। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन सभी को बसों से निकाला गया। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अखनूर उपजिला अस्पताल में ले जाया गया। तीन की हालत गंभीर देखते हुए जम्मू GMC रेफर किया गया है।

मंत्री ने बताया कि पेपर लीक की जांच के बावजूद क्यों नहीं की गई NEET परीक्षा रद्द

जमील अहमद

सरकार ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET को रद्द नहीं करने का फैसला किया है, जबकि इस पर विवाद चल रहा है और परीक्षा से एक दिन पहले पेपर लीक होने की जांच चल रही है। अपने रुख को स्पष्ट करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लीक से केवल सीमित संख्या में छात्र प्रभावित हुए हैं, जबकि 2004 और 2015 में व्यापक लीक के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द करने से लाखों छात्र प्रभावित होंगे, जिन्होंने सही तरीके से परीक्षा पास की है। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो रही है और कोर्ट द्वारा लिया गया कोई भी फैसला अंतिम होगा।

NEET-UG परीक्षा में 67 छात्रों के 720 अंक लाने के बाद विवाद खड़ा हो गया और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने स्पष्ट किया कि

उन्होंने गलत प्रश्न और उम्मीदवारों को प्रश्नपत्र देरी से मिलने के कारण कुछ छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए थे।

एनटीए द्वारा संचालित स्नातक चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए 5 मई को आयोजित नीट-यूजी 2024 परीक्षा में लगभग 24 लाख छात्रों ने भाग लिया था। परिणाम 4 जून को तय समय से पहले जारी किए गए। हालांकि, प्रश्नपत्र लीक होने और 1,500 से अधिक छात्रों को ग्रेस अंक दिए जाने के दावों के साथ विवाद पैदा हो गया, जिसके कारण व्यापक विरोध और कानूनी कार्रवाइयां हुईं, जिनमें विभिन्न अदालतों में मामले दर्ज किए गए, विशेष रूप से सर्वोच्च न्यायालय, जिसने मामले से निपटने के एनटीए के तरीके की कड़ी आलोचना की है।

केंद्र ने परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया है क्योंकि माना जाता है कि लीक स्थानीय स्तर पर हुई थी और बिहार के केवल कुछ छात्र ही इसके लाभार्थी थे। बिहार में एक छात्र और तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। यूजीसी-नेट परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की "संस्थागत विफलता" करार देते हुए, प्रधान ने कहा कि सरकार एजेंसी के कामकाज की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय पैनल का गठन करेगी, लेकिन उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

प्रधान ने नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "कुछ छिटपुट घटनाओं के कारण उन उम्मीदवारों के करियर को बंधक बनाना अनुचित है, जिन्होंने सही तरीके से परीक्षा उत्तीर्ण की है। हम बिहार पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हैं। हमने उनसे रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद हम आगे की कार्रवाई तय करेंगे। मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और सिस्टम में विसंगतियों को दूर किया जाएगा। हमें अपने सिस्टम पर भरोसा रखना चाहिए और सरकार द्वारा किसी भी तरह की अनियमितता या कदाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा," मंत्री ने कहा।

उन्होंने विपक्षी दलों से इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की अपील की और कहा कि एनटीए के "शीर्ष" अधिकारियों सहित दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्रालय ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया में तेजी लाई है, ग्रेस मार्क्स पर चिंताओं को स्वीकार किया है और पुष्टि की है कि इनका पहले ही उचित तरीके से समाधान किया जा चुका है।

एक नजर

हैदराबाद: योगा दिवस पर जिले के मंगलहाट डिवीजन में हुआ योगाभ्यास का आयोजन

शंकर सिंह/हैदराबादः योग दिवस के उपलक्ष्य में तेलंगाना प्रदेश के हैदराबाद जिला के मंगलहाट डिवीजन में बि.ज.पी. के मंगलहाट डिवीजन और गोलकोंडा जिला के पदाधिकारियों ने और कार्यकताओं ने बंसीलाल वाटिका रहिम पुरा लालबहादुर शास्त्री प्लेग्रौउड के पास 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास का आयोजन किया।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में मंगलहाट डिवीजन भाजपा नेताओं द्वारा योगाभ्यास किया गया। जिसमें एरिया के लोगों ने और बि.ज.पी. के गोशामहल विधानसभा कनविनर, एम. कृष्णा, रमेश सचिव गोलकोंड जिला, सुरेश सिंह, महासचिव मंगलहाट डिवीजन, नितिन सिंह प्रवक्ता गोलकोंड जिला, किशोर में कुमार महासचिव मंगलहाट डिवीजन, शैलेंद्र सिंह अध्यक्ष दत्तात्रेय नगर, हरिनाथ आई.टि.सेल गोलकोंड जिला के सभी गणमान्य नागरिक बच्चों ने भी योगाभ्यास किया। महासचिव सुरेश ने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद किया। हमेशा अपने शरीर को स्वस्थ रखने केलिए योगा करने कि सलाह दी और कुछ जरूरी टिप्स भी दिए

पंजाब: अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर पठानकोट की टीम ने विशेष रूप से संजय मुनी से मुलाकात की और उनका प्राप्त किया आशीर्वाद

आशीष/पंजाबः अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर गांव फरवाल जिला पठानकोट में स्वामी संजय मुनी से सहकार भारती पंजाब के प्रांत महामंत्री रविंद्र सिंह ठाकुर और उनके साथ सहकार भारती जिला पठानकोट की टीम ने विशेष रूप से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर एडवोकेट गौरव सिंह ठाकुर वाइस प्रेसिडेंट डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिशन एवम जिला महामंत्री सहकार भारती पंजाब,एडवोकेट राजिंदर शर्मा जिला कोषाध्यक्ष सहकार भारती पंजाब,अमन पंसोत्रा जिला कार्यकारणी सदस्य सहकार भारती पंजाब,अविनाश ठाकुर जिला कार्यकारणी सदस्य सहकार भारती पंजाब आदि मौजूद रहे।

बिहार: मैनाटांड में पैदल चल रहे व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

बिहारः भंगहा थाना क्षेत्र के नगरदेही सीमा सड़क पर बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनरवा गांव निवासी हरि गिरि उम्र 55 वर्ष जो सड़क पार कर रहे थे, तभी अचानक से बाइक सामने आई तभी जोरदार टक्कर से मौत हो गई।

मैनाटांड थाना क्षेत्र के भलुवहिया गांव निवासी शेख कैसर का उम्र 20 वर्षीय पुत्र शेख सलाउद्दीन ने तेज रफ्तार में बाइक से आ कर जोरदार टक्कर मार दी, जहां हरि गिरि की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक सलाउद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर आस पास के ग्रामीण की भीड़ इकट्ठी हो गई लोगों ने तुरंत भंगहा पुलिस को सूचना दी गई, तभी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और मैनाटांड अस्पताल में लाई गई डाक्टर ने घायल व्यक्ति को बेतिया रेफर कर दिया गया और मृतक व्यक्ति को उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

उत्तर प्रदेश: कानपुर के सी.पी. ने गाइडलाइन का पालन करने के दिए निर्देश

फैज अहमद/उत्तर प्रदेशः कानपुर दक्षिण के तेज तर्रार डीसीपी रविन्द्र कुमार सिंह के द्वारा क्षेत्र में सड़क पर उतर कर जायजा लिया गया और सहयोगी पुलिस टीम के एसीपी अमरनाथ सिंह एवं एस एच ओ बाबू पुरवा अनूप सिंह चौकी प्रभारी ट्रांसपोर्ट नगर विकास शर्मा के द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग में मुख्य रूप से दुपहिया वाहनों के चालकों के वाहनों के कागजों और तेज आवाज में अवैध रूप से लगे हॉर्न व हूटर एवं चार पहिया वाहनों में प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म को हटवाकर कार्यवाही करते हुये दुबारा ऐसा न करने की हिदायत दी। सघन चेकिंग अभियान से शहर में वाहन चालकों में ब्लैक फिल्म और हूटर को न लगाने के लिये हुये जागरूक।

मध्य प्रदेश: मऊगंज में कलेक्ट्रेट कार्यालय पर नीट परीक्षा घोटाला को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

प्रमोद कमार चतुर्वेदी/मध्य प्रदेशः जिला मऊगंज में कार्यालय कलेक्ट्रेट आज प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निदेर्शानुसार नीट (ठएएळ) की परीक्षा घोटाला को लेकर जिला मऊगंज में कांग्रेस पार्टी ने कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन किया, जिसमें मऊगंज के पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना के निदेर्शानुसार व कांग्रेस पार्टी जिलाध्यक्ष पद्मेश गौतम की अध्यक्षता में पूर्व पार्षद वारिश खान (लाला) व विकास मिश्रा पहाड़ी अपने युवा कांग्रेस साथियों के साथ धरना प्रदर्शन में शामिल हुए।

हरियाणा: देवेन्द्र उर्फ गगु गदराणा हत्याकांड में तीन किशोर सहित आठ आरोपी काबू

इंद्रजीत

हरियाणा: डबवाली पुलिस अधीक्षक सिरसा श्री विक्रान्त भुषण के निदेर्शानुसार तथा उप पुलिस कालांवाली श्री राजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में अपराधों की रोकथाम व अपराधिक मामलों में वाछिंत आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना कालांवाली में दर्ज हत्या व शस्त्र अधिनियम के मामले में थाना कालांवाली पुलिस , सीआईए कालांवाली व साईबर सैल की सयुक्त टीम ने देवेन्द्र उर्फ गगु गदराणा हत्याकांड में तीन किशोर बालिको सहित आठ आरोपियों को काबू करने मे सफलता हासिल की है।

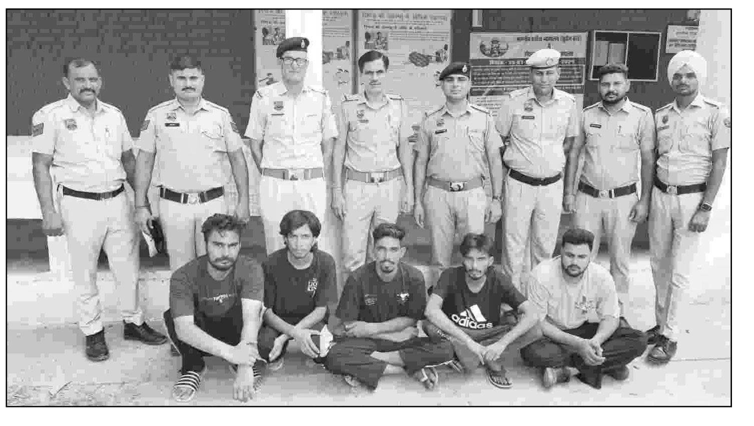

पकडे गये आरोपियों की पहचान लखविन्द्र सिंह उर्फ लक्खा पुत्र जगराज उर्फ गाजी निवासी दादू ,हरप्रीत उर्फ घुग्गी पुत्र गुरतेज सिंह ,गुरदीप सिंह पुत्र गुरविन्द्र सिंह ,कुलजीत पुत्र होशियार सिंह वासीयान गदराना .हरजिन्द्र सिंह उर्फ जिन्द्र पुत्र गुरदीता सिंह निवासी खोखर के रूप में हुई है।

इस सम्बन्ध में प्रभारी थाना कालांवाली इन्स्पैक्टर चान्द सिंह मे जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 10-06-2024 को सन्दीप सिह उर्फ सीपा पुत्र जग्गा सिह वासी गाव गदराणा के ब्यान पर वह और उसका दोस्त देवेन्द्र सिह उर्फ गगु पुत्र गुरजनट सिह वासी गदराणा सुबह की सैर करके वापिस देवेन्द्र के घर की और वापिस आ रहे थे तो एक कार का चालक अपनी कार को तेज रफ्तार से गगु को जान से मारने की नियत से अपनी कार से सीधी टक्कर गगु को मारी तो टककर लगने के कारण उसका दोस्त गगु साईड मे जा गिरा।

इतने में दो गाड्यिा और एक मोटरसाईकल आये और उन पर से भी 10/12 आदमी उतरे जिनके हाथो मे पिस्तोल तलवारे वा कापे थे । जिनको देखकर उसका दोस्त अपनी जान बचाने के लिए जगसीर सिहं पुत्र जग्गर सिंह वासी गदराना के घर मे छुपने की कोशिश की तो कार व मोटरसाईकल पर आये लोगों ने अपने हाथो में लिये तलवारे कापो से उसके दोस्त पर जानलेवा हमला बोल दिया और सभी लोग मौका से भाग गये । जब उसके दोस्त को डाक्टर के पास ले गये तो डाक्टर साहब ने गगु को मृत घोषित करने पर अभियोग दर्ज किया गया ।

उन्होने बताया कि हत्या का मामला दर्ज होने पर पुलिस अधीक्षक महोदय के निदेर्शानुसार तीन टीमे बनाई गई । पुलिस आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाते हुए तीन किशोर बालिको सहित आठ आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। किशोर बालिको को उनके सरक्षकों की अभिरक्षा में किशोर न्य्यालय में पेश किया जायेगा तथा अन्य पकडे गये आरोपियों को आज अदालत में पेश कर-के पुलिस रिमांड हासिल किया जायेगा और गहनता से पुछताछ की जायेगी और मामले में किसी और कि सल्पिंता पाई जाती है तो उन्हे भी गिरफ्तार किया जायेगा ।

उत्तर प्रदेश: थाना समाधान दिवस के आयोजन पर पड़े 14 प्रार्थना पत्र

अनुप कुमार

उत्तर प्रदेश: जनपद मिजार्पुर के सभी थानों पर प्रतेक माह के दूसरे और चौथे शनिवार को थाना समाधान दिवस आयोजित किया जाता है इसी उपलक्ष में आज 22/6/2024 दिन शनिवार को थाना अहरौरा परिसर में उपजिलाधिकारी चुनार राजेश कुमार वर्मा जी के अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस की कार्यवाही शुरू हुई जिसमें न्यायालय से संबंधित कुल 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

जिसमें बारी-बारी सभी फरियादियों ने उप जिलाधिकारी के सामने अपनी बात रखी। जिसमें से तीन मामले की जांच हेतु उप जिलाधिकारी एवं थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने मौके पर जा करके किया निरीक्षण एवं संबंधित लेखपाल को निर्देश दिया। एवं बाकी सभी मामलों में कानूनगो व संबंधित लेखपाल को टीम के साथ मौके पर जा करके गंभीरता पूर्वक जांच व विचार कर सभी मामलों में अति शीघ्र समाधान कराया जाय।

उत्तर प्रदेश: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर लोगों में दिखा उत्साह

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सोनभद्र के दुद्धी टाऊन क्लब खेल मैदान पर शुक्रवार को विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित योग शिविर में सैकड़ों लोगों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान योग प्रशिक्षक योगेश्वर मुनि,लक्ष्मण जौहरी,नंदलाल ने विविध योग एवं व्यायाम कराकर, उसके प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताये। कहा कि स्वास्थ्य जीवन का अनमोल खजाना है।

इसे संरक्षित करने के लिए नियमित योग जरूरी है। इससे स्वास्थ्य अच्छा रहेगा,रोगमुक्त काया के लिए योग से बेहतर कुछ भी नही। योग को आज पूरे विश्व में मान्यता मिल चुकी है। चिकित्सा विज्ञान ने भी इसे कई गंभीर बीमारियों से बचाव का उत्तम एवं एकमात्र उपाय बताया है। योग गुरु ने कहा कि हार्ट, सुगर, ब्लडप्रेशर जैसी गम्भीर बीमारियों का निदान प्राणायाम से सम्भव है, जिसके असंख्य प्रमाण हैं।

वहीं मुख्य अतिथि चेयरमैन कमलेश मोहन ने कहा कि योगासन के नियमित अभ्यास से कई रोगों से मुक्ति भी मिल सकती है। सेहत के साथ ही शांत मन और प्रबल विचारों के लिए एकाग्रता का होना जरूरी है जो योग से ही संभव हो सकता है। योग के इसी फायदे से दुनियाभर को जागरुक करने के लिए विश्व योग दिवस मनाने की शुरूआत साल 2015 में पहली बार हुई। उसके बाद से हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

समाजसेवी श्रवण सिंह गोंड़ ने कहा कि योग को हमे अपने जीवन की दिनचर्या में शामिल करना होगा। तभी अपने स्वास्थ्य के साथ साथ स्वस्थ भारत का सपना भी साकार होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमीत सोनी ने किया। योग साधना में मुख्य रूप से डॉ मिथलेश, डॉ के के चौरसिया, दिलीप पांडेय,अनिल कुमार, मोनू सिंह,कन्हैया लाल जायसवाल, रामपाल जौहरी, अमरनाथ जायसवाल, श्यामबिहारी चौबे समेत भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया ।

उत्तर प्रदेश: अस्पताल में तैनात डॉक्टर आवासों पर देख रहे मरीज उस्मान

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: शनिवार रामपुर किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मुख्य चिकित्सा अधिकारी रामपुर कार्यालय पर एकत्रित हुए और अस्पताल में तैनात डॉक्टर द्वारा अपने आवासों पर मरीज का इलाज करने से नाराजगी का इजहार करते हुए जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया जिससे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के हाथों फूल गए तुरंत अपर चिकित्सा अधिकारी डाक्टर वर्मा किसानों के बीच पहुंचे।

किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा ने उन्हें बताया जिला अस्पताल रामपुर में तैनात ज्यादातर

चिकित्सक अवैध रूप से अपने आवासों पर मरीज का इलाज करते हैं यह लोग फीस के रूप में प्रति मरीज 200 से 500 रुपए लेते हैं और बाहर की महंगी दवाइयां लिखकर मरीजों पर अतिरिक्त भार डालते हैं और यह सब मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कि मेरी भगत से हो रहा है।

जिसको किसी कीमत सहन नहीं किया जाएगा उन्होंने आगे कहा अस्पताल में तैनात स्टाफ अस्पताल में भर्ती मरीजों से अवैध रूप से धन वसूली करता है और इन लोगों के हौसले इतने बड़े हुए हैं कि यह लोग नगद के साथ-साथ ऑनलाइन पेमेंट के रूप में भी रिश्वत ले लेते हैं उन्होंने चेतावनी दी यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसान यूनियन चुप नहीं बैठेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पुतले पूरे जिले में फूकेगी प्रदर्शन कर ज्ञापन देने वालों में जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद फैजान मोहम्मद इमरान जमशेद रागिब खान मोहम्मद अयान शाहबाज खान शन्नू यूसुफ दिनेश कुमार विनोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: खाद्य पदार्थों में मिलावट और स्वास्थ्य पर प्रभाव पर एक दिवसीय सेमिनार किया आयोजित

रविन्द्र कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश: आज दिनांक 22.6.2024 को डीपीबीएस कॉलेज, अनूपशहर के रसायन विभाग में खाद्य पदार्थों में मिलावट और स्वास्थ्य पर प्रभाव पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें मेरठ कॉलेज के सहायक प्रोफेसर, भोपाल सिंह द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

जिसमें उन्होंने बताया दूध में यूरिया, हल्दी में मेटालिन, नमक में चॉक पाउडर, लाल मिर्च में रोडामाइन कल्चर, चांदी के वर्क में एल्यूमिनियम इत्यादि मिलाया जाता है के बारे में बताया तथा इनकी जांच कैसे की जाये? यह भी बताया और साथ ही विभागाध्यक्ष प्रोफेसर चंद्रावती ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के दुष्प्रभावों के विषय में विस्तृत जानकारी छात्रों को दी जिसमें मेटालिन से केंसर, मैथिल एल्कोहल से आंखों की रोशनी जाना अन्य मिलावटों से दिल की बीमारी, लिवर खराब होना, कुष्ठ रोग, पक्षाघात इत्यादि के बारे में बताया।

Maharaj Film Review: जुनैद खान ने स्क्रिप्ट की सादगी से ऊपर उठने की कोशिश की

महाराज ने जिस मानहानि के मामले को नाटकीय ढंग से काल्पनिक रूप दिया है, वह ऐतिहासिक महत्व का था। हालांकि, नेटफ्लिक्स की यह फिल्म, विवाद के बावजूद, जिसने इसकी रिलीज में देरी की, कुछ भी नया नहीं है। वाईआरएफ द्वारा निर्मित यह पीरियड ड्रामा कालातीत प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण सवाल उठाता है, लेकिन अपनी महत्वपूर्ण धारणाओं को नरम करने के कारण कथानक को कुछ हद तक खो देता है। यह कहानी कहने के ऐसे तरीकों का सहारा लेता है जो निराशाजनक रूप से प्रभावहीन हैं और अस्पष्टता से कमतर हैं।

सौरभ शाह की इसी नाम की सबसे ज्यादा बिकने वाली गुजराती किताब से विपुल मेहता द्वारा स्क्रीन के लिए रूपांतरित और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ??द्वारा निर्देशित, महाराज नवोदित जुनैद खान के लिए एक मध्यम लॉन्च पैड है। अभिनेता उन सीमाओं और बोझ से मुक्त होने में असमर्थ है जो उद्यम उस पर डालता है। नए अभिनेता ने 19वीं सदी के एक युवा बॉम्बे पत्रकार की भूमिका निभाई है, जिसका सामाजिक सुधार के लिए उत्साह एक हिंसक पवित्र व्यक्ति के साथ टकराव के रास्ते पर है। खान ने स्क्रिप्ट की सादगी से ऊपर उठने की कोशिश की है। यह एक हारी हुई लड़ाई है।

दर्शकों को पसंद आने वाले निडर योद्धा की भूमिका निभाने में उनकी अभिनय क्षमता में कुछ हद तक कठोरता है। वह इस प्रयास में पूरी तरह मेहनती हैं, लेकिन इसके लिए किए जाने वाले प्रयासों की विशालता और सीमा को छिपाने में असमर्थ हैं।

महाराज ने एक ऐसी वास्तविक जीवन की कहानी चुनी है, जो निश्चित रूप से आंतरिक योग्यता से रहित नहीं है। 160 साल से भी अधिक समय पहले, समाज सुधारक और राजनीतिक नेता दादाभाई नौरोजी से प्रेरित और प्रोत्साहित एक पत्रकार, गुजराती वैष्णव संप्रदाय के एक शक्तिशाली धार्मिक नेता से भिड़ जाता है, जो समुदाय पर बहुत अधिक शक्ति रखता है और अपनी महिला भक्तों का यौन शोषण करता है।

यह टकराव बॉम्बे के सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच जाता है, जब एक जुझारू करसनदास मुलजी (जुनैद खान) एक साहसी अखबार में खुलासा करता है और एक हवेली (एक विशिष्ट मंदिर में स्थित धार्मिक आदेश) के मुख्य पुजारी यदुनाथ महाराज (जयदीप अहलावत) मानहानि का मुकदमा दायर करते हैं। धर्म का आदमी एक ढोंगी है जो मानता है कि वह एक पुरानी परंपरा को जारी रख रहा है और अपने पतियों और माता-पिता द्वारा क्रमशः विवाहित महिलाओं या किशोर लड़कियों को कौमार्य भंग करके एक दिव्य कर्तव्य निभा रहा है।

समुदाय अपने शिष्यों के लिए श्रद्धेय यदुनाथ महाराज की वासना के लिए शरीर और मन के समर्पण को सर्वशक्तिमान का आशीर्वाद पाने के तरीके के रूप में देखता है। भगवान इस मिथक को कायम रखते हैं और उनके अनुयायी बिना किसी सवाल के इसे मानते हैं। "यह भक्ति और परंपरा दोनों है," महाराज कहते हैं जब करसन उनसे भिड़ते हैं।

करसन महिलाओं की शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह, घूंघट पर प्रतिबंध, अस्पृश्यता के उन्मूलन और अंध विश्वास के बारे में अपने कट्टरपंथी विचारों से प्रेरित है। वह अपने क्रांतिकारी विचारों को न केवल एक रूढ़िवादी मामा के नेतृत्व वाले एक क्रोधित परिवार के सामने व्यक्त करता है, बल्कि अपनी होने वाली दुल्हन किशोरी (शालिनी पांडे) के सामने भी व्यक्त करता है।

वह सामाजिक बुराइयों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए दादाभाई नौरोजी के एंग्लो-गुजराती अखबार रास्ट गोफ्तार में लेख भी लिखता है। महाराज एक असाधारण व्यक्ति की एक शक्तिशाली आध्यात्मिक गुरु के खिलाफ लड़ाई के बारे में है। यह धार्मिक हेरफेर और व्यक्तिगत प्रतिरोध के बीच एक व्यापक लड़ाई के बारे में भी है। लेकिन फिल्म कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों को भी संबोधित करती है जो समय और समाजों में प्रासंगिक हैं।

ये व्यक्तित्व पंथ बनाने में निहित खतरों, एक ऐसे समाज में स्वतंत्र सोच के महत्व पर केंद्रित हैं जहां लोगों का एक बड़ा हिस्सा धर्म-प्रचार का शिकार हो जाता है और जोखिम जो समझौता न करने वाली, निडर पत्रकारिता अनिवार्य रूप से लेकर आते हैं।

करसन और उसकी मंगेतर किशोरी के बीच भावनात्मक रूप से आवेशित बातचीत में, किशोरी जोर देकर कहती है कि सही और गलत में फर्क करने के लिए धर्म की नहीं, बल्कि बुद्धि और विवेक की जरूरत होती है। लेकिन उसे जल्द ही पता चल जाता है कि प्रेम की तरह भक्ति भी अंधी होती है।

एक अन्य दृश्य में, यदुनाथ महाराज की हवेली के एक वरिष्ठ पुजारी बुद्धिवाद की वकालत करते हैं। जब युवक एक बुरी प्रथा के खिलाफ अपनी अकेली लड़ाई की प्रभावशीलता के बारे में संदेह से ग्रस्त होता है, तो वह करसन से कहता है कि जो सवाल नहीं पूछता, वह सच्चा भक्त नहीं है। और जो धर्म जवाब नहीं दे सकता, बूढ़ा आदमी आगे कहता है, वह सच्चा धर्म नहीं है।

धर्म के द्वारपालों के खिलाफ अपनी लड़ाई में करसन बिल्कुल अकेले नहीं हैं। विराज (शरवरी वाघ), एक उग्र महिला जिसे सिसकारी भरी आवाज निकालने में परेशानी होती है, कहीं से भी प्रकट होती है और बिना वेतन के उसके अखबार में प्रूफरीडर के रूप में शामिल हो जाती है। उसकी पिछली कहानी, जो बाद में उसके अपने शब्दों में सामने आई, नौकरी के लिए उसके उत्साह और करसन के मिशन को स्पष्ट करती है।

एक नजर

उत्तर प्रदेश सहित बीएसपी ऑल इंडिया के सभी वरिष्ठ एवं विभिन्न राज्यों के प्रमुख पदधिकारियों की होगी महत्वपूर्ण बैठक

फुलचंद मालविया

मध्य प्रदेशः बहुजन समाज पार्टी बीएसपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व सांसद मायावती कल दिनांक 23 जून सन 2024 दिन रविवार को उत्तर प्रदेश सहित बीएसपी ऑल इंडिया के सभी वरिष्ठ एवं विभिन्न राज्यों के प्रमुख पदधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करेगी।

इस बैठक में अभी हाल ही में संपन्न 18वीं लोकसभा आम चुनाव के परिणाम को मद्देनजर रखते हुये समीक्षा तथा आगे की तैयारियों के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए जाएंगे आपसे अनुरोध है कि अपने वीडियो कैमरामैन फोटोग्राफर को उक्त प्रोग्राम के कवरेज के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम के मुताबिक भेजने की कृपा करें।

कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सहित बीएसपी ऑल इंडिया के सभी वरिष्ठ एवं विभिन्न राज्यों के प्रमुख पदाधिकारी की विशेष बैठक दिनांक 23 जून 2024 दिन रविवार स्थान बीएसपी यूपी स्टेट कार्यालय 12 माल एवेन्यू लखनऊ समय प्रात 11:00 बजे।

उत्तर प्रदेश: तहसील इकौना के जगजीत इंटर कॉलेज के प्रांगण में योग का कार्यक्रम हुआ संपन्न

शिवा जयसवाल

उत्तर प्रदेशः जिसमें हमारे यहां के एसडीएम ओमप्रकाश व विधायक राम फेरन पांडे के साथ ही साथ प्रधानाचार्य डॉक्टर भूद्धेश्वर पांडे भी उपस्थित रहे। यहां योग कराने सीमा वर्मा आयुर्वेदिक चिकित्सालय कटरा की प्रशिक्षिका ने योग कराया। वहीं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान इकौना में संतोष कुमार प्राचार्य के दिशा निर्देश में प्रशिक्षकों ने योग किया।

इस कार्यक्रम की शुरूआत योग प्रार्थना से शुरू हुई फिर आसनों का क्रम शुरू हुआ जिसमें ताड़ासन पादहस्थ आसान शशांक आसन भुजंगासन आदि आसान एवं अनुलोम विलोम प्राणायाम कपालभाति भ्रामरी प्राणायाम आदि प्राणायाम के उपरांत शवासन एवं ओम उच्चारण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जिसमें योग से होने वाले स्वास्थ्य लाभ एवं इसे अपने जीवन की दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया गया जिससे हम पूरी तरह स्वस्थ रह सके। इस मौके पर गिरीश प्रसाद मिश्रा प्रवक्ता डाइट निवास तिवारी,विष्णु कुमार उपाध्याय, हनुमान प्रसाद, राहुल गुप्ता व कई शिक्षक शिक्षिकाएं तथा छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जिला कार्यक्रम अधिकारी सोनभद्र निलंबित

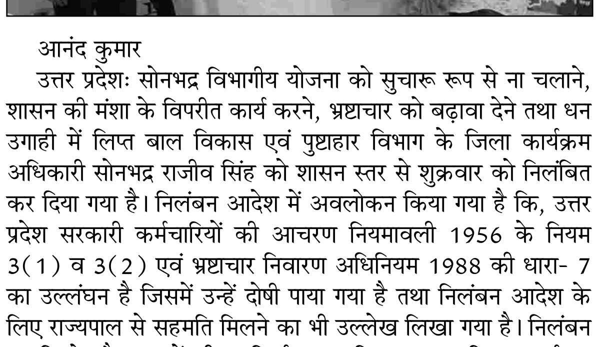

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र विभागीय योजना को सुचारू रूप से ना चलाने, शासन की मंशा के विपरीत कार्य करने, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने तथा धन उगाही में लिप्त बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सोनभद्र राजीव सिंह को शासन स्तर से शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन आदेश में अवलोकन किया गया है कि, उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारियों की आचरण नियमावली 1956 के नियम 3(1) व 3(2) एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा- 7 का उल्लंघन है जिसमें उन्हें दोषी पाया गया है तथा निलंबन आदेश के लिए राज्यपाल से सहमति मिलने का भी उल्लेख लिखा गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह कार्यालय आयुक्त विंध्याचल मंडल मिजार्पुर से संबंध रहेंगे।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आरोपों की जांच कर सही समय पर आख्या दें। जिला कार्यक्रम अधिकारी सोनभद्र के ऊपर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने, धन उगाही करने, अधीनस्थ महिला कर्मचारियों का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करने, शासन के मानसा के विपरीत कार्य करने, विभाग के योजना को सुचारू रूप से संचालित न करने का आरोप लगाया गया है। शासन स्तर से हुई इस निलंबन कार्रवाई से विभागीय लोगों में हड़कंप मच गया है।

उत्तर प्रदेश: अपराध नियंत्रण एवं सुधार संघठन के हमरपुर टीम को प्रशासन का मिला समर्थन

रामफल /उत्तर प्रदेश: पूरे भारत में सक्रिय अपराध नियंत्रण एवं सुधार संघठन की जिला हमरपुर टीम ने अपराध के खिलाफ समाज में कई कार्य किए है। टीम के सदस्यों ने नजदीकी थाने भरुवा सुमेरपुर के थानेदार से बात की और अपनी संस्था के बारे में बताया। उन्होंने अच्छे से जवाब दिया और हमारी टीम का हर समय सही देने का वादा भी किया।

पुलिस प्रशासन के समर्थन के बाद टीम उत्साह से भर गई और प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

केजरीवाल की जमानत पर रोक

दिल्ली की विशेष अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत देकर सभी पक्षों को चौंका दिया। केजरीवाल शराब घोटाले के आरोपित हैं और उन्हें पीएमएलए (धनशोधन निरोधक अधिनियम) की धाराओं में गिरफ्तार किया गया था। इस अधिनियम के तहत जमानत मिलना लगभग असंभव है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन लंबे अंतराल से इसी कानून की धाराओं और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत जेल में हैं। उन्होंने सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई, लेकिन कमोबेश सिसोदिया को एक बार भी जमानत नहीं दी गई। सत्येंद्र स्वास्थ्य आधार पर कुछ समय के लिए जेल से बाहर रहे, लेकिन लौट कर जेल ही जाना पड़ा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी धनशोधन की धाराओं के तहत केस बनाए गए, लिहाजा वह भी जनवरी, 2024 से जेल में ही हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं भी खारिज होती रही हैं। तेलंगाना की ह्यभारत राष्ट्र समितिह्न पार्टी की सांसद के. कविता भी शराब घोटाले के कारण जेल में हैं। केजरीवाल को विशेष अदालत ने उन्हीं दलीलों पर जमानत दी थी, जिनके आधार पर उन्हें अन्य अदालतों ने जमानत नहीं दी थी। उन्हें लगातार न्यायिक हिरासत में रखा जा रहा था। बीच में सर्वोच्च अदालत ने उन्हें चुनाव-प्रचार के लिए विशेष अंतरिम जमानत दी थी। उसके बाद दो जून को उन्हें जेल लौटना पड़ा था। बहरहाल केजरीवाल की जमानत आधी-अधूरी साबित हुई, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी और उच्च न्यायालय ने तब तक जमानत की प्रक्रिया पर रोक लगा दी, जब तक उसकी सुनवाई पूरी न हो जाए। अब साफ है कि केजरीवाल का जेल से बाहर आना फिलहाल रुक गया है। आम आदमी पार्टी (आप) का जश्न और भविष्य की योजनाओं पर सन्नाटा पसर गया है। दरअसल केजरीवाल का जेल में रहना 'आप' के लिए बहुत बड़ी सजा है, लिहाजा जमानत के फैसले पर पार्टीजन 'सत्यमेव जयते' के नारे लगा रहे थे। चूंकि 'आप' का राष्ट्रीय संयोजक फिलहाल जेल के बाहर आ रहा था, लिहाजा वे जश्न मना सकते थे। अब सब कुछ स्थगित हो गया है। उच्च न्यायालय ने सुनवाई शुरू कर दी है।

हम केजरीवाल और 'आप' के प्रवक्ता, नेताओं से सवाल करना चाहते थे कि देश में संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र अभी जिंदा हैं अथवा नहीं? चुनाव के दौरान एक झूठा नेरेटिव कांग्रेस ने गढ़ा था कि यदि मोदी सरकार ही लौट कर आ गई, तो संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। जाहिर है कि संविधान बदल दिया जाएगा, तो न्यायपालिका का अधिकार-क्षेत्र भी प्रभावित होगा। आरक्षण भी समाप्त कर दिया जाएगा। इस झूठे नेरेटिव को केजरीवाल-समूह ने भी आगे बढ़ाया था, क्योंकि 'आप' भी 'इंडिया' विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही है।

पेपर लीक से छात्रों में भारी नाराजगी

> सीएमई ईटी और पीएमडीएम परीक्षाएं भी अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती थीं। पूरे देश में एक समान परीक्षा आयोजित करने और छात्रों को अलग-अलग परीक्षाओं के लिए आवेदन न करना पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने 2017 में एनटीए (एनटीए) का गठन किया, जिसने 2019 की परीक्षाओं से काम करना शुरू कर दिया सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश शुल्क लगभग 1 लाख रुपये है।

-संजय गोस्वामी-

पिछले 15दिनों से देशभर में लाखों युवा उबल रहे हैं। इसके चलते एनटीए (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (नीट)-यूजीसी में बड़े पैमाने पर धांधली और अनियमितता की आशंकाएं जताई जा रही हैं। भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए हर साल नीट (नीट)-यूजीसी परीक्षा आयोजित की जाती है। सबसे प्रतिष्ठित एनआईटी और एनईई प्रवेश परीक्षा भी एनडीआरएफ द्वारा आयोजित की जाती है। 2019 में एनटीए (एनटीए) के गठन से पहले यह परीक्षा सीबीएसई द्वारा ऐआईपीएमटी के नाम से आयोजित की जाती थी। सीएमई ईटी और पीएमडीएम परीक्षाएं भी अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती थीं। पूरे देश में एक समान परीक्षा आयोजित करने और छात्रों को अलग-अलग परीक्षाओं के लिए आवेदन न करना पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने 2017 में एनटीए (एनटीए) का गठन किया, जिसने 2019 की परीक्षाओं से काम करना शुरू कर दिया सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश शुल्क लगभग 1 लाख रुपये है।, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों में यह प्रवेश शुल्क लगभग 25 -50 लाख रुपये है। इसलिए मध्यम वर्ग के परिवार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एनटीए(एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (नीट)-यूजीसी से सीधे अध्ययन कर सकते हैं और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। इस वर्ष यह परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें 23.81 लाख छात्र उपस्थित हुए थे। यह भारत की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 9 मार्च, 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 16 मार्च, 2024 कर दिया गया। दुख की बात है कि इसे लगभग 15 महीने के लिए बढ़ा दिया गया और आवेदन पत्र भी 9-10 मार्च को लिया गया। इस तरह के अध्ययन किए गए लेकिन इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। परीक्षा में आवेदकों की संख्या लगभग 24000 थी।

क्या यह अध्ययन किसी विशेष वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया था? यह उम्मीद की जाती है कि कुछ उम्मीदवारों को अनुचित तरीकों से उसी परीक्षा में अनुचित लाभ दिया गया था। परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी और उसी दिन पडाना से पेपर लीक होने की खबर आई। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून 2024 को घोषित होना था, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में इसे 4 जून 2024 को घोषित किया गया। यह महज संयोग नहीं है कि 4 जून को ही भारत लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने थे और उसी दिन परिणाम घोषित किए गए। पूरे मीडिया का इस पर ध्यान केंद्रित होना स्वाभाविक था। शायद ऐसा इसलिए किया गया था ताकि उस दिन परिणाम घोषित होने से जो भी गड़बड़ हो, उस पर कोई ध्यान न दे। जब परिणाम घोषित हुआ, तो देखा गया कि 67 छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की। पिछले वर्षों में, दो या तीन छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की है। इन 67 छात्रों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए। घोषित परिणामों के अनुसार, 718 और 719 अंक भी छात्रों ने प्राप्त किए, जो परीक्षा की योजना के अनुसार असंभव था। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक मिलते हैं और गलत उत्तर के लिए भी एक अंक जब्त कर लिया जाता है यदि कोई व्यक्ति सभी 180 प्रश्नों के सही उत्तर देता है तो उसे 720 अंक मिलते हैं और यदि उनमें से एक भी गलत है तो उसे 715 अंक मिलते हैं। यदि कोई व्यक्ति एक भी प्रश्न का गलत उत्तर देता है तो उसे 716 अंक मिलते हैं। किसी भी स्थिति में 718 और 719 उपलब्ध नहीं थे। जब इस संबंध में काफी हो-हल्ला मचा तो एनडीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ऐसे छात्रों को सॉलिड मार्जिन दिया गया था। बाद में बताया गया कि केवल 1563 छात्रों को परीक्षा में समय पर अंक दिलाने के लिए सॉलिड मार्जिन दिया गया था। गौरतलब है कि स्लीपर परीक्षा में सॉलिड मार्जिन देने का कोई प्रावधान नहीं है। सॉलिड अंक देने का उल्टा असर क्यों हुआ, इसे समझने के लिए एक उदाहरण देना उचित होगा। 720 में से 720 अंक पाने वाले 67 छात्रों में से सॉलिड मार्क्स जोड़ने के बाद यह 720 अंक हो गए और फाइनल रिजल्ट आ गया। मजे की बात यह है कि छात्र ने सभी सवालों के जवाब दिए थे, जिससे यह साफ है कि सुनवाई के समय उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। उस दिन छात्र अपनी बात पर अड़ा रहा लेकिन कोर्ट में सुनवाई के दौरान उसने खुद कहा कि उसे सॉलिड मार्क्स दिए जाएंगे। इन 1563 छात्रों के लिए 23 जून को दोबारा परीक्षा होगी, जिसमें बैठने और बैठने का निर्धारण होगा। 30 जून को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। इसके बाद दोबारा रैंकिंग घोषित की जाएगी। जो परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते, उनके मूल अंक माने जाएंगे। यह समाधान सिर्फ 1563 छात्रों को दिया गया, जबकि हकीकत में देश में कई ऐसे संस्थान थे, जहां समय पर पढ़ाई होती थी, लेकिन वहां पर भी काफी देर बाद परीक्षाएं होती थीं, जो सही भी था। इससे ज्यादातर लोग असंतुष्ट हैं और इसीलिए उनका आंदोलन और आंदोलन जारी है। यहां दो-तीन अन्य विसंगतियों का जिक्र करना उचित होगा। गुजरात में, गोवा में एक परीक्षा संस्थान था धरा, जलाराम स्कूल। इस स्कूल और हॉल में 30 छात्र बैठे थे। यहां से परीक्षा देने वाले छात्र झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा आदि से थे। इन छात्रों से एजेंटों ने 10-10 लाख रुपये वसूले और अधिक उत्तर दिलाने का वादा किया गया था। यहां परीक्षा सीसीडीवी की देखरेख में हुई लेकिन परीक्षा के बाद शिक्षकों की मदद से यह किया जाना था कि सभी ओएमआर शीट अलग से ली जाएं और पढ़ने से पहले उनमें सभी सही उत्तर भरे जाएं। यह उम्मीदवारों के साथ किया गया और उन्हें अपनी ओएमआर शीट खाली छोड़नी थी। अगर वह अपने प्रयास में सफल हो जाते तो तमाम प्रयासों के साथ यह केंद्र नष्ट हो सकता था। यह जिला प्रशासन की सतर्कता और तत्परता थी कि उन्होंने समय रहते इस पर कार्रवाई की और स्कूल के प्रिंसिपल और अन्य शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया। वहां से और शिक्षकों से 7.60 लाख रुपये बरामद परीक्षा से एक रात पहले 20-20 लाख रुपये देने वाले छात्रों को प्रश्न पत्र बता दिए गए और उनके उत्तर भी रद्द कर दिए गए ताकि वे अगले दिन परीक्षा में सभी प्रश्नों के सही उत्तर दे सकें। यही कारण है कि वे डोपर बन गए। अनियमितताओं, मिलीभगत, पेपर लीव आदि के जितने मामले सामने आ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरी परीक्षा को ढोंग कहा जाए तो गलत नहीं होगा। कहावत है कि दाल में वाला होता है, लेकिन नींद की इस परीक्षा में तो ऐसा लगता है कि पूरी दाल ही वाला है। जब पूरी दाल ही वाला हो तो उसे पैसे देना ही एकमात्र उपाय है।

मोदी पर आरएसएस का छुपा वार

-जगदीश रत्तनानी-

कई ऐसे लोग हैं जो इसमें आरएसएस का दोमुंहापन देखते है और जो मानते हैं कि संघ भाजपा का वैचारिक अभिभावक है एवं उसे उन सभी ज्यादतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जो हमने मोदी-युग के दौरान देखी हैं। आखिरकार मोदी आरएसएस की विचारधारा के विद्यार्थी हैं और वे वही ढोल बजा रहे हैं जो संगठन ने उन्हें सिखाया है। बाकी सब जो हो रहा है वह आरएसएस की छत्रछाया में नूरा कुश्ती है और नियंत्रण का अस्थायी बदलाव है।

इस बारे में बहुत कुछ लिखा गया है कि 2024 के चुनावों पर नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का भाषण सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा करता है। यह कहा जाता है कि भागवत ने उनकी निंदा किए या उनका नाम लिए बिना सब कुछ कह दिया है और अपने इच्छित लक्ष्य के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि चुनाव युद्ध नहीं है, दोनों पक्षों को सुनने के लिए एक दृष्टिकोण है और सच यह है कि सेवक वह है जो मयार्दा में रहकर और अहंकार के बिना सेवा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर में मुद्दों को एक साल से अधिक समय से उपेक्षित किया गया है। समझदारी का इशारा देने वाले इन शब्दों को और किसकी ओर निर्देशित किया जा सकता है? भागवत के बयान के बाद इसे व्यापक रूप से मोदी विरोधी वक्तव्य के रूप में देखे जाने के बाद अज्ञात स्रोतों के माध्यम से संघ ने यह स्पष्ट करना उचित समझा है कि वह उस व्यक्ति के बारे में ऐसा कोई इरादा नहीं रखता है जिसने अभी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। कई ऐसे लोग हैं जो इसमें आरएसएस का दोमुंहापन देखते है और जो मानते हैं कि संघ भाजपा का वैचारिक अभिभावक है एवं उसे उन सभी ज्यादतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जो हमने मोदी-युग के दौरान देखी हैं। आखिरकार मोदी आरएसएस की विचारधारा के विद्यार्थी हैं और वे वही ढोल बजा रहे हैं जो संगठन ने उन्हें सिखाया है। बाकी सब जो हो रहा है वह आरएसएस की छत्रछाया में नूरा कुश्ती है और नियंत्रण का अस्थायी बदलाव है। फिर भी यह विचार है कि आरएसएस के हालिया बयानों में कुछ और भी है, खासकर जब वे भाजपा के चुनावी हार के मद्देनजर आते हैं। इसमें आंशिक रूप से निर्मित और जल्दबाजी में उद्घाटित राम मंदिर के निर्वाचन क्षेत्र में सीट खोना भी शामिल है। यह देखते हुए कि चूंकि भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के हाथों में सिमट गई है और अपने दम पर सोच नहीं सकती है तो इन हालातों में यह चुनाव आरएसएस में कुछ वास्तविक पुनर्विचार के लिए ट्रिगर हो सकते हैं। आज यह आरएसएस की उस दुविधा को सामने ला रहा है कि इसके एजेंडा को नरेंद्र मोदी की सरकार ने पूरा किया है, संघ एक ऐसी सरकार से शक्ति और संसाधन प्राप्त कर सकता है जो अब एक दशक से अधिक समय से पूर्ण नियंत्रण में है लेकिन ऐसा लगता है कि यह उस तौर तरीके को नापसंद कर रहा है जिसे इस प्रक्रिया में मोदी ने अपने चारों ओर बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो आरएसएस के नजरिए से नीतियां 'अच्छी' हैं लेकिन उन्हें व्यवहार में लाने वाला व्यक्ति सही नहीं है। संघ के द्वितीय सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने एक बार कहा था कि- आरएसएस कार्यकर्ता की 'असाधारणता' ठीक ऐसी होनी चाहिए कि हर कार्यकर्ता खुद को 'साधारण' माने। आज आरएसएस को भाजपा के एक ऐसे प्रधानमंत्री से जूझना होगा जो खुद को इश्वर का भेजा हुआ और गैर-जैविक अवतार बताते हुए स्वयं को प्रधान सेवक कहता है और जो यह कहते नहीं थकता कि वह कितना असाधारण है।

आरएसएस के नजरिए से यह सरल सवाल है कि क्या आपके काम करने के भुगतान की यह बहुत अधिक कीमत है या क्या ऐसा नहीं है? क्या यह आरएसएस की वर्षों पुरानी इच्छाओं के सच होने का स्वर्णिम काल है जिसमें अयोध्या का राम मंदिर, जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाना, अधिकांश राज्यों में गोहत्या पर प्रतिबंध, नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) का एजेंडा, समान नागरिक संहिता की ओर कदम, ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध आदि शामिल है या ये उस सड़ी हुई संस्कृति के 'उपहार' हैं जो एक ऐसी पार्टी में अंतर्निहित हो गई है जिसने हमें चुनावी बांडों में देखा गया भ्रष्टाचार, लोकतांत्रिक संस्थानों पर कब्जा, भारत की प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में गिरावट, गैर-भाजपा सरकारों को तोड़ने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग और यह सब कुछ अगर बढ़ती संपत्ति और आय असमानता को लेकर है जो राष्ट्र की गर्म बहस बनने और बने रहने का वादा करता है?

साधारण श्रेणी में कोई सुविधा नहीं

-रजनीश कपूर-

आँकड़ों के अनुसार 2014 से 31 मार्च 2023 तक 1117 रेल हादसे हो चुके हैं।ज्आम जनता जो कि साधारण श्रेणी में यात्रा करती है उसके लिये कोई भी नई सुविधा नहीं दी गई है। आबादी के बढ? पर आम जनता के लिए आम श्रेणी की गाडि?ों में भी बढ़ौतरी की जानी चाहिए थी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष में 2.70 करोड़ यात्री टिकट होने के बावजूद रेल में यात्रा नहीं कर पाए, क्योंकि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। इसी का नतीजा है कि ट्रेन में सफ? करने वाले लोग ट्रेन की क्षमता से ज्यादा पाए जाते हैं।शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी ना कभी रेल यात्रा न की हो। रेलवे स्टेशन पर सुनाई देने वाली घोषणा की शुरूआत यात्रीगण कृपया ध्यान देंइ से ही होती है। इसका उद्देश्य सभी मौजूद यात्रियों का ध्यान आकर्षित करना होता है। यह तो हुई एक साधारण बात। परंतु बीते कुछ वर्षों में हो रहे रेल हादसों के बाद से अब इस घोषणा का सीधा सम्बंध भारतीय रेल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े मंत्रियों और अफसरों से है। बढ़ते हुए रेल हादसों के चलते अब भी अगर संबंधित मंत्री और अधिकारी नहीं जागेंगे तो कब जागेंगे?देश की जीवन रेखा माने जाने वाली भारतीय रेल हर खास-ओ-आम आदमी के लिए देश के किसी भी कोने से दूसरे कोने तक यात्रा करने का सस्ता और भरोसेमंद साधन है। हर यात्री को इस बात का भरोसा होता था कि देर-सेवर वो अपने गंतव्य तक पहुँच ही जाएगा। ज्यों-ज्यों देश की आबादी बढ़ी सरकार ने रेल यात्रा में उचित सुधार भी किए।आज भारत में रेलवे की कुल लंबाई 1,15,000 किलोमीटर है। भारतीय रेल रोजाना करीब 2 करोड़ 31 लाख यात्रियों और 33 लाख टन माल को ढोती है। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। 12.27 लाख कर्मचारियों के साथ, भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। भारतीय रेल के कार्यचालन के विभिन्न पहलुओं की देखभाल करने के लिए इसने 11 सरकारी क्षेत्र के उपक्रम भी है। भारत जैसे देश के लिए इतने बड़े स्तर पर यात्रा का साधन मुहैया कराने वाली भारतीय रेल पर देश को गर्व है। परंतु हर सिक्के के दो पहलू होते हैं।बीते कुछ वर्षों में रेल मंत्रालय द्वारा कई ट्रेनों में जो बदलाव किए गए हैं वह एक ओर जहां यात्रियों द्वारा बधाई प्राप्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पूरे सिस्टम में फैली अव्यवस्था को लेकर भारी विरोध भी झेल रहे हैं। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से रेल मंत्रालय ने अनेकों आधुनिक गाडि?ँ भी चलाईं। जैसे-जैसे रेल यात्रा में सुविधा बढ़ी वैसे-वैसे किराये में भी वृद्धि हुई।उल्लेखनीय है कि जिस कदर रेल के किरायों में वृद्धि हुई है उसमें यात्रा केवल वही लोग कर पा रहे हैं जो उस बढ़े हुए किराए का वहन कर सकते हैं। आम जनता जो कि साधारण श्रेणी में यात्रा करती है उसके लिये कोई भी नई सुविधा नहीं दी गई है। आबादी के बढ? पर आम जनता के लिए आम श्रेणी की गाडि?ों में भी बढ़ौतरी की जानी चाहिए थी, परंतु ऐसा नहीं हुआ।आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष में 2.70 करोड़ यात्री टिकट होने के बावजूद रेल में यात्रा नहीं कर पाए, क्योंकि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। इसी का नतीजा हुआ कि आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि ट्रेन में सफ? करने वाले लोग ट्रेन की क्षमता से ज्यादा पाए जाते हैं। इससे आरक्षित टिकट प्राप्त कर यात्रा करने वालों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। क्या रेल मंत्रालय के अधिकारियों इस बात की जानकारी नहीं थी कि देश में बढ़ती हुई आबादी के चलते आवागमन में भी वृद्धि होगी? क्या जिन यात्रियों की टिकट कन्फर्म नहीं हुई और उन्हें उनके किराए की राशि वापिस की गई, इसकी संख्या में होती वृद्धि पर किसी का ध्यान नहीं गया? क्या जिन साधारण श्रेणी के डिब्बों को उच्च श्रेणी में तब्दील किया जाना उचित था? क्या उच्च श्रेणी की आधुनिक ट्रेनों को चलाने के लिए साधारण श्रेणी की ट्रेनों को रद्द करना उचित था? यदि समय रहते सही निर्णय लिया गया होता तो रेल में भीड़ के चिन्ताजनक दृश्य सामने नहीं आते।एक ओर जहां किसी नई और आधुनिक रेल के उद्घाटन के समय जिस कदर मंत्री और अफसर श्रेय लेने के लिए आगे आते हैं, वह रेल में हो रही लापरवाहियों का जिम्मा लेने से बचते नज? आते हैं। आँकड़ों के अनुसार 2014 से 31 मार्च 2023 तक 1117 रेल हादसे हो चुके हैं। इनमें सैंकड़ों लोगों की जानें गई, हजारों की तादाद में लोग घायल हुए और करोड़ों की संपत्ति का भी नुकसान हुआ। परंतु इन हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया। गौरतलब है कि पिछले साल जून 2023 में देश में एक भीषण रेल हादसा बालासोर में हुआ था जहां लगभग 300 लोगों की जान गई और क?ीब 900 घायल हुए।इसके बाद इसी सप्ताह पश्चिम बंगाल में एक ओर रेल हादसा हुआ जिसने रेल सुरक्षा की पोल खोल कर रख दी। यहाँ एक तथ्य का उल्लेख करना आवश्यक होगा कि सीएजी की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में 20 हजार करोड़ रुपये आने थे। जिसमें 15 हजार करोड़ केंद्र सरकार द्वारा दिये जाते और 5 हजार करोड़ रेल मंत्रालय देता। परंतु चार साल बाद मात्र 4225 करोड़ ही आए और इन्हें भी गैर जरूरी मदों पर खर्च किया गया रेलवे सुरक्षा पर नहीं।सोचने वाली बात यह है कि अधिकतर दुर्घटनाओं में मानवीय त्रुटि बताई जाती है। यानी ट्रेन चलाने वाले या रेल की पटरियों और रेल ट्रैफिक को संचालित करने वाले, दुर्घटना के जिम्मेदार होते हैं। रेल मंत्री द्वारा संसद में दिये गये उत्तर के मुताबिक रेलवे में 3.12 लाख रिक्त पद पड़े हैं। गौरतलब हैं कि ट्रेन चलाने वाले लोकोपायलट के 70093 पद स्वीकृत हैं जिनमें से 21 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इसी के चलते मौजूदा

संविधानिक ढांचे और लोकतंत्र को चुनौती

-डॉ. ब्रह्मदीप अलूने-

वे माओवादी हिंसा को दरकिनार करके इसे गरीब आदिवासियों का विद्रोह कहती हैं। करीब डेढ़ दशक पहले उन्होंने रेड कॉरिडोर के केंद्र माने जाने वाले बस्तर की गुपचुप यात्रा की और दंडकारण्य में माओवादियों के साथ काफी वक्त बिताया। वे माओवादियों को भाई, साथी या कॉमरेड कह कर लाल सलाम कहने में फख्र महसूस किया करती थीं। उन्हें संविधान और लोकतंत्र आदिवासियों की खिलाफत का अस्त्र नजर आता है। 1997 में प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधती रॉय अपनी किताब वॉकिंग विद द कॉमरेड्स में लिखती हैं-भारतीय संविधान, जो भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है, संसद द्वारा 1950 में लागू किया गया। यह जनजातियों और वनवासियों के लिए दुःख भरा दिन था। संविधान में उपनिवेशवादी नीति का अनुमोदन किया गया और राज्य को जनजातियों की आवास भूमि का संरक्षक बना दिया गया। मतदान के अधिकार के बदले में संविधान ने उनसे आजीविका और सम्मान के अधिकार छीन लिए। अरुंधती अपनी इस किताब में माओवादियों को आंतरिक सुरक्षा का खतरा बताए जाने का मखौल उड़ाती हैं। भारत की यह ख्यात लेखिका मानवाधिकार के मुद्दों पर सरकार पर हमले करने से परहेज नहीं करतीं। अरुंधती कश्मीर में तैनात फौज को जनता की दुश्मन बताती हैं। उन्हें संसद पर हमले के प्रमुख आरोपी अफजल गुरु से हमदर्दी रही। अपने ब्लॉग में वह भारत की पूरी न्याय प्रक्रिया पर कटाक्ष करते हुए कहती हैं-लेकिन अब जब अफजल गुरु को फांसी दे दी गई है, तो मुझे उम्मीद है कि हमारी सामूहिक अंतरात्मा संतुष्ट हो गई होगी। या फिर हमारे खून का प्याला अभी भी आधा ही भरा है? 2010 में राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम में उन्होंने सार्वजानिक रूप से कहा-कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था और उस पर भारत के सशस्त्र बलों ने जबरन कब्जा कर लिया था। कश्मीर की पृथकतावादी ताकतों के लिए अरुंधती पसंदीदा चेहरा हैं, और उनके विचारों को वे भारत के बौद्धिक वर्ग की आवाज कह कर दुनिया भर में प्रचारित करते हैं। 2010 में दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया था। उन पर भारत विरोधी भाषण देने और कश्मीरी अलगाववाद का समर्थन करने का आरोप लगाया गया।

अब अरुंधती रॉय के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मुकदमा चलेगा। अरुंधती अच्छी लेखिका हैं, और उन्हें पसंद करने वाले देश-विदेश के कई लोग हैं, जिन्हें लगता है कि अरुंधती पर मुकदमा कायम करना,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रोकने जैसा है। 2023 के फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले में सलमान रुश्दी ने अरुंधति पर मुकदमा चलाने के कदमों की आलोचना करते हुए कहा था-वह भारत की महान लेखिकाओं में से एक हैं, और बहुत ईमानदार और जुनूनी इंसान हैं। उन मूल्यों को व्यक्त करने के लिए उन्हें अदालत में लाने का विचार शर्मनाक है। भारत की विविधता और जटिलता में बहुत सारे विरोधाभास हैं, और इसे स्वीकार भी किया जाना चाहिए। अरुंधती ने अपनी लेखनी और आंदोलनों में हिस्सा लेकर इन्हें समाज के सामने लाने में महती भूमिका निभाई है। आजादी और स्वतंत्रता की पक्षधर इस लेखिका को 45वें यूरोपीय निबंध पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। अरुंधती भारतीय लेखिका के रूप में देश-विदेश में आमंत्रित की जाती हैं, लेकिन वे अक्सर भारत की छवि को निरंकुशता के करीब ले आती हैं। अरुंधती गरीब आदिवासियों के लिए भारतीय संविधान को शोषण के अस्त्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए दिखाई पड़ती हैं। संविधान का अवलोकन करें तो उनके दावों से उलट आदिवासियों की सुरक्षा, संरक्षण और विकास के लिए कई उपबंध शामिल किए गए हैं। अनुच्छेद 15(4) अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक उन्नति के लिए विशेष प्रावधान सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 46, राज्य को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने और उन्हें सामाजिक अन्याय एवं सभी प्रकार के शोषण से संरक्षित करने का निर्देश देता है। अनुच्छेद 350 विशिष्ट भाषाओं, लिपियों या संस्कृतियों के संरक्षण के अधिकारों का प्रावधान करता है। लोकतांत्रिक देश में व्यापक प्रतिनिधित्व के लिए संविधान में संसद और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025 में 25,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के ग्रीन बॉन्ड जारी

नई दिल्ली। आगामी केंद्रीय बजट में वित्त वर्ष 25 के लिए उधारी कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में लगभग ?25,000 करोड़- ?30,000 करोड़ मूल्य के सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव हो सकता है, और इसका एक बड़ा हिस्सा वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान बेचे जाने की संभावना है, मामले से अवगत दो लोगों ने कहा। बिक्री से प्राप्त आय से संधारणीय इंरू बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का वित्तपोषण किया जाएगा। पढ़ें` बजट 2024: राज्यों की इच्छा सूची में राजकोषीय सहायता सबसे ऊपर है इसे सरकार की ग्रीन फाइनेंस पहलों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है। ऊपर उल्लिखित पहले व्यक्ति ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, "चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 25) के दौरान ग्रीन बॉन्ड इंस्ट्रूमेंट्स के माध्यम से की गई उधारी पिछले साल की तुलना में अधिक होगी, क्योंकि बाजार में संधारणीय बॉन्ड की मांग है।" व्यक्ति ने कहा, "वित्त वर्ष 2025 के उधार कैलेंडर के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार ग्रीन बॉन्ड से लगभग ?25,000 करोड़- ?30,000 करोड़ जुटाने की संभावना है।" ऋ़ीील्ल इङ्गल्ला ग्रीन बॉन्ड में दिलचस्पी बढ़ रही है जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय चुनौतियों जैसे दबाव वाले मुद्दों के बीच, ग्रीन बॉन्ड- सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव वाली परियोजनाओं को निधि देने के लिए उपयोग किए जाने वाले निश्चित आय वाले निवेश- ने निवेशकों के बीच अपने वित्तीय लक्ष्यों को अपने मूल्यों के साथ संरेखित करने और सकारात्मक बदलाव में योगदान देने के लिए रुचि दिखाई है। वित्त वर्ष 2023 के दौरान, सरकार ने सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड के माध्यम से लगभग ?16,000 करोड़ जुटाए, जिसे वित्त वर्ष 2024 में बढ़ाकर लगभग 20,000 करोड़ कर दिया गया।

आयातित सैन्य प्लेटफॉर्म पर मेक इन इंडिया पहल को मिलेग बढ़ावा

नई दिल्ली। अपने नवीनतम अपडेट में, भारतीय रक्षा मंत्रालय ने संकेत दिया है कि 2024-25 में रक्षा के लिए लगभग 74.7 बिलियन डॉलर निर्धारित किए गए हैं, जो पिछले साल के परिव्यय से 4.7 प्रतिशत अधिक है। तेजी से बिगड़ते वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल और भारत-चीन सीमा पर सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए, रक्षा मंत्रालय के अंतरिम आवंटन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि बहुत अपर्याप्त प्रतीत होगी। 65,000 करोड़ रुपये की लागत वाले 97 तेजस मार्क 1 विमानों का अधिग्रहण प्राथमिकता है, क्योंकि घरेलू विनिर्माण की जटिल प्रकृति के कारण बजट में अपरिहार्य वृद्धि की आशंका है। इस संतुलन को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। रक्षा बजट का लगभग 27.6 प्रतिशत पूंजी अधिग्रहण के लिए आवंटित किया गया है, जिसमें उन्नत हथियार प्रणालियों के घरेलू अनुसंधान और विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए रक्षा, अनुसंधान और विकास संगठन गौरतलब है कि नई दिल्ली ने "गहन प्रौद्योगिकी" अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए 12 बिलियन डॉलर का कोष बनाया है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सैन्य संलयन प्रौद्योगिकियों का विकास शामिल है। बजटीय अनुमान भारतीय नौसेना, वायुसेना और भारतीय सेना की प्राथमिकताओं का भी संकेत देते हैं। नौसेना में युद्धपोतों की संख्या बढ़ाने की भी आवश्यकता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि रक्षा मंत्रालय ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारतीय जहाज निर्माण क्षेत्र में निवेश में साल-दर-साल 82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और आने वाले महीनों में प्रमुख अत्याधुनिक नौसैनिक प्लेटफॉर्म शामिल किए जा सकते हैं। भारतीय वायुसेना के संबंध में, यह सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता थी कि देश के पास 42 पूरी तरह कार्यात्मक स्क्वाड्रन हों। सेना के मोर्चे पर, पैदल सेना के पास मौजूद व्यक्तिगत हथियारों को उन्नत करने की आवश्यकता थी। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश पैदल सेना क्ठरअर (भारतीय लघु शस्त्र प्रणाली) राइफलों का उपयोग कर रही थी, जिन्हें सिद्ध कलाश्निकोव अङ-203 असॉल्ट राइफलों से बदलने की आवश्यकता थी। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत रूसी तकनीक का उपयोग करके भारत में अङ-203 राइफलों का निर्माण किया जा रहा है। भारत को अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए तकनीकी प्रगति और उपकरणों के साथ तालमेल बनाए रखना होगा

भारत एमएसएमई निर्यात के लिए वैश्विक व्यापार संवर्धन निकाय किया बजट में इसकी घोषणा की जाएगी

नई दिल्ली। आगामी केंद्रीय बजट में एमएसएमई निर्यात को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक वैश्विक व्यापार संवर्धन निकाय का प्रस्ताव कर सकता है, इस घटनाक्रम से अवगत तीन लोगों ने कहा। नाम न बताने की शर्त पर लोगों ने बताया कि यह कदम भारत के बढ़ते व्यापार घाटे और निर्यात को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता की पृष्ठभूमि में उठाया गया है।नए वैश्विक व्यापार संवर्धन संगठन (ऋ्ळढड) की अवधारणा जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (खएळफ्ड) और ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग की तर्ज पर बनाई जा रही है, और इसकी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शाखाएँ होंगी।ऊपर बताए गए लोगों में से एक ने कहा, "एक व्यापार संवर्धन निकाय की मांग और विचार किया जा रहा है, जिसके विदेश में कार्यालय होंगे और जो एमएसएमई के लिए निर्यात को बढ़ावा देने के मामले में काम करेगा, जिनके पास अपने माल को बढ़ावा देने और अपने दम पर विदेश में बाजार स्थापित करने के लिए आर्थिक ताकत नहीं है।"एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि लेकिन उनकी वैश्विक स्तर पर मजबूत उपस्थिति नहीं है और वे ज्यादातर भारत से ही काम करते हैं।पढ़ें` केंद्र ने 100 दिवसीय कार्यक्रम के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और किसानों को सहायता देने की घोषणा की। जीटीपीओ का उद्देश्य छोटे व्यवसायों को विभिन्न विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के लिए आवश्यकर्ऽि२३१३ङ्गल्ल पंजीकरण, लाइसेंसिंग और प्रमाणन में मदद करना और विदेशों में भारत के वाणिज्य दूतावासों के साथ समन्वय करके उनके लिए व्यावसायिक अवसर पैदा करना है। तीसरे व्यक्ति ने कहा, "यह एमएसएमई फर्मों के लिए वन-स्टॉप समाधान की तरह काम करेगा। वाणिज्य मंत्रालय को उम्मीद है कि यह एमएसएमई निर्यात को प्रोत्साहित करके व्यापार घाटे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।" उन्होंने कहा कि इससे छोटे व्यवसायों को वैश्विक प्रदर्शनियों, व्यापार शो और क्रेता-विक्रेता बैठकों में भाग लेने में भी मदद मिलेगी।

Byju ने दूसरे राइट्स इश्यू पर रोक लगाने वाले NCLT के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली। नकदी संकट के बीच कई विवादों में फंसी एडटेक कंपनी बायजू ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के आदेश के खिलाफ कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है, जिसने उसे अपने दूसरे राइट्स इश्यू को आगे बढ़ाने से रोक दिया है।दूसरा राइट्स इश्यू 13 मई को शुरू हुआ था और 13 जून को समाप्त होने की उम्मीद थी।एनसीएलटी ने एडटेक कंपनी को दूसरे राइट्स इश्यू से किसी भी फंड का उपयोग करने से रोक दिया है।सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक उच्च न्यायालय में कंपनी की नई याचिका पर सोमवार को सुनवाई होने की संभावना है।बायजू अपने दो लेनदारों, टेलीपरफॉर्मेंस और सर्फर टेक्नोलॉजीज के साथ अदालत के बाहर समझौता करने की संभावना तलाश रही है।एनसीएलटी ने मामलों की सुनवाई 26 जून तक के लिए स्थगित कर दी थी।कंपनी को भारत के साथ-साथ अमेरिका में भी अपनी सहायक कंपनी के खिलाफ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वित्तीय फर्म ल्ठरइउ के हालिया शोध नोट के अनुसार, कभी 22 बिलियन डॉलर की कीमत वाली एडटेक कंपनी अब शून्य मूल्य की है।ल्ठरइउ ने निवेश कंपनी प्रोसस की बायजू में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी (या लगभग 500 मिलियन डॉलर) को शून्य मूल्य दिया।नोट के अनुसार, "हम कई कानूनी मामलों और फंडिंग की कमी के बीच बायजू की हिस्सेदारी को शून्य मूल्य देते हैं।"इस महीने की शुरूआत में, ऋणदाताओं के एक समूह ने बायजू की अमेरिकी सहायक कंपनी से जुड़ी नई संस्थाओं के खिलाफ एक अमेरिकी अदालत में दिवालियापन की याचिका दायर की, जिसमें आरोप लगाया गया कि ये संस्थाएं अपने कर्ज का भुगतान नहीं कर रही हैं।

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट अब जीएसटी के दायरे से बाहर, वित्त मंत्री का परिषद की बैठक के बाद एलान

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद् ने रेलवे की ओर से आम लोगों को दी जाने सेवाओं पर बड़ा फैसला लिया है। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के अलावे डॉरमेट्री, वेटिंग रूम, क्लॉक रूम और बैट्री ऑपरेटेड वाहनों के इस्तेमाल जैसी सुविधाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। अब ऐसी सुविधाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी अब जीएसटी नहीं देना होगा। किसी खास समाज की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टल पर भी जीएसटी देय नहीं होगा अगर कोई व्यक्ति वहां 90 दिन लगातार रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभाग की ओर से अपील दायर करने के लिए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए 1 करोड़ रुपये और सुप्रीम कोर्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद् की बैठक के बाद ये बातें कही।

53 वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, "परिषद ने सभी दूध के डिब्बे पर 12% की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की सिफारिश की है। इसका मतलब है कि स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम के बने जो भी केन दूध के डिब्बे के तौर पर प्रयोग होंगे उन पर नई दरें लागू होंगी। परिषद ने सभी कार्टन बॉक्स, कॉरिगेटेड और ननकॉरिगेटेड कागज या पेपर बोर्ड सभी पर 12% की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की है। इस फैसले से विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सेब किसानों को फायदा होगा। वित्त मंत्री के अनुसार परिषद ने यह भी स्पष्ट किया और सिफारिश की है कि फायर वाटर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12% जीएसटी लगेगा।

अपीलीय प्राधिकरण से जुड़ी यह सिफारिश की गई...परिषद ने यह भी सिफारिश की है कि अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि 25 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 25 करोड़ एसजीएसटी से घटाकर 20 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 20 एसजीएसटी कर दी की। यह अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व-जमा की अधिकतम राशि है। परिषद ने सीजीएसटी अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन करने का भी निर्णय किया है और सिफारिश की है कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दायर करने के लिए तीन महीने की अवधि उस दिन से शुरू होगी जिसे सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने बताया करदाताओं द्वारा अपील की गई टैक्स फाइलिंग दाखिल करने की अवधि 5 अगस्त 2024 को समाप्त हो जाएगी। वित्त मंत्री ने बताया कि इस बार जीएसटी परिषद की बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कोई चर्चा नहीं की गई।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिली यह जिम्मेदारी...53वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दर युक्तिकरण के जीओएम का अध्यक्ष बनाया गया है। अगली बैठक में सम्राट चौधरी इसके लिए किए गए कार्यों पर यथास्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।" इसके बाद दरों को तर्कसंगत बनाने का काम शुरू होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि छोटे करदाताओं को फायदा देने के लिए जीएसटीआर 4 फाइल करने की समय सीमा को जून 30 कर दिया गया है। GSTR 1 में बदलाव करने कि सुविधा दी गई है।

सुनील मित्तल और राजीव बजाज को छोड़िए, अपने अधिकारियों से भी कम वेतन लेते हैं गौतम अदाणी

नई दिल्ली। भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अदाणी को 31 मार्च, 2024 को खत्म वित्त वर्ष में कुल 9.26 करोड़ रुपये का वेतन है। यह इंडस्ट्री में अदाणी के बाकी समकक्षों को छोड़ दीजिए, उनके अपने प्रमुख अधिकारियों के मुकाबले भी कम है। अदाणी ग्रुप की कुल 10 कंपनियां शेयर मार्केट में लिस्ट हैं, जिनका कारोबार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में फैला हुआ है। इनकी सालाना रिपोर्ट से पता चलता है कि 61 साल के अदाणी ने ग्रुप की 10 कंपनियों से सिर्फ दो से ही वेतन लिया। समूह की सबसे दिग्गज कंपनी है, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (अएछ)। इससे 2023-24 के लिए गौतम अदाणी को पारिश्रमिक में 2.19 करोड़ रुपये का वेतन और 27 लाख रुपये के भत्ते के साथ अन्य लाभ मिल मिले यानी कुल 2.46 करोड़ रुपये। यह एक साल पहले के मुकाबले तीन फीसदी अधिक है। वहीं, अदाणी पोर्ट्स एंड एऐ लिमिटेड (अढएऐ) से उन्हें 6.8 करोड़ रुपये का वेतन मिला।

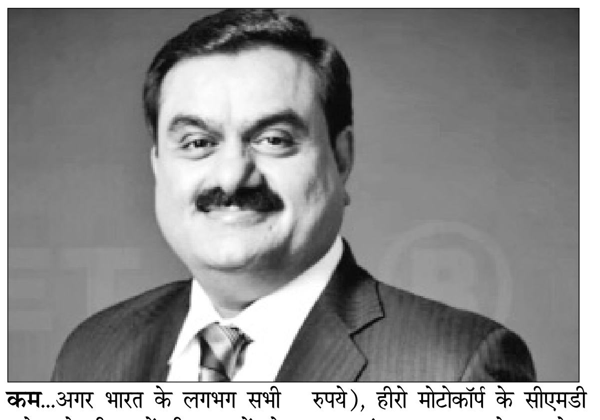

अदाणी का वेतन काफी कम...अगर भारत के लगभग सभी बड़े कारोबारी घरानों की बात करें, तो उनके प्रमुख के मुकाबले गौतम अदाणी का वेतन काफी कम है। देश के सबसे रईस और रिलायंस ग्रुप के मालिक मुकेश अंबानी कोरोना महामारी के बाद से कोई वेतन नहीं ले रहे। उससे पहले उनका सालाना पैकेज 15 करोड़ रुपये पर फिक्स था। अदाणी का पारिश्रमिक दिग्गज टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल के मुखिया सुनील भारती मित्तल (2022-23 में 16.7 करोड़ रुपये), बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज (53.7 करोड़ रुपये), हीरो मोटोकॉर्प के सीएमडी पवन मुंजाल (80 करोड़ रुपये), एलएंडटी के चेयरमैन एस एन सुब्रह्मण्यन और इंफोसिस के सीईओ सलिल एस पारेख से काफी कम है।

कितनी है गौतम अदाणी की नेटवर्थ...ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, अदाणी की संपत्ति 106 अरब डॉलर है। वे मुकेश अंबानी के साथ एशिया के सबसे शख्स बनने की होड़ में शामिल हैं।

वह 2022 में सबसे अमीर एशियाई बन गए थे, लेकिन अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में बड़ी गिरावट आई और उन्होंने वह रुतबा खो दिया।

हालांकि, अब ग्रुप की सभी कंपनियां उस झटके से उबर चुकी हैं। अदाणी ने इस साल दो मौकों पर एशिया के सबसे रईस शख्स बने, लेकिन दोनों बार अंबानी वापस उनसे आगे निकल गए। अंबानी 111 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 12वें स्थान पर हैं। वहीं अदाणी 14वें स्थान पर हैं।

अधिकारियों की ज्यादा है सैलरी...एईएल बोर्ड के प्रमुख कार्यकारी और निदेशक विनय प्रकाश को कुल 89.37 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला। ग्रुप सीएफओ जुगेशिंदर सिंह को 9.45 करोड़ रुपये का वेतन मिला। समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ विनीत एस जैन को 15.25 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जबकि अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के सीईओ सुरेश पी मंगलानी को 6.88 करोड़ रुपये मिले।

जीएसटी परिषद में गेमिंग सेक्टर की मांग पर नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में गेमिंग सेक्टर की मांग पर किसी प्रकार की चर्चा नहीं हुई।गेमिंग कंपनियां लंबे समय से मांग कर रही हैं कि 28 प्रतिशत जीएसटी दांव पर लगाई जाने वाली पूरी राशि की बजाय इंडस्ट्री द्वारा हासिल किए जाने वाले सकल गेमिंग राजस्व (जीजीआर) पर लगाना चाहिए। गेमिंग कंपनियों के अनुसार, स्किल आधारित ऑनलाइन गेम्स पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगने से गेमिंग इंडस्ट्री पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे फंडिंग में कमी आई है। साथ ही, रोजगार के मौके घट रहे हैं और सेक्टर के भविष्य को लेकर दुविधा की स्थिति है। जेएसए एडवोकेट्स और सॉलिसिटर में पार्टनर मनीष मिश्रा ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर टैक्स को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। सेक्टर उम्मीद कर रहा था कि टैक्स की दरों को लेकर कुछ राहत मिलेगी। ईवाई और यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) की ओर से जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अक्टूबर 2023 से नया जीएसटी रिजीम आने के कारण कुछ कंपनियों से वैश्विक निवेशक हट गए हैं। नया जीएसटी रिजीम आने से पहले जीएसटी की लागत कुल आय का 15.25 प्रतिशत थी। एक अक्टूबर, 2023 के बाद 33 प्रतिशत कंपनियों के लिए जीएसटी की लागत आय के 50 से 100 प्रतिशत तक हो गई है। कुछ स्टार्टअप्स के लिए यह लागत आय से भी ज्यादा है। रिपोर्ट में बताया गया कि ये स्टार्टअप नुकसान में कारोबार कर रहे हैं।

2030 तक 240 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है देश का इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट विनिर्माण

नई दिल्ली। सरकार की ओर से घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा दिए जाने के कारण देश के इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट और सब-असेंबली का बाजार 2030 तक 240 अरब डॉलर के आंकड़े को छू सकता है। इससे 2026 तक करीब 2.8 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी और 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त होगा।भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की रविवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि प्राथमिक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट और सब-असेंबली (पीसीबीए सहित) की मांग 2030 तक 30 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ते हुए 139 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है।

पिछले वर्ष इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट और सब-असेंबली की मांग 45.5 अरब डॉलर पर थी जिसने करीब 102 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विनिर्माण में मदद की। रिपोर्ट में बताया गया है कि बैटरी (लिथियम आयन), कैमरा मॉड्यूल, मैकेनिकल, डिस्प्ले और पीसीबी के लिए कंपोनेंट को सरकार ने उच्च प्राथमिकता में रखा है। वर्ष 2022 में देश की कुल इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट की मांग में 43 प्रतिशत का योगदान इन्हीं उत्पादों का था। वर्ष 2030 तक इस मांग के 51.6 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया कि पीसीबीए में भारत के लिए काफी संभावनाएं हैं क्योंकि इसकी मांग की ज्यादातर पूर्ति आयात से की जाती है। यह सेगमेंट 30 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है। इसकी मांग 2030 में 87.46 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कुछ विशेष इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट के लिए वित्तीय सहायता देने की भी मांग की गई है। छह से आठ साल तक वित्तीय सहायता मिलने से इन उत्पादों की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए उत्पादकों के पास पर्याप्त समय होगा। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में प्रमोशन ऑफ मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट एंड सेमीकंडक्टर 2.0 स्कीम शुरू करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि दूसरे चरण में 25 से 40 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाए ताकि संभावित निवेशकों को आसानी हो। सीआईआई ने कहा है कि भारतीय उत्पादों की निर्यात मांग पैदा करने से दोतरफा फायदा होगा। पहला, निर्यात की मात्रा बढ़ जाएगी।

मछली पालन में आंध्र प्रदेश, तो चीनी उत्पादन में यूपी अव्वल, फलों में आम से आगे निकला केला

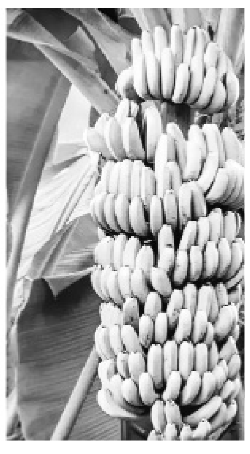

नई दिल्ली। बीते दो दशक के दौरान देश में मछली की खपत काफी ज्यादा बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट बताती है कि 2005 में एक व्यक्ति सालभर में औसतन 4.9 किलो मछली खाता था। लेकिन, 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 8.89 किलो तक पहुंच गया। इसका असर जाहिर तौर पर मछली की मांग पर पड़ा और मछली पालने के व्यवसाय ने जोर पकड़ा।

जलकृषि में आंध्र प्रदेश अव्वल...अगर राज्यों की बात करें, तो मत्स्य पालन और जलकृषि में आंध्र प्रदेश अव्वल है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी व्यवसाय में कुल हिस्सेदारी 40.9 फीसदी है। इसके बाद पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार का नंबर आता है। मत्स्य पालन में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 2011-12 में 24.6 फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर 14.4 फीसदी हो गई। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से उत्पादन के मूल्य पर सांख्यिकी कार्यालय की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा और बिहार ने अपना हिस्सा बढ़ाया है।

पशुधन उत्पाद में भी इजाफा...मत्स्य पालन और जलकृषि का उत्पादन 2011-12 में लगभग 80,000 करोड़ रुपये था। यह एक दशक यानी 2022-23 में बढ़कर लगभग 1,95,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। समुद्री मछली पकड़ने के उत्पादन में झींगा का दोनों तरह से उत्पादन शामिल है, चाहे उन्हें समुद्र से पकड़ा गया हो, या फिर जमीन पर पाला गया हो।

यूपी चीनी में सबसे मीठा...उत्तर प्रदेश की 2011-12 में चीनी उत्पादन में हिस्सेदारी करीब 41 फीसदी थी। यह एक दशक में बढ़कर देश के कुल उत्पादन की आधे से अधिक हो गई। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र रहा, 19 फीसदी उत्पादन के साथ। इसके बाद कर्नाटक (8.9%), तमिलनाडु (3.9%), बिहार (3.3%) रहा। शेष राज्यों की हिस्सेदारी 11.4% थी। फलों की बात करें, तो 2022-23 में केले ने उत्पादन के मूल्य के मामले में फलों के राजा आम को पीछे छोड़ दिया। केले की हिस्सेदारी 10.9 फीसदी थी। आम की इससे थोड़ी कम यानी 10 फीसदी। सब्जियों में आलू और प्याज ने मिलकर सबसे अधिक उत्पादन में योगदान दिया। इनकी समूह के कुल उत्पादन में 15 फीसदी हिस्सेदारी थी। फूलों की खेती का योगदान लगभग 7 प्रतिशत था।

अर्थव्यवस्था में अहमियत...भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि, वानिकी और मछली पकड़ने के व्यवसाय की काफी अहमियत है। डेटा से पता चलता है कि 2022-23 में मौजूदा कीमतों पर इनकी ग्रॉस वैल्यू एडेड (ऋ़अ) में हिस्सेदारी 18.2 फीसदी है। ऋ़अ आर्थिक प्रदर्शन का एक प्रमुख संकेतक है। अगर कृषि योग्य भूमि (155.37 मिलियन हेक्टेयर) की बात करें, तो भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। अनाज उत्पादन में तीसरे; और मूंगफली, फल, सब्जियां, गन्ना, चाय और जूट में दूसरे स्थान पर है। 2020 की नवीनतम उपलब्ध जानकारी के अनुसार, देश में भैंस और बकरी के सबसे बड़े झुंड थे। इस मामले में यह दुनिया में दूसरे नंबर पर है।

केनरा बैंक का ट्विटर अकाउंट हैक नेटिजेंस ने पूछा 'ग्राहक कहां जाएंगे'

नई दिल्ली। केनरा बैंक ट्विटर/एक्स हैक: हाल ही में हैकिंग की घटना में केनरा बैंक ने अपने एक्स हैंडल पर नियंत्रण खो दिया। बैंक ने एक बयान जारी किया और कहा कि खाते से छेड़छाड़ की गई थी। 2.55 लाख से अधिक फॉलोअर्स के साथ, आधिकारिक @ल्लां१ुल्ल' खाते का नाम बदलकर "." कर दिया गया है। एक्स अकाउंट के 2.55 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। केनरा बैंक ने कहा कि संबंधित टीमें मामले की जांच कर रही हैं और वह अपने हैंडल तक पहुंच हासिल करने के लिए माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी में काम कर रहा है। अकाउंट द्वारा कोई नई पोस्ट अपलोड नहीं की गई।

केनरा बैंक ने फेसबुक पर पोस्ट किया, "केनरा बैंक सभी संबंधित लोगों को सूचित करना चाहता है कि बैंक के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से छेड़छाड़ की गई है। सभी संबंधित टीमें मामले की जांच कर रही हैं और जल्द से जल्द केनरा बैंक एक्स हैंडल तक पहुंच हासिल करने के लिए एक्स के साथ मिलकर काम कर रही हैं।"बैंक ने कहा, "हम उपयोगकर्ताओं से हमारे एक्स पेज पर कुछ भी पोस्ट न करने का आग्रह करते हैं। जब यह बहाल हो जाएगा और केनरा बैंक के नियंत्रण में काम करने लगेगा, तो हम तुरंत सूचित करेंगे।" सेवाओं का लाभ उठाने के विकल्प के रूप में, उपयोगकर्ता या तो बैंक की शाखा में जा सकते हैं या ऑनलाइन वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।

सुरक्षा उपाय के रूप में, केनरा बैंक के ग्राहकों को प्रभावित अवधि के दौरान केनरा बैंक के एक्स हैंडल द्वारा की गई सभी post को अनदेखा करना चाहिए और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठाने या शिकायत दर्ज करने के लिए बैंक को टैग नहीं करना चाहिए। यह हालिया हैकिंग घटना 17 जून को एक्सिस बैंक के खाते में सेंधमारी की घटना के बाद हुई है। हैकर ने उस समय एक्सिस बैंक के सपोर्ट हैंडल से एलन मस्क की टेस्ला और क्रिप्टोकरेंसी के बारे में कुछ अपडेट पोस्ट किए थे और बैंक ने अपने ग्राहकों से अनुरोध किया था कि वे इस अवधि के दौरान की गई सभी पोस्ट को अनदेखा करें और किसी भी अनधिकृत लिंक पर क्लिक न करें। एक्सिस बैंक ने चेतावनी जारी की कि वह कभी भी "इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग पासवर्ड, ओटीपी, एटीएम पिन या अन्य किसी भी तरह की व्यक्तिगत जानकारी" नहीं मांगेगा।

टी-20 विश्वकपः टीम अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया को 21 रनों से हराया बड़ा

केनिंग्स्टन, एजेंसी। रहमानउल्लाह गुरबाज (60) और इब्राहिम जदरान (51) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गुलबदीन नईब (चार विकेट) और नवीन उल हक (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 21 रनों से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने क्रिकेट के किसी भी प्रारुप में पहली बार ऑस्ट्रेलिया पर जीत दर्ज की है।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की रहमानउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकार्ड 118 रनों की साझेदारी करते हुए पारी की शानदार शुरूआत की। 16वें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस ने रहमानउल्लाह गुरबाज को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। रहमानउल्लाह गुरबाज ने 49 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए 60 रनों की पारी खेली। इसके बाद 17वें ओवर में एडम जम्पा ने अजमतउल्लाह उमरजई (2) को आउट कर दूसरी और इसी ओवर की आखिर गेंद पर इब्राहिम जदरान को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को तीसरी सफलता दिलाई। इब्राहिम जदरान ने 48 गेंदों में छह चौके लगाते हुये (51) रनों की पारी खेली। करीम जनत (13), कप्तान राशिद खान (2) और गुलबदीन नईब (शून्य) पर आउट हुये। मोहम्मद नबी (10) और नांगेलिया खरोटे (1) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 148 का स्कोर खड़ा किया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने तीन विकेट लिये। एडम जम्पा को दो विकेट मिले। मार्कस स्टॉयनिस ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत बेहद खराब रही। नवनी उल हक ने पहले ही ओवर में ट्रैविस हेड (शून्य) को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। इसके बाद मोहम्मद नवी ने तीसरे ओवर में डेविड वॉर्नर (3) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। छठवें ओवर में कप्तान मिचेल मार्श (12) भी नवीन उल हक का शिकार बन गये ऐसे सकंट के समय जब ऑस्ट्रेलिया ने 32 रनों पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। ग्लेन मैक्सवेल ने मार्कस स्टोइनिस के साथ 39 रन की साझेदारी कर टीम को संभालने का प्रयास किया। नईब को स्टोइनिस (11) को आउट करा कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मैच का पांसा पलट गया। टिम डेविड (2) को नईब ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में गुलबदीन नईब ने मैक्सवेल को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मैक्सवेल ने 41 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुये (59) रनों की पारी खेली। इसके बाद अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने मैथ्यू वेड (5), पैट कमिंस (3), ऐश्टन एगार (2), एडम जम्पा (9) को ढ़ेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी का 19.2 ओवर में 127 रन पर अंत कर मुकाबला 21 रनों से जीत लिया।

अफगानिस्तान की इस जीत ने सुपर-आठ ग्रुप-1 में सेमीफाइनल में पहुंचने की जंग को रोमांचक हो गई है। ऑस्ट्रेलिया को अपना आखिरी सुपर-आठ मुकाबला भारत के साथ और अफगानिस्तान को बंगलादेश के खिलाफ खेलना है।

पिछले दो वर्षों से हमें इस तरह की जीत की कमी चल रही थी : राशिद खान

किंग्सटाउन। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद कहा कि टीम को पिछले दो वर्षों में इस तरह के गौरवशाली पल की कमी खल रही थी। अफगानिस्तान ने सुपर 8 के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखा। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी पहली जीत भी है। राशिद ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए एक टीम और एक देश के रूप में बहुत बड़ी जीत है। यह शानदार एहसास है जिसकी हमें पिछले दो वर्षों से कमी खल रही थी। इस जीत से वास्तव में मैं बहुत खुश हूं और मुझे अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (60) और इब्राहिम जदरान (51) ने अर्धशतक जमाए, लेकिन इसके बावजूद अफगानिस्तान 6 विकेट पर 148 रन ही बना पाया। इसके बाद गुलाबदीन नायब ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20 रन देकर 4 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया को 19.2 ओवर में 127 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। राशिद ने कहा, इस विकेट पर 140 रन का स्कोर अच्छा था लेकिन हम बल्लेबाजी में वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसा हमें करना चाहिए था। हमारे सलामी बल्लेबाजों ने हमें बहुत अच्छी शुरूआत दिलाई। हमने इसके बाद भरोसा बनाए रखा। इस टीम की यह खूबसूरती है कि इसके पास अच्छे ऑलराउंडर और शानदार विकल्प मौजूद हैं।

हमें इसी तरह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करनी चाहिए : रोहित

सेंट विंसेंट, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम की बल्लेबाजी अप्रोच को लेकर संतुष्ट हैं और उनका मानना है कि उनकी टीम को इसी तरह की आक्रामक शैली में बल्लेबाजी करनी चाहिए।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अब तक भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी है। बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, "मैं काफी लंबे समय से इस पर अपनी राय रखते आया हूं। हमने आज परिस्थितियों को बहुत बेहतर ढंग से परखा। गेंद और बल्ले दोनों के साथ ही हमारी रणनीति सफल हुई। कुल मिलाकर यह बहुत बढ़िया टीम एफर्ट था। हमें मैदान में उतर कर उसी तरह का खेल खेलना है, जो हमसे उम्मीद की जाती है।"

भारत ने स्कोरबोर्ड पर 196 रन बनाए। इस पारी में गेंदों के लिहाज से सबसे लंबी पारी विराट कोहली की थी, जिन्होंने 28 गेंदों पर 37 रन बनाए जबकि सर्वश्रेष्ठ स्कोर हार्दिक पांड्या का था जिन्होंने 27 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए। इस बीच पारी में ऋषभ पंत (24 गेंदों पर 36) और शिवम दुबे (24 गेंदों पर 34) की ओर से खेली गई कैमियो पारियां भी शामिल थीं।

रोहित ने कहा, "हर बल्लेबाज को अपनी भूमिका अदा करनी होती है। आज सिर्फ. एक बल्लेबाज ने ही अर्धशतक लगाया, लेकिन इसके बावजूद हम 196 तक पहुंच गए। मुझे नहीं लगता कि टी20 में यह मायने रखता है कि आप कितने अर्धशतक या शतक लगा रहे हैं बल्कि यह ज्यादा जरूरी है कि आप विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में कितने सफल हैं।"

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच 'करो या मरो' का मुकाबला

नॉर्थ साउंड, एजेंसी। मेजबान वेस्टइंडीज को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सोमवार को सुपर आठ चरण का आखिरी मुकाबला हर हालत में जीतना होगा।

सुपर आठ चरण के पहले मैच में इंग्लैंड से हारने के बाद वेस्टइंडीज ने सह मेजबान अमेरिका को नौ विकेट से हराया। अब जीत के साथ उसका अंतिम चार में प्रवेश तय हो जायेगा जबकि हारने पर मामला नेट रनरेट पर जायेगा और वह भी तब जबकि अमेरिका दूसरे मैच में इंग्लैंड को हरा दे।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक सभी छह मैच जीते हैं लेकिन उसे भी जीत की जरूरत है। हारने पर उसका अंतिम चार में पहुंचना भी बाकी मैचों के नतीजों और नेट रनरेट पर टिका होगा। दोनों टीमों के सामने हालांकि मैच से पहले तस्वीर साफ होगी।

वेस्टइंडीज टीम इंग्लैंड के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम रही थी लेकिन अमेरिका के खिलाफ अपनी इस कमी से उसने पार पा लिया। शाइ होप ने 39 गेंद में 82 रन बनाये और उनके अलावा डैथ ओवरों में निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल भी आक्रामक बल्लेबाजी में माहिर हैं।

काइल मायर्स भी अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। एसए 20 और विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मौका दिया जा सकता है।

रोस्टन चेस ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम पावरप्ले में जब भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, मैच जीत जाते हैं। अभी यही फोकस होगा कि पावरप्ले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी बढिया रहे।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सारे मैच जीतने के बावजूद आत्मविश्वास से भरी नहीं लग रही। अमेरिका और नेपाल जैसी नौसिखिया टीमों ने उसे नाकों चने चबवा दिये थे।

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने कहा, पिछले सभी विश्व कप देखें तो हम कई करीबी मुकाबले हारे हैं। इस बार हम उन्हें जीत रहे हैं जो देखकर अच्छा लग रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के लिये क्विंटोन डिकॉक और रीजा हेंडरिक्स ने रन बनाने की जिम्मेदारी निभाई है जबकि गेंदबाजी में एनरिच नॉर्किया और केशव कामयाब रहे हैं।

वेस्टइंडीज के पास अकील हुसैन, गुडाकेश मोती और चेस जैसे उम्दा स्पिनर भी हैं जिन पर बीच के ओवरों में रनगति रोकने का जिम्मा होगा।

टीमें :

दक्षिण अफ्रीकाः एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

वेस्टइंडीजः रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

मैच का समय : सुबह छह बजे से।

भारत का आलराउंड प्रदर्शन, बांग्लादेश 50 रन से हारा

एंटीगा, एजेंसी। आईसीसी टी20 विश्वकप में भारत का अजेय सफर शनिवार को जारी रहा। एंटीगा में सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, नॉर्थ साउंड की धीमी पिच पर हार्दिक पांड्या (50 नाबाद) के अर्धशतकीय प्रहार के बाद कुलदीप यादव (19 रन पर तीन विकेट) और जसप्रीत बुमराह एवं अर्शदीप सिंह के कातिलाना अंदाज की बदौलत भारत ने सुपर आठ के ग्रुप ए मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 50 रन से आसान जीत दर्ज की।

भारत ने पहले खेलते हुये निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 196 रन बनाये जिसके जवाब में बांग्लादेश आठ विकेट पर 146 रन ही बना सका। भारत की जीत में बल्लेबाजों और गेंदबाजों का बराबर का योगदान रहा। रोहित शर्मा (23),विराट कोहली (37) और ऋषभ पंत (36) की मजबूत शुरूआत के बाद हार्दिक पांड्या के शानदार अर्धशतक और शिवम दुबे (34) के साथ 53 रनो की तेज भागीदारी की मदद से भारत ने एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

बाद में कुलदीप यादव की खतरनाक फिरकी से बांग्लादेशी खुल कर नहीं खेल सके और दवाब में अपने विकेट गंवाने को मजबूर हुये वहीं विश्व के नंबर एक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की दहशत भी बांग्लादेशी बल्लेबाजों के चेहरे पर साफ दिखायी पड़ी। बुमराह ने पहले कप्तान नजमुल शांतो (40) का अहम विकेट लिया जबकि बाद में खतरनाक दिख रहे रिशाद हुसैन (24) को निपटाया। दूसरी ओर अर्शदीप ने महमुदल्लाह(13) और जाकिर अली का विकेट चटकाया। इससे पहले कुलदीप ने तंजिद हसन (29),तौहीद हृदोय (4) और शाकिब अल हसन (11) के विकेट झटके।

टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने का बांग्लादेशी कप्तान नाजमुल हस शान्तो का फैसला अचरज भरा था क्योंकि धूप तेज होने के साथ यहां पिच के और धीमा होने के कयास लगाये जा रहे थे।

रोहित और विराट ने पारी की शुरूआत आक्रमक तरीके से की और दोनो ने पहले पावर प्ले का भरपूर फायदा उठाते हुये मैदान के चारों ओर कई आकर्षक शाट्स लगाये। रोहित हालांकि पारी के चौथे ओवर में शाकिब अल हसन का शिकार बने। शाकिब की धीमी गेंद को ऑन साइड में हिट करने के प्रयास में फुलर गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और मिड ऑफ जाकेर ने दौड़ लगाते हुये उनका कैच लपक लिया।

नये बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विराट का साथ देते हुये रनो की रफ्तार को बनाये रखा और दोनो ने आठवे ओवर तक टीम के खाते में 70 रन जोड़ लिये थे मगर इस बीच विराट की पारी का अंत तनजीम हसन साकिब ने किया जब उनकी डिलीवरी पर कोहली पूरी तरह से गच्चा खा गए और पुल करने के प्रयास में गेंद की लाइन से चूक गये और गेंद स्टंप से टकरा गयी। इसी ओवर में बांग्लादेश को विस्फोटक सूर्य कुमार यादव (6) के विकेट के रुप में एक और अहम सफलता मिली। ऋषभ पंत 12वें ओवर में

हमने एकजुट प्रदर्शन किया और अपनी योजनाओं को लागू किया : पंड्या

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। तेजतर्रार अर्धशतक जड़कर भारत को आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में शनिवार को यहां बांग्लादेश पर 50 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने जीत का श्रेय टीम प्रयास को दिया। भारत के 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम कुलदीप (19 रन पर तीन विकेट), जसप्रीत बुमराह (13 रन पर दो विकेट) और अर्शदीप (30 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी। इससे पहले पंड्या (नाबाद 50 रन, 27 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक के अलावा विराट कोहली (37), ऋषभ पंत (36) और शिवम दुबे (34) की उपयोगी पारियों से भारत ने पांच विकेट पर 196 रन बनाए। पंड्या ने एक विकेट भी हासिल किया।

एक नजर

कमिंस ने टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी हैट्रिक लगाई

किंग्सटाउन, एजेंसी। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप में लगातार दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर आठ चरण के मैच में यह कमाल किया। कमिंस ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर राशिद खान को आउट किया। इसके बाद 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर करीम जनत और गुलबदिन नायब के विकेट लिये। कमिंस ने पारी के ब्रेक में कहा , आस्ट्रेलिया के लिये सौ से ज्यादा मैच खेलने के बाद लगातार दो हैट्रिक लगाना सुखद है। कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में भी 18वें और 20वें ओवर में महमूदुल्लाह, मेहदी हसन और तौहीद हृदय के विकेट लिये थे। आस्ट्रेलिया को हालांकि अफगानिस्तान ने 21 रन से हरा दिया।

अगर वेस्टइंडीज नहीं जीत पाती तो मैं तुम्हारे साथ हूं, रिचडर्स ने टीम इंडिया से कहा

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। महान बल्लेबाज विवियन रिचडर्स ने भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम का दौरा करके रोहित शर्मा और टीम से कहा कि अगर वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप में पहले बाहर हो जाती है तो वह भारतीय टीम की हौसलाअफजाई करेंगे। रिचडर्स बांग्लादेश और भारत के बीच सुपर आठ चरण के मैच के बाद फील्डिंग मेडल देने भारतीय ड्रेसिंग रूम में आये थे। उन्होंने कहा, बेहतरीन प्रदर्शन। इतनी दमदार टीम से मैं क्या कहूं। आपका प्रदर्शन अभी तक अच्छा रहा है और मैं इतना ही कहूंगा कि अगर वेस्टइंडीज टीम नहीं जीत पाती है तो मैं आपके साथ हूं। उन्होंने कहा, वेस्टइंडीज का होने के नाते आपको यहां देखकर अच्छा लग रहा है। बीसीसीआई ने यह वीडियो पोस्ट की है। रिचडर्स ने फील्डिंग मेडल सूर्यकुमार यादव को दिया जिन्होंने स्क्वेयर लेग पर लिटन दास का शानदार कैच लपका था। उन्होंने ऋषभ पंत की तारीफ करते हुए कहा, उस हादसे के बाद तुम्हे यहां देखकर अच्छा लग रहा है। अगर नहीं आते तो हम एक बेहतरीन प्रतिभा को खो देते। तुम्हे इस तरह खेलते देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। शानदार प्रदर्शन।

भारतीय रिकर्व मिश्रित टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में कांस्य पदक जीता

अंताल्या (तुर्की), एजेंसी। धीरज बोम्मादेवरा और भजन कौर की भारतीय रिकर्व मिश्रित टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार के यहां मैक्सिको को हराकर तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। भारत का वर्तमान विश्व कप में यह तीसरा पदक है। उसे अभी दो और पदक मिल सकते हैं। धीरज और अंकिता भक्त को अभी अपने व्यक्तिगत सेमीफाइनल में भाग लेना है। भारत के लिए इससे पहले शनिवार को ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

नाडा ने बजरंग पूनिया को फिर निलंबित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने रविवार को बजरंग पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया। इससे तीन सप्ताह पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द किया था कि नाडा ने पहलवान को आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी नहीं किया था। नाडा ने 23 अप्रैल को तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिये मूत्र के नमूने नहीं दिये थे। खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित किया था। बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील दायर की थी और नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पेनल (एडीडीपी) ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद्द कर दिया था। नाडा ने रविवार को पूनिया को नोटिस जारी किया। नाडा ने पूनिया को भेजे नोटिस में कहा, यह आपके लिये औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थायी रूप से निलंबित हैं। पूनिया को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिये 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

पिच आखिरी ओवरों में धीमी हो गयी थी, 196 रन तक पहुंचना शानदार प्रयासः हार्दिक

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। भारतीय उप-कप्तान हार्दिक पंड्या का मानना है कि टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ सुपर आठ चरण में बल्लेबाजी इकाई ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम पांच विकेट पर 196 तक पहुंचने में सफल रही। पंड्या की 27 गेंदों में 50 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद प्रसारकों से कहा कि इस पिच पर 180 रन संघर्ष करने के लिए अच्छा स्कोर है। पंड्या के अलावा विराट कोहली (37), ऋषभ पंत (36) और शिवम दुबे (34) के योगदान से भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने बड़ा स्कोर खड़ा किया। पंड्या ने भारतीय पारी के बाद कहा, विकेट (पिच) अच्छी है। यहां 180 रन भी संघर्ष करने के लिए बेहतर स्कोर होता। हमने 196 रन बनाये। यह बढिया स्कोर है। उन्होंने पिछले कुछ मैच में संघर्ष करने वाले वामहस्त बल्लेबाज दुबे की दबाव में की गयी बल्लेबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा, जब दुबे क्रीज पर गये थे तब टीम ने बेहद कम समय में दो विकेट गंवा दिये थे। उन्हें अपना समय लेना पड़ा और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उनकी ताकत स्पिनरों के खिलाफ बड़े शॉट खेलने की है। पंड्या ने कहा, जब समय आया, जब हमारे पास बड़े शॉट खेलने का मौका था तब हमने ऐसा किया।

ऑस्ट्रेलिया दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, भारत के खिलाफ ऐसा करेंगे : मार्श

किंग्सटाउन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा कि उनकी टीम दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है तथा वह अफगानिस्तान से मिली हार से उबरकर भारत के खिलाफ सोमवार को होने वाले करो या मरो मैच में शानदार वापसी करेगी। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर 8 के मैच में अफगानिस्तान से 21 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया को अब भारत के खिलाफ सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी बल्कि अच्छा नेट रन रेट भी बनाए रखना होगा। मार्श ने संवाददाताओं से कहा, यह महत्वपूर्ण मैच है जो भारत के खिलाफ होगा और इसमें हमें हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अगर हमारी इस टीम के इतिहास को देखें तो हमारे खिलाड़ी दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से इसके लिए पूरी तरह तैयार होंगे। उन्होंने कहा, हमारे लिए चीजें अब स्पष्ट हैं।

हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर समझ नहीं आ रहा कि कौन-सा करवाएं। घर पर कोई बताने वाला भी नहीं है। हम है न! हम बताते हैं कि इस साल कौन-सा हेयरकट हिट रहेगा?

हेयरकट हिट जलवा फिट

मम्मा की पसंद का हेयरकट बहुत करवा लिया। कैटरीना, करीना और प्रियंका चोपड़ा जैसा हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर मम्मा है कि समझती नहीं हैं। उन्हें लगता है कि तुम पढ़ाई में कम और फैशन में ज्यादा ध्यान देने लगी हो। अब ये बात उन्हें कौन समझाए कि हेयरकट करवाने से तुम कितनी स्मार्ट दिखोगी। सब तारीफ करेंगे तुम्हारी और ये सब मम्मा को अच्छा लगेगा ही। जल्दी से मम्मा को मनाओ कि तुम अपना हेयरकट करवाना चाहती हो, ताकि सब उनसे तुम्हारी तारीफ कर सकें। लेकिन, 2010 के ट्रेंड को ध्यान में रखकर ही हेयरकट करवाना।

एक्स्ट्रा शॉर्ट ब्लॉन्ड: तुम्हारे बाल पतले और हल्के हैं, तो तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा, क्योंकि घने बालों पर ही थोड़े लंबे हेयरकट अच्छे लगते हैं, लेकिन इस तरह का हेयरकट हार्ट शेप या ओवल शेप वाले चेहरे पर ही अच्छा लगता है। ये हेयरकट आसानी से कैरी हो जाते हैं। इन्हें आप रोज शैंपू कर सकते हैं। अब मौसम बदल रहा है। एकाध महीने में गर्मियां भी आ जाएंगी। उसके बाद तो मन करेगा कि रोज बाल धोएं। तुम्हारे बालों की क्वालिटी कुछ ऐसी ही है, तो फटाफट अपना हेयरकट करवा डालो।

बॉब कट : प्रियंका चोपड़ा तो तुम्हें जरूर पसंद होगी। उसका फिगर और हेयरकट है ही बड़ा कमाल का। प्रियंका ने प्यार इंपॉसिबल के लिए जो हेयरकट करवाया है, वो यही तो है। छोटे-छोटे बाल कानों तक। अगर तुम्हारा फिगर भी कुछ ऐसा ही है, तो यकीनन तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा। कर्ली और वेवी बालों पर भी बॉब कट सूट करता है। इस हेयरकट की सबसे अच्छी बात यह है कि सब तरह के फेसकट पर सूट करता है।

बैंग्स: बैंग्स सुनने में बड़ा अटपटा लगता है, पर है वही पुराना साधना कट जैसा। कुछ-कुछ वैसा ही दिखता है। आगे की तरफ गिरे हुए बाल। कैटरीना कैफ आजकल बैंग्स हेयरकट में दिखती है। पता है, इस हेयरकट में तुम बार्बी डॉल जैसी दिखोगी। लेकिन किसी ऐरू-गेरू पॉर्लर से ये हेयरकट मत करवाना। किसी ढंग के पार्लर में जाकर ही हेयरकट करवाना। उन्हें पता रहता है कि बाल कैसे काटने हैं। थोड़ा खर्च होगा पर तुम्हारे दोस्त कम से कम तुम्हारी हंसी नहीं उड़ाएंगे।

पिक्सी: शॉर्ट हेयरस्टाइल में पिक्सी सबसे ट्रेंडी हेयरकट है, लेकिन ये पतले चेहरे पर ही अच्छा लगते हैं। इसे मैंटेन करना भी आसान है। पिक्सी में चॉपी और शैगी दो ऑप्शन हैं। पिक्सी हेयरकट पीछे से छोटे और आगे से थोड़े गिरे हुए होते हैं। ये हेयरकट सबसे ज्यादा ट्रेंडी और मॉडर्न लुक देता है। तुम्हारे बाल अगर बढ़ते नहीं हैं, तो आंख मूंदकर ये हेयरकट करवा लो। इसी बहाने थोड़ी स्टाइलिश दिखोगी।

बन हेयरस्टाइल: बन बनाने के लिए टाइम चाहिए होता है। दीपिका पादुकोण अक्सर साड़ी में इसी हेयर स्टाइल के साथ दिख चुकी है। बन थोड़े लंबे बालों में ही बन पाता है। बाल कम से कम कंधों तक तो हों, वरना बन बनाने में असुविधा होती है। अगर तुम हेयरकट नहीं करवाना चाहती और फैमिली की शादी में तुम्हें स्टाइलिश भी दिखना है, तो इसी हेयरस्टाइल में वहां जाना।

सेडू हेयरस्टाइल: सेडू यानी सिडक्टिव हेयरकट। थोड़े लंबे और चमकदार बालों में ही सेडू हेयरकट बनता है। सेडू हेयरस्टाइल में हर तरह के कर्ली और वेवी बालों पर सूट करते हैं। तुम्हारे बाल लंबे, चमकदार और स्ट्रेट हैं, तो तुम इस हेयरस्टाइल में स्मार्ट दिखोगी। फ्रिंज हेयरकट तुम अपने चौड़े माथे से परेशान हो और कुछ करवाना चाहती हो, ताकि तुम्हारा माथा छिप सके। फिर हम तुम्हें यह हेयरकट रखने की सलाह देंगे, क्योंकि इससे तुम्हारा चौड़ा माथा छुप जाएगा। हॉलीवुड अभिनेत्री कैट मॉस यही हेयरकट रखती हैं।

घर संभालने की कला

दोस्तों घर का हिसाब-किताब करना हो या रिश्तेदारी निभाना, घरेलू मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी तो महिलाओं पर ही रहती है। अक्सर पुरुषों को इन मामलों में फिसड्डी ही समझा जाता है, लेकिन कुछ समय पहले हुए एक शोध के मुताबिक कहानी कुछ और ही है। कैलिफोर्निया में हुए इस शोध का कहना है कि अगर पुरुषों को मौका दिया जाए तो वे एक अच्छे होम मेकर साबित हो सकते हैं। तकरीबन 350 महिलाओं और पुरुषों पर किए गए इस अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि अगर एक बार उन्हें घर संभालने की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे उसे काफी अच्छे तरीके से निभाना पंसद करते हैं।

इस रिसर्च के मुख्य शोधकर्ता जेड विडसन आंकड़ों को आधार बनाकर बताते हैं कि करीब 71 फीसदी पुरुष अपनी तनख्वाह के मुताबिक ही खर्च करते हैं, जबकि 53 प्रतिशत महिलाएं क्षमता से ज्यादा। लगभग 73 प्रतिशत पुरुष अपने आमदनी के हिसाब से शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड्स, जीवन बीमा व अन्य बचत योजनाओं आदि पर निवेश करने पर प्राथमिकता देते हैं, जबकि केवल 4 फीसदी महिलाएं ही निवेश के बारे में गहरी जानकारी रखती हैं। अब आप कहेंगे कि केवल बचत करने से क्या, उन्हें खाना बनाना भी तो आना चाहिए, लेकिन हम आपको बताते चलें कि अमूमन पुरुष 'मुझे तो खाना बनाना आता ही नहीं' कहकर काम से बचकर निकल जाते हैं। लेकिन अगर एक बार पुरुष पाक कला सीख जाएं तो वह उसमें भी एक्सपर्ट हो जाते हैं। यकीन नहीं आया न, जरा आस-पास नजर दौड़ाइए, आपको सबसे बेहतरीन शेफ पुरुष ही मिलेंगे।

हैंडबैग महिलाओं के लुक को न केवल विशेष बनाता है, बल्कि व्यक्तित्व को उभारता भी है। मौजूदा दौर में हैंडबैग महिलाओं का आवश्यक साथी बन चुका है। हैंडबैग व पर्स का रंग व आकार यदि जूतों, कद काठी व वस्त्रों से मेल खाता हुआ हो तो बात कुछ खास हो जाती है।

पर्सनैलिटी के अनुसार हो हैंडबैग

आम तौर पर सफेद, काल, मैरून, भूरे, सिल्वर व सुनहरी हैंडबैंग लगभग सभी पोषकों से मैच कर जाते हैं। अवसर के मुताबिक औपचारिक समारोह में जाते समय या खरीदारी करते समय और नौकरी पर जाते समय आवश्यकतानुसार चीजें भरकर अलग-अलग हैंडबैंग का प्रयोग करना चाहिए।

- कॉलेज व ऑफिस जाने वाली युवतियों को खुशनुमा आधुनिक डिजाइन के जूट, कपड़े, रेक्सिन या चमड़े के कमर तक लटकने वाले हैंडबैंग काम में लाने चाहिए।
- अध्यापन व प्रशासनिक दायित्वों से जुड़ी महिलाओं को सिम्पल डिजाइन का एकरंगा हैंडबैग व पर्स लेना चाहिए।
- दुबली, पतली छोटे कद की महिलाओं को चौड़े स्टैप वाले बड़े आकार के चपटे हैंडबैग का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन पर हल्के-फुल्के स्टेप वाले गोलाकार या पंचकोणनुमा शेप के हैंडबैग खूब फबते हैं।
- नाटी व मोटी महिलाओं को भी बहुत बड़े या छोटे हैंडबैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन्हें कमर से लटकने वाले हैंडबैंग की बजाय हैण्डिल वाले मध्यम आकार के हैंडबैग काम में लेने चाहिए।
- लम्बे कद की महिलाओं पर थोड़े बड़े लटकने वाले हैंडबैंग फबते हैं। शादी व स्वागत समारोह जैसे मांगलिक अवसरों पर पोशाक से मेल खाते मखमल या शनील के पर्स बहुत अच्छे लगते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

चमचमाते साफ-सुथरे हैंडबैग जहां सुरुचिपूर्ण व्यक्तित्व के परिचायक हैं, वहीं बेडौल शेप के उखड़ी जिप वाले, बेकार सामान से भरे हैंडबैग फूहड़ व्यक्तित्व की चुगली खाते नजर आते हैं।

- इससे बचने हेतु अनावश्यक चीजें हैंडबैग में न रखें। इससे जिप व तनियों, स्ट्रेपसद्ध पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और वे जल्दी खराब हो जाते हैं। फालतू चीजें भरी रहने से चीजें भी तुरंत मिल नहीं पातीं।
- बरसात के दिनों में चमड़े व हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी की नमी से ये बेडौल हो जाते हैं और इनमें फफूंद लग जाती है। हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए।
- अधिक समय तक जब पर्स का प्रयोग न करना हो तो उसमें कागज भर कर रखें, ताकि आकार ठीक बना रहे। इन्हें बच्चों व फालतू जानवरों को खेलने के लिये देना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इनके खराब होने का डर बना रहता है।

प्रारंभ में जब महिलाएं गर्वभती होती थी तब उनका एक ही काम था, अपना व अपने बच्चे का ख्याल रखना और उनका करियर का वही खत्म हो जाना, पर अब महिलाओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है जिससे वे अपना व करियर दोनो को संभाल सकती है।

समझे अपने आपको

कामकाजी महिलाओं को दिन में ऑफिस और रात को घर का काम ये दोनो के मध्य अपना भी ध्यान रखना काफी मुश्किल भरा होता है। आम तौर पर महिलाओं को कुछ ऐसे तकलीफें से गुजरती है जो एक गर्वभती महिला ही समझ सकती है, तो ऐसे मे वे स्वंय अपना ख्याल रखें।

सही समय पर सही काम

कामकाजी गर्वभती महिलाओं को अपने कामो का शेड्यूल बनना चाहिऐ ताकि उनके सारे काम सही समय पर हो सके। घर व ऑफिस का टाइम दोनो को ऐसा संतुलन को बनाए रखना चाहिएं की जिससे किसी भी काम को देरी न हो।

न लें टेंशन

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने आपको कूल रखना होता है, इससे डिलिवरी होते समय किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आती, इसके साथ आपको योगा, मसाज, वॉक आदि को अपनाते रहना चाहिए ताकि आपका आने वाला बच्चा स्वस्थ हो।

ऐसा भी करें

- हेल्दी फूड समय-समय पर लेते रहे।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करती रहे।
- समय-समय पर चेकअप कराते रहना चाहिए।
- एक्सपर्ट की सलाह लें।
- आराम दिलाने वाले तरीकों को अपनाएं

हर महिला को सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब वो मां बनती है, पर कामकाजी महिलाओं के लिए ये खुशी कुछ हद तक मायने रखती है क्यों कि उन्हे इसके लिए अपना करियर को छोड़ना पड़ सकता है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं।

आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

फरदीन को 14 साल इंडस्ट्री से दूर रहने का अफसोस

एक्टर फरदीन खान ने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' से एक्टिंग कमबैक किया है। एक्टर ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा कि उन्हें सालों तक इंडस्ट्री से दूर रहने का अफसोस है। फरदीन ने बताया कि इस दौरान वो मुंबई छोड़कर कहीं और शिफ्ट हो गए थे जिसके चलते कई फिल्ममेकर्स को लगा कि वो एक्टिंग करने में इंट्रेस्टेड ही नहीं हैं।

मैं बस कम लोगों के संपर्क में था

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में फरदीन ने कहा, 'मेरे पास साल 2014-15 तक ऑफर आते रहे। उसके बाद लोगों को लगा कि मैं देश छोड़कर कहीं जा चुका हूं। यह परसेप्शन मैं आज तक बदलने की कोशिश कर रहा हूं। मैं पूरे वक्त देश में ही था। बस कम लोगों के संपर्क में था।'

काश यह गैप 6-7 साल कम होता

एक्टर ने आगे कहा, 'जब मेरे पास फिल्मों के ऑफर आने शुरू हुए तब तक मैं काफी वेट गेन कर चुका था। लोगों को फिर लगा कि मैं एक्टिंग करने में इंट्रेस्टेड नहीं हूं। कुल मिलाकर मुझे इंडस्ट्री से 12-14 साल का ब्रेक लेने का अफसोस है। मैंने कुछ भी प्लान नहीं किया था पर कभी-कभी लगता है कि काश यह गैप 6 से 7 साल कम होता।'

वापस लौटा तो डरावना माहौल था

फरदीन इस दौरान सुपरस्टार सलमान खान के टच में भी रहे। एक्टर ने बताया, 'जब मैंने कमबैक करने का फैसला किया तो उन सभी लोगों से कॉन्टेक्ट किया जिनके साथ पहले काम कर चुका था। जब मैं वापस लौटा, वो वक्त बहुत ही डरावना था। मुझे एक दम न्यूकमर जैसी फीलिंग आती थी। इस पूरे दौर में मैं सलमान खान के साथ टच में रहा। संजय गुप्ता ने भी मुझे एक फिल्म 'विस्फोट' ऑफर की। मैं कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा से भी मिला। अभी भी लोगों से मिलकर उन्हें कन्विंस कर रहा हूं कि मैं वापस आ गया हूं और काम करना चाहता हूं।'

14 साल बाद 'हीरामंडी' से लौटे हैं फरदीन

1998 में फिल्म 'प्रेम अगन' से डेब्यू करने वाले फरदीन की आखिरी फिल्म 2010 में रिलीज हुई 'दूल्हा मिल गया' थी। अब उन्होंने 14 साल बाद 'हीरामंडी' से कमबैक किया है। इसके अलावा फरदीन के पास कॉमेडी फिल्म 'खेल-खेल में' भी है जिसमें उनके अलावा अक्षय कुमार और तापसी पन्नू जैसे कलाकार नजर आएंगे।

जानबूझ कर टीवी से दूर रहीं निया शर्मा

एक हजारों में मेरी बहना है और जमाई राजा जैसे टीवी शो से घर-घर मशहूर हुई निया शर्मा इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनके शो सुहागन चुड़ैल को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। निया ने लंबे समय के बाद टीवी सीरियल की दुनिया में वापसी की है। हाल ही में निया ने एक इंटरव्यू के दौरान इस लंबे ब्रेक के पीछे की कहानी को अपने फैंस के संग साझा किया है। निया शर्मा अपने इस ब्रेक के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, सबसे पहली बात तो ये है कि मैं किसी भी ऐसे शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थी जो शुरू होने के तीन महीने बाद बंद हो जाए। मैं लंबे और अच्छे शो के साथ जुड़ना चाहती थी इसलिए मैंने सोच-समझ कर यह ब्रेक लिया था। निया शर्मा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, पिछले कुछ वर्षों में कितने ही शो शुरू हुए और बंद हुए किसी को पता भी नहीं चला। मुझे खुद इनमें से कई शो ऑफर हुए थे जो तीन-चार महीने में बंद हो गए। एक और अहम बात मुझे जो भी रोल ऑफर हो रहे थे मैं उनसे कनेक्ट नहीं फील कर रही थी इसलिए मैंने उन शो में काम नहीं किया। निया शर्मा अपने शो सुहागन चुड़ैल को लेकर काफी उत्साहित हैं। वे कहती हैं, जैसे ही मैंने इस शो के बारे में सुना मैंने तय कर लिया था कि मुझे यह करना है। इस शो में मेरा किरदार काफी अलग और चैलेंजिंग है। मुझे यह शो करके काफी मजा आ रहा है। निया शर्मा पिछली बार एकता कपूर द्वारा निर्मित शो नागिन 4 में नजर आई थीं। इस शो में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा था। इसके बाद वे खतरों के खिलाड़ी- मेड इन इंडिया और झलक दिखला जा जैसे रियलिटी शो का हिस्सा बनीं और विजेता बनकर उभरीं।

बॉर्डर 2 से पहले सूर्या की शूटिंग शुरू करेंगे सनी देओल!

2023 में गदर 2 की भारी सफलता के बाद सनी देओल अपनी रोमांचक आगामी फिल्मों के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 66 वर्षीय अभिनेता सूर्या के लिए फिर से फिल्मांकन शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह एक क्राइम ड्रामा है, जिसका निर्माण 2022 में शुरू हुआ था। कथित तौर पर लाहौर 1947 के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद सनी देओल सूर्या की शूटिंग फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। कमल मुकुट द्वारा निर्मित और एम पद्मकुमार द्वारा निर्देशित, यह फिल्म प्रशंसित मलयालम फिल्म जोसेफ (2018) का हिंदी रूपांतरण है, जिसका निर्देशन भी पद्मकुमार ने किया था। मुकुट के बेटे दीपक मुकुट ने एक इंटरव्यू में बताया, हमने फिल्म का 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। सनी जल्द ही शूटिंग पूरी करेंगे। अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण देओल की उपलब्धता के लिए दो साल के इंतजार के बावजूद, दीपक ने अभिनेता के व्यस्त कार्यक्रम के प्रति समझ और धैर्य व्यक्त किया। इसके अलावा, दीपक ने साझा किया कि मूल फिल्म जोसेफ को देखने के बाद सनी देओल एक शर्त पर रीमेक में भाग लेने के लिए सहमत हुए कि फिल्म अपनी मूल गंभीरता बरकरार रखेगी। दीपक मुकुट ने कहा, सनी की रचनात्मक प्रक्रिया में शामिल हैं। हमारे साथ उनका रिश्ता एक फिल्म से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हम उनका इंतजार करेंगे। क्राइम ड्रामा जोसेफ में जोजू जॉर्ज कथा का नेतृत्व करते हैं क्योंकि यह चार सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के जीवन को उजागर करता है।

इंडियाज बेस्ट डांसर 4 की नई जज बनेंगी करिश्मा कपूर!

लोगों का पंसदीदा मशहूर डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर के चौथे सीजन को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। इस शो की जज अब बदल सकती हैं। सोनाली बेंद्रे इस डांस शो के सीजन तीन में जजों की टीम का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि पहले दो एपिसोड को मलाइका अरोड़ा ने जज किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब इस बार डांस रियलिटी शो में सोनाली बेंद्रे की जज की कुर्सी को करिश्मा कपूर संभाल सकती हैं। करिश्मा कपूर का नाम बॉलीवुड की नामचीन अभिनेत्रियों की सूची में शुमार है। करिश्मा को मनोरंजन जगत में कई साल हो गए। 1992 में फिल्म प्रेम कैदी से अपने हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत करने वाली करिश्मा का जादू अब इंडियाज बेस्ट डांसर 4 शो पर भी दिखाई दे सकता है। करिश्मा बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक है, लाजवाब अभिनय और बेहतर डांस उनकी कुछ खासियतों में से है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार करिश्मा इंडियाज बेस्ट डांसर के चौथे सीजन की जज की कुर्सी संभाल सकती हैं। करिश्मा डांस शो के निर्माताओं के साथ बातचीत कर रही हैं। भले ही उन्होंने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है, लेकिन वह इस ऑफर से खुश हैं और इसे स्वीकार करने के लिए उत्साहित हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोनाली बेंद्रे को इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 में वापसी के लिए अभीतक संपर्क नहीं किया है, बल्कि इस शो के निर्माताओं ने करिश्मा कपूर से जज की कुर्सी संभालने के लिए बातचीत की है। उन्हें डांस शो के लिए फाइनल कर लिया गया है। जल्द ही करिश्मा आने वाले दिनों में अपना कॉन्ट्रैक्ट भी साइन कर लेंगी। IBD अगर सबकुछ सही रहता है तो इस डांस के चौथे सीजन को करिश्मा कपूर, गीता कपूर और टेरेंस लुईस एकसाथ जज करेंगे।

सीजन 3 की जज रह चुकी हैं सोनाली

सोनाली बेंद्रे इंडियाज बेस्ट डांसर 3 के जजों के पैनल का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि इससे पहले दो एपिसोड को मलाइका अरोड़ा ने जज किया था। इंडियाज बेस्ट डांसर 3 पिछले साल सितंबर में खत्म हुआ था। इस डांस रियलिटी शो को समर्पण लामा ने जीता था। उन्होंने अंजलि ममगई, अनिकेत चौहान, विपुल खंडपाल और शिवांशु सोनी को पीछे छोड़ते हुए ट्रॉफी अपने नाम की थी।

ताहिरा कश्यप के डेब्यू प्रोजेक्ट शर्माजी की बेटी का एलान

प्राइम वीडियो ने हाल ही में, कॉमेडी फिल्म शर्माजी की बेटी की अनाउंसमेंट की है। ताहिरा कश्यप खुराना द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म पांच महिलाओं के जीवन पर आधारित है। फिल्म महिलाओं के सपनों को एक नए पंख देने का काम करेगी और अपने सपनों को पाने के लिए सामने आने वाली चुनौतियों को भी बखूबी दिखाएगी। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी हैं। बता दें कि यह फिल्म ताहिरा का डेब्यू प्रोजेक्ट है।

यह है फिल्म की कहानी

एक हल्की-फुल्की और दिल को छू लेने वाली फिल्म, शर्माजी की बेटी महिला सशक्तिकरण और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के विषयों की पड़ताल करती है। तीन मध्यवर्गीय महिलाओं और दो छोटी लड़कियों - जिनका एक ही सरनेम शर्मा है, उनके जेनरेशन गैप को दिखाते हुए फिल्म उनके अनूठे अनुभवों और संघर्षों पर प्रकाश डालती है। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें साक्षी और सैयामी समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। निर्माताओं ने लिखा, साहसी दिल और बड़े सपने! क्या आप इन सुपरवुमेन से मिलने के लिए तैयार हैं? शर्माजी की बेटी का प्रीमियर 28 जून, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। कॉमेडी से भरपूर है फिल्म एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पार्टनर तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर ने कहा, शर्माजी की बेटी सहजता से हास्य और भावुक क्षणों को जोड़ती है, जो दर्शकों को तीन नायिकाओं के जीवन के माध्यम से एक रोलर कोस्टर यात्रा पर ले जाती है, जो अपने अलग तरीकों से चुनौतियों पर काबू पाती है। हमें ताहिरा जैसे निपुण नए निर्देशक के साथ विश्वास के इस प्रोजेक्ट पर बेहद गर्व है।

फिल्म में दिखेगा ताहिरा का विजन

उन्होंने आगे कहा, यह एक मासूम, सरलता से बताई गई कहानी है, जो दर्शकों को मुस्कुराने पर मजबूर कर देगी। साथ ही पीढ़ियों से चली आ रही महिलाओं के लचीलेपन और सपनों को भी स्क्रीन पर दिखाएगी। हमारा मानना है कि ताहिरा का विजन सभी को गहराई से प्रभावित करेगा, जिससे यह प्राइम वीडियो पर दर्शकों के लिए एक पारिवारिक मनोरंजन बन जाएगा।

रोशन परिवार की विरासत आगे बढ़ाना चाहती हैं पश्मीना

रोशन परिवार का बॉलीवुड का मशहूर फिल्मी घराना है। इस घराने से राजेश, राकेश और ऋतिक जैसी मशहूर संगीतकार,निर्देशक और अभिनेता देश को मिले हैं। अब इस घराने से एक और अभिनेत्री दर्शकों के दिल में जगह बनाने आ रही हैं। पश्मीना रोशन जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। इस बीच उन्होंने रोशन परिवार की विरासत को लेकर बात की है।

इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू करने वाली हैं पश्मीना

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना जल्द ही इश्क विश्क रिबाउंड से बतौर अभिनेत्री डेब्यू करने वाली हैं। इस वक्त पूरा रोशन परिवार उन पर गर्व महसूस कर रहा है। रोशन परिवार को विश्वास है कि पश्मीना इस परिवार की शाख को और बढ़ाएंगी। अब अभिनेत्री ने लोगों को उनसे जो उम्मीदें हैं, उसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और साथ ही इस परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर की है।

खुद पर गर्व करने लायक काम करना चाहती हैं पश्मीना

पश्मीना ऋतिक रोशन के चाचा और मशहूर संगीतकार राजेश रोशन की बेटी हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि ऋतिक रोशन जैसी डेब्यू के करीब पहुंचना भी काफी मुश्किल है। पारिवारिक विरासत पर उन्होंने कहा कि ऋतिक अपने मूल्यों के लिए खड़े हैं और पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में उन्हें भी यह उम्मीद है कि वह भी ऐसा कर पाएंगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह ऐसा काम करना चाहती हैं, जिसकी वजह से वह खुद पर गर्व कर सकें।

21 जून को रिलीज होगी इश्क विश्क रिबाउंड

बताते चलें कि इश्क विश्क रिबाउंड आज के समय की एक प्रेम कहानी होगी। इसमें पश्मीना रोशन, रोहित सर्राफ, और जिब्रान मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हाल में ही फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद ऋतिक रोशन और उनकी प्रेमिका सबा आजाद ने भी फिल्म को लेकर उत्साह जताया है। फिल्म को टिप्स फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने किया है। वहीं, फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी और जया तौरानी ने किया है। इश्क विश्क रिबाउंड 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिग बॉस होस्ट करने से पहले अनिल कपूर ने शुरू की सूबेदार की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर इन दिनों रियलिटी स्ट्रीमिंग शो बिग बॉस ओटीटी को होस्ट करने को लेकर चर्चाओं में हैं। सलमान खान के बिजी होने के चलते अनिल कपूर को बिग बॉस ओटीटी 3 का होस्ट चुना गया है। इससे पहले अनिल कपूर ने अपनी अपकमिंग फिल्म सूबेदार की शूटिंग शुरू कर दी है। अनिल कपूर ने सोमवार को फिल्म सूबेदार से अपनी तैयारी की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह एक शख्स का गला पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं। यह एक फाइट ट्रेनिंग सेशन है। इससे पहले अमेजन प्राइम ने अनिल कपूर का फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें एक्टर हाथ में बंदूक लिए बैठे नजर आए थे। यह फिल्म अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। फिल्म की कहानी त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है।

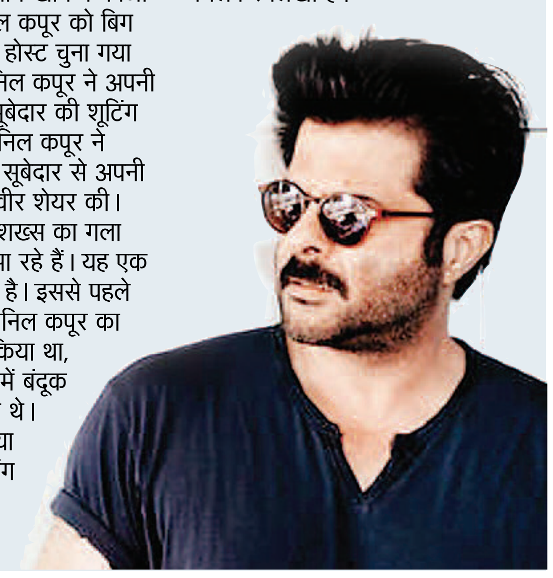

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009